Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
NA
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 17 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-198

बंदरगाह व्यवसाय में उभर रहे भारत को रोकने की थी साजिश

अडाणी तो बहाना था, निशाना कहीं और था

चीन ने हिंडनबर्ग व किंगडन के साथ मिलकर रचा षडयंत्र

चीन की भारत विरोधी बिसात पर राहुल गांधी बने मोहरा

अमेरिका स्थित प्रमुख शोध कंपनी और शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने 25 जनवरी 2023 को भ्रामक रिपोर्ट जारी कर भारत के प्रमुख औद्योगिक घराने अडाणी समूह को निशाना बनाया था। पूरे प्रकरण में हिंडनबर्ग अकेले नहीं था। इसमें अमेरिकी व्यवसायी मार्क एलियट किंग्डन और जॉर्ज सोरोस के साथ चीन की भूमिका के लिंक मिले हैं। इको सिस्टम का यह समेकित हमला अडाणी समूह के बहाने भारत को कमजोर करने के लिए था। इसका कारण है, वैश्विक बंदरगाह व्यवसाय में भारत तेजी से अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है, जिसमें अडाणी पोर्ट्स की भूमिका महत्वपूर्ण है।

हिंडनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि तीन वर्ष में अडाणी समूह की 7 कंपनियों के शेयर 819 प्रतिशत बढ़े, जिससे गौतम अडाणी और उनके परिवार की संपत्ति 100 अरब डॉलर बढ़कर 120 अरब डॉलर हो गई है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि मॉरिशस से लेकर संयुक्त अरब अमीरात तक टैक्स-हेवन देशों में अडाणी परिवार की कई मुखौटा कंपनियां हैं। इनका उपयोग भ्रष्टाचार, मनी लांड्रिंग के लिए किया गया। यानी मुखौटा कंपनियों के जरिए भारत से पैसे बाहर भेजे जाते थे, जो विदेशी निवेश के रूप में वापस आते थे। दावा है कि इन मुखौटा कंपनियों के जरिए फंड की हेराफेरी भी की गई। इस रिपोर्ट से भारतीय शेयर बाजार में भूचाल आ गया, जिसका अडाणी समूह की कंपनियों पर व्यापक प्रभाव पड़ा। अडाणी की

संपत्ति एक महीने के भीतर 80 अरब डॉलर से कम हो गई और एक समय समूह का बाजार मूल्य 150 अरब डॉलर से अधिक नीचे चला गया था।

हालांकि अडाणी समूह ने रिपोर्ट को निराधार और बदनाम करने वाला बताया था। समूह के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) जुगेशिंदर सिंह ने कहा था, रिपोर्ट में तथ्यात्मक आंकड़ों के लिए समूह से संपर्क नहीं किया गया। चुनिंदा गलत व बासी सूचनाओं के साथ निराधार और बदनाम करने की मंशा से रिपोर्ट तैयार की गई। अडाणी समूह के विधि प्रमुख जतिन जलुंढ़वाला ने उस समय कहा था कि अडाणी समूह के शेयरों में होने वाली गिरावट से हिंडनबर्ग को फायदा होगा। उनका आरोप सच साबित हुआ। हिंडनबर्ग ने शॉर्ट और मिड सेलिंग से अडाणी से 40 अरब डॉलर यानी 33 करोड़ रुपए कमाए।

शुभ-लाभ सरोकार

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मामले की जांच के बाद हिंडनबर्ग रिसर्च पर कई तरह के उल्लंघन के आरोप लगाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया। इसमें सेबी ने कहा कि हिंडनबर्ग ने झूठा दावा कर बाजार को गुमराह किया कि भारत में सूचीबद्ध अडाणी समूह के शेयरों में उसका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष निवेश नहीं है। हालांकि हिंडनबर्ग का कहना है कि अडाणी समूह की प्रतिभूतियों में उसका निवेश केवल अमेरिकी-व्यापारिक बॉण्ड और गैर-भारतीय व्युत्पन्न उपकरणों तक सीमित था। हिंडनबर्ग के ये कथन रिपोर्ट के डिक्लेमर, प्रारंभिक प्रकटीकरण, और प्रकटीकरण अनुभागों में दिखे। नोटिस से पता चलता है कि सेबी में पंजीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के-इंडिया अपॉर्च्युनिटीज फंड लिमिटेड (केआईओएफ) क्लास एफ ने रिपोर्ट प्रकाशित होने से ठीक पहले अडाणी इंटरप्राइजेज के शेयरों में कारोबार किया और तुरंत बाद अपनी शॉर्ट पोजीशन को बेचकर 183.24 करोड़ रुपए (22.25 मिलियन डॉलर) का लाभ कमाया।

महत्वपूर्ण बात यह है कि सेबी की जांच में एक अन्य अमेरिकी मार्क एलियट किंग्डन की भूमिका भी सामने आई है। वह हेज फंड किंग्डन कैपिटल मैनेजमेंट का संस्थापक है। सेबी का आरोप है कि रिपोर्ट जारी करने से पहले हिंडनबर्ग और मार्क किंग्डम के बीच लाभ में हिस्सेदारी के लिए एक समझौता हुआ था।

▶10 पर

लोकसभा चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर में तेज हुई आतंकी घटनाएं

डोडा मुठभेड़ में कैप्टन समेत 4 फौजी शहीद

जम्मू, 16 जुलाई (ब्यूरो)।

लोकसभा चुनाव के बाद जम्मू कश्मीर आतंकी हमले की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। सोमवार को जम्मू संभाग के जिला डोडा के देसा वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों और आतंकियों की अचानक मुठभेड़ हो गई, जिसमें सेना के कैप्टन सहित चार फौजी वीरगति को प्राप्त हो गए। आतंकी संगठन कश्मीर टाइगर्स ने हमले की जिम्मेदारी ली है। हालांकि अभी सेना और पुलिस की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बीते आठ दिनों में ये दूसरी आतंकी वारदात है। इससे पहले कठुआ के पहाड़ी क्षेत्र बदनोता में आतंकियों ने घात लगाकर सैन्य वाहन पर हमला किया था। इसमें पांच जवान शहीद हो गए थे।

डोडा में मुठभेड़ के दौरान सैन्य अधिकारी समेत पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। घायलों की गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान कैप्टन समेत चार जवानों ने दम तोड़ दिया। एक अन्य जख्मी फौजी का इलाज चल रहा है।

कैप्टन ब्रजेश कुमार

आतंकियों की गोली से एक अन्य जवान भी जख्मी

32 महीनों में तकरीबन 50 सैनिकों ने जान गंवाई

कार्रवाई कम, बातें अधिक हो रहीं : महबूबा मुफ्ती

सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर रखी है। घटना स्थल पर अतिरिक्त सुरक्षाबलों को भेजा गया है। इलाके में तलाशी अभियान जारी है। आंतकियों की तलाश की जा रही है।

मुठभेड़ तब शुरू हुई जब राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह के जवानों ने शाम करीब 7.45 बजे देसा वन क्षेत्र के धारी गोटे उरारबागी में संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। सेना की ह्वाइट नाइट कोर ने बताया, विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर सेना और पुलिस की ओर से डोडा के उत्तर में सामान्य क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान जारी था। रात लगभग 9 बजे आतंकियों की तरफ से अचानक भारी गोलीबारी हुई। इसके जवाब में सुरक्षाबल ने भी गोलीबारी की, लेकिन आतंकियों की गोली से कैप्टन ब्रजेश कुमार थापा, नायक डी राजेश, सिपाही बिजेंद्र, सिपाही अजय सिंह और एक अन्य जवान बुरी तरह जख्मी हो गए। उन्हें फौरन बैकअप सपोर्ट से अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

▶10 पर

दो महीने में नौ आतंकी घटनाएं

जम्मू, 16 जुलाई (ब्यूरो)।

जम्मू संभाग में एक जनवरी 2024 से अब तक आतंकी हमलों में सेना के एक कैप्टन समेत 12 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए हैं। इन हमलों में 10 नागरिकों की मौत हुई। 55 लोग घायल हो गए। इस दौरान महज पांच आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा जा सका।

जम्मू संभाग में आतंकवादी घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। आतंकवाद से निपटने के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा ग्रिड बनाए जाने की बात कही गई, लेकिन साबित हुआ कि बात तो बात ही है। जून और जुलाई के महीने में ही आठ आतंकवादी वारदातें हुई हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के शपथ लेने के दिन से शुरू हुआ आतंकी हमलों का सिलसिला अब भी जारी है। सुरक्षा को लेकर कई उच्च स्तरीय बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन कुछ आतंकी अब भी सिरदर्द बने हुए हैं।

स्वदेशी कंपनियों से ही खरीदेंगे 346 रक्षा उत्पाद

सैनिकों की शहादत के बीच जोड़ रहे फायदा

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर में ताबड़तोड़ हो रही सैनिकों की शहादतें और तेज हो रही आतंकी घटनाओं पर दमदार कार्रवाई के बजाय केंद्र सरकार फायदे का आंकड़ा मजबूत करने में लगी पड़ी है। रक्षा उत्पाद स्वदेशी कंपनियों से ही खरीदेंगे, भले ही उसकी गुणवत्ता की कोई वैश्विक स्तरीयता न हो। इसी आपाधापी में केंद्र सरकार ने रक्षा उत्पादों को स्वदेशी कंपनियों से ही खरीदने की नई सूची तैयार की है। इस सूची में हथियार, आग्नेयास्त्र और गोला बारूद भी शामिल हैं। केंद्र सरकार मानती है कि स्वदेशी खरीद से आयात के 1,048 करोड़ रुपए बचेंगे और अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। सेना दुर्गति में पहुंच रही है, इसकी सरकार को कोई चिंता ही नहीं।

बस सरकार को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का नारा बुलंद करना है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के नाम पर रक्षा उत्पादों का आयात कम करने के लिए रक्षा उत्पादन विभाग ने 346 रक्षा वस्तुओं की पांचवीं सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची (पीआईएल) जारी की है। इस सूची में रणनीतिक रूप से अहम लाइन रिप्लेसमेंट यूनिट,

खरीद में हथियार और गोला बारूद भी शामिल हैं

हजार करोड़ से ज्यादा का होगा सरकार को लाभ

सिस्टम, सब-सिस्टम, असेंबली, सब-असेंबली और रक्षा उत्पादों के लिए कच्चा माल शामिल है। इसके बाद सरकारी रक्षा कंपनियां इन उत्पादों का आयात नहीं कर सकेंगी। रक्षा मंत्रालय ने साल 2020 में सृजन डिफेंस पोर्टल लॉन्च किया था। इस पोर्टल पर रक्षा उत्पादन विभाग और सेवा मुख्यालय, एमएसएमई कंपनियों और विभिन्न स्टार्ट-अप सहित उद्योगों को

▶10 पर

के कविता की तिहाड़ जेल में तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

दिल्ली शराब घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में बंद बीआरएस नेता के कविता को दिल्ली के दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल ले जाया गया है। उनकी तबीयत बिगड़ने की शिकायत के बाद जेल प्रबंधन द्वारा उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। अभी यह आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है कि स्वास्थ्य को लेकर हुई किस परेशानी के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा।

उल्लेखनीय है कि तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता दिल्ली आबकारी नीति घोटाला केस में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद से तिहाड़ जेल में बंद हैं।

▶10 पर

केसीआर के खिलाफ जांच से पूर्व जज ने नाम वापस लिया

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पटना उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एल नरसिम्हा रेड्डी ने मंगलवार को तेलंगाना सरकार की तरफ से गठित एक सदस्यीय जांच आयोग से खुद को अलग कर लिया। यह जांच समिति तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के कार्यकाल के दौरान बिजली क्षेत्र में हुई अनियमितताओं की जांच कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान पूर्व जज ने जांच आयोग से अपना नाम वापस ले लिया। तेलंगाना सरकार ने अनियमितता की जांच के लिए एक सदस्यीय आयोग गठन किया था।

संसद के बजट सत्र से पहले 21 जुलाई को सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

संसद के बजट सत्र से पहले सरकार ने 21 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू संसद के दोनों सदनों में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। सर्वदलीय बैठक 21 जुलाई को सुबह 11 बजे दिल्ली के संसदीय सौध स्थित मुख्य समिति कक्ष में होगी। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू होगा। सत्र 12 अगस्त तक चलेगा। सत्र शुरू होने से पहले सभी दलों के सदन के नेताओं की इस पारंपरिक बैठक में पहली बार नेता प्रतिपक्ष के रूप कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शामिल होंगे।

ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने इस बैठक में शरीक होने से मना कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस का कोई भी प्रतिनिधि इस बैठक में शामिल नहीं होगा। टीएमसी का कहना है कि पार्टी 21 जुलाई शहीद दिवस के रूप में मनाती है।

▶10 पर

मंदिर के खजाने का क्या करेगी सरकार, कोई जवाब नहीं

फिर खोला जाएगा जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार

पुरी (ओड़ीशा), 16 जुलाई (एजेंसियां)।

जगन्नाथ पुरी मंदिर का रत्न भंडार गुरुवार को फिर से खोला जाएगा। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने मंगलवार को कहा कि रत्न भंडार का आंतरिक कक्ष गुरुवार को सुबह 9.51 बजे से दोपहर 12.15 बजे के बीच फिर से खोला जाएगा। इस दौरान आभूषणों को मंदिर में स्थित अस्थायी कोषागार में स्थानांतरित किया जाएगा। यह फैसला मंगलवार को एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरविंद पाधी, रत्न भंडार को

अस्थायी कोषागार में ले जाए जाएंगे आभूषण

खोलने के दौरान देखरेख के लिए राज्य सरकार की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ, पुरी के जिलाधिकारी और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में हुई बैठक में लिया गया।

इससे पहले रत्न भंडार को 46 साल बाद रविवार को बहुमूल्य वस्तुओं की सूची बनाने और इसकी संरचना की मरम्मत के लिए खोला गया था।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28^0
न्यूनतम : 23^0

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड पर तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं नाराज

देश संविधान से चलेगा मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड से नहीं

बरेली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

देश की अन्य महिलाओं की तरह मुस्लिम महिलाओं को भी अपने पूर्व पति से गुजारा भत्ता लेने का हक है, यह फैसला देने वाले सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड खड़ा हो गया तो मुस्लिम महिलाएं मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के खिलाफ खड़ी हो गई हैं। तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं की देश में बड़ी जमात है। इन महिलाओं का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला न्यायपूर्ण और मानवीय है, इसका हर हाल में पालन होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के फैसले की नाफरमानी करने का मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का निर्णय गैर संवैधानिक और गैर कानूनी है। मुस्लिम महिलाओं ने कहा, देश संविधान से चलेगा मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की मनमानी से देश नहीं चलेगा।

तीन तलाक की पीड़ित महिलाओं ने मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड को आड़े हाथों लिया है। तलाकशुदा महिलाओं कहा कि जब कभी भी मुस्लिम महिलाओं को कानूनी संरक्षण या अधिकार मिलता है तो मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड उसमें आड़े आ जाता है। तीन तलाक पीड़िताओं को गुजारा भत्ता देने संबंधी सुप्रीम कोर्ट के आदेश की मुखालफत पर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के खिलाफ तलाक पीड़िताओं में आक्रोश है। उनका कहना है कि जब कभी भी मुस्लिम महिलाओं को कानूनी संरक्षण या अधिकार मिलता है तो मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड विरोध में खड़ा हो जाता है। बोर्ड का यह रवैया अब तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के लिए असह्य हो रहा है। तलाक के बाद लंबे समय से वह न्याय के लिए अदालतों में लड़ रही हैं। अगर तलाक पीड़िताओं को गुजारा भत्ता नहीं मिलेगा तो वह अपना जीवन यापन कैसे करेंगी? मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने तीन तलाक पर बनाए गए कानून का भी विरोध किया था। इन मुस्लिम महिलाओं ने कहा, सुप्रीम कोर्ट का आदेश सही है और सबको इसे मानना चाहिए।

आला हजरत वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्ष निदा खान ने कहा कि जो लोग संविधान और शरीयत को नहीं मानते, वह इस देश में रहकर क्या करेंगे? उन्हें एक ऐसा मुल्क बनाना चाहिए जिसमें सिर्फ उनका ही आदेश चले।

▶10 पर

तलाकशुदा महिलाओं ने दी अपनी बेबाक राय

मौलानाओं को अलग मुल्क बना लेना चाहिए

TIBCON
CAPACITORS
It's all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

उत्तर कोरिया के राजनयिक ने पत्नी-बच्चों समेत दक्षिण कोरिया में ली शरण, क्यूबा में थे तैनात

सियोल, 16 जुलई (एजेंसियां) ।

दक्षिण कोरिया की जासूसी एजेंसी ने दावा किया है कि उत्तर कोरिया के एक राजनयिक ने दक्षिण कोरिया में शरण ली है। एजेंसी ने दावा किया कि शरण लेने वाले राजनयिक क्यूबा में उत्तर कोरिया के राजनीतिक मामलों के सलाहकार थे। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा ने कहा कि क्यूबा में राजनीतिक मामलों के उत्तर कोरियाई सलाहकार के पलायन की मीडिया रिपोर्ट्स सच हैं। लेकिन उन्होंने इस बारे में ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। राजनीतिक व्यवस्था से मोहभंग के चलते दक्षिण कोरिया में ली शरण उल्लेखनीय है कि दक्षिण कोरिया के प्रमुख अखबार ने अपनी रिपोर्ट में इसका दावा किया था और बताया कि उत्तर कोरिया के राजनयिक री इल क्यू पिछले साल नवंबर में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ दक्षिण कोरिया आ गए थे लेकिन उन्होंने इस बारे में और विवरण नहीं दिया। हाल के वर्षों में उत्तर कोरिया के कई राजनयिकों ने दक्षिण कोरिया में शरण ली है और री इल क्यू का मामला इस श्रृंखला की नई कड़ी है। रिपोर्ट में री के हवाले से बताया गया है कि उन्होंने उत्तर कोरिया की राजनीतिक व्यवस्था से मोहभंग होने के चलते वहां से पलायन का फैसला किया था।

अब तक करीब 34 हजार उत्तर कोरियाई लोगों ने दक्षिण कोरिया में ली शरण – वहीं दक्षिण कोरिया की एक समाचार एजेंसी ने सरकारी सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि री ने उत्तर कोरियाई विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के साथ गंभीर मतभेदों के बाद वहां से भागने का फैसला किया। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने अभी उत्तर कोरियाई राजनयिक के भागकर सियोल आने की पुष्टि नहीं की है। साल 1950-53 के कोरियाई युद्ध के समाप्त होने के बाद से लगभग 34,000 उत्तर कोरियाई लोग आर्थिक कठिनाइयों और राजनीतिक दमन से बचने के लिए दक्षिण कोरिया चले गए हैं।

उत्तर कोरिया में 30 स्कूली बच्चों की हत्या का दावा – दक्षिण कोरिया सरकार के एक अधिकारी के हवाले से दक्षिण कोरिया के मीडिया में दावा किया गया है कि उत्तर कोरियाई अधिकारियों ने पिछले हफ्ते माध्यमिक विद्यालय के 30 नाबालिग छात्रों को सार्वजनिक रूप से गोली मारकर हत्या कर दी थी।

न्यूज ब्रीफ

बाल टीकाकरण कवरेज की रफ्तार में 2023 में आया ठहराव,डब्लूएचओ-यूएनआईसीईएफ की चौंकाने वाली रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र । विश्व भर में बच्चों की प्रतिरक्षण कवरेज वर्ष 2023 में अवरुद्ध हो गई है, जिसके कारण बड़ी संख्या में बच्चे जीवनरक्षा कवच के दायरे से बाहर हो गए हैं। यूएन एजेंसियों के एक नए विश्लेषण के अनुसार, कोविड-19 महामारी से पहले 2019 की तुलना में 27 लाख अतिरिक्त बच्चों का या तो टीकाकरण नहीं हो पाया या फिर उनकी वैक्सीन खुराकें पूरी नहीं हो पाई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष ने 14 बीमारियों के विरुद्ध टीकाकरण के रुझानों पर अपने नए विश्लेषण में यह निष्कर्ष साझा किया है, जिसके मद्देनजर यूएन एजेंसियों ने हालात में बेहतरी के लिए तत्काल टीकाकरण प्रयासों में तेज़ी लाने पर बल दिया है। यूनीसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसैल ने कहा, नवीनमत रुझान दर्शाते हैं कि अनेक देशों में अब भी बहुत से बच्चे छूटते जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिरक्षण खाई को पाटने के लिए एक वैश्विक प्रयास की आवश्यकता होगी, जिसमें सरकारों, साझीदारों और स्थानीय नेताओं को प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल व सामुदायिक कर्मचारियों में निवेश करना होगा। हर बच्चे को टीकाकरण के दायरे में लाने और स्वास्थ्य देखभाल को बेहतर बनाने के लिए यह जरूरी है। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में डिप्थीरिया, टिटनेस और पर्टूसिस से बचाव के लिए वैक्सीन की तीन खुराक पाने वाले बच्चों की संख्या 10 करोड़ 80 लाख (84 प्रतिशत) पर अवरुद्ध हो गई। वैश्विक प्रतिरक्षण कवरेज प्रयासों को दर्शाने के लिए ये वैक्सीन एक अहम संकेतक हैं। जिन बच्चों को वैक्सीन की एक भी खुराक नहीं मिल पाई, उनकी संख्या 2022 में एक करोड़ 39 लाख थी, मगर 2023 में यह बढ़कर एक करोड़ 45 लाख पर पहुंच गई। जिन बच्चों का टीकाकरण नहीं हो पाया है, उनमें से 50 फीसदी से अधिक उन 31 देशों में रहते हैं, जहां हालात नाजुक हैं, हिंसक टकराव से प्रभावित हैं या फिर संवेदनशील हालात से जूझ रहे हैं। ऐसे देशों में बच्चों पर ऐसी बीमारियों की चपेट में आने का जोखिम है, जिनकी आसानी से रोकथाम की जा सकती है। मगर, सुरक्षा, पोषण व स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में व्यवधान आने से यह कठिन हो जाता है। इसके अलावा, 65 बच्चों को डीटीपी वैक्सीन की तीसरी खुराक नहीं मिल पाई, जो कि आरंभिक बचपन में बीमारियों से बचाने के लिए आवश्यक है। ये रुझान दर्शाते हैं कि वैश्विक प्रतिरक्षण कवरेज वर्ष 2022 के बाद से अब तक अवरुद्ध है और 2019 के स्तर तक नहीं लौट पाई है, जिसकी वजह स्वास्थ्य सेवाओं में व्यवधान, लॉजिस्टिक संबंधी चुनौतियां, वैक्सीन के प्रति हिचकिचाहट और टीकाकरण में पसरी विषमताएं हैं। खसरे का प्रकोप विश्लेषण के अनुसार, घातक खसरा बीमारी के विरुद्ध टीकाकरण की दर भी ठहर गई है, और साढ़े तीन करोड़ बच्चों के पास जरूरी सुरक्षा कवच उपलब्ध नहीं है। 2023 में केवल 83 प्रतिशत बच्चों को नियमित स्वास्थ्य सेवाओं के ज़रिये ख़सरा की पहली खुराक मिल पाई। वहीं, दूसरी खुराक पाने वाले बच्चों की संख्या में 2022 की तुलना में मामूली वृद्धि हुई और यह 74 प्रतिशत तक पहुंची। खसरा के प्रकोप को टालने, अनावश्यक बीमारियों व मौतों से बचने और खसरा उन्मूलन लक्ष्य को हासिल करने के लिए निर्धारित 95 प्रतिशत टीकाकरण कवरेज के लक्ष्य से यह कम है।

प्रधानमंत्री ओली बोले- भारत के साथ मजबूत रिश्ते बनाने को प्रतिबद्ध, 30 दिनों में साबित करना होगा बहुमत

काठमांडू। नेपाल के नवनियुक्त प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा कि वह भारत-नेपाल संबंधों को मजबूत करने और द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चौथी बार नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पीएम मोदी के बधाई संदेश का जवाब देते हुए, उन्होंने भारतीय नेता को उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के नवनियुक्त पीएम ओली को बधाई देकर कहा था कि वे दोनों देशों की दोस्ती को और मजबूत करने के लिए उनके साथ काम करने को उत्सुक हैं। इस पर नेपाल के पीएम ने कहा, मैं हमारे पारस्परिक लाभ के लिए द्विपक्षीय रिश्तों की मजबूती को आपके साथ काम करने को प्रतिबद्ध हूं। उन्होंने कहा, हम साथ मिलकर ऐतिहासिक संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। बता दें कि ओली, एक नई गठबंधन सरकार का नेतृत्व करेंगे जो नेपाल में राजनीतिक स्थिरता प्रदान करने की चुनौती का सामना करेगी। ओली कैबिनेट में दो उपप्रधानमंत्री, 21 मंत्री नेपाल में पीएम केपी शर्मा ओली की कैबिनेट में इस बार दो उपप्रधानमंत्री और 21 मंत्री बनाए गए हैं। इसमें 12 पुराने, जबकि 9 नए मंत्रियों को जगह मिली है। नेपाली कांग्रेस से प्रकाशमान सिंह और नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (यूएमएल) से विष्णु पौडेल उप-पीएम बने हैं। सिंह को शहरी विकास और पौडेल को वित्त मंत्रालय की भी जिम्मेदारी दी गई है।

कभी ट्रंप को बुलाया बेवकूफ-हिटलर, अब उन्हीं के साथ उपराष्ट्रपति पद की दौड़ में जेडी वैंस

वॉशिंगटन, 16 जुलई (एजेंसियां) ।

अमेरिका में इसी साल नवंबर में होने वाले आम चुनाव में ओहियो के सीनेटर जेडी वैंस भी अपनी किस्मत आजमाएंगे। रिपब्लिकन नेता और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैंस को उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी चुना है। 39 वर्षीय वैंस की शादी भारतवंशी उषा चिलुकुरी वैंस से हुई है। उषा आंध्र प्रदेश की मूल निवासी हैं। 39 वर्षीय जेडी वैंस कभी ट्रंप के कटु आलोचक थे, लेकिन अब वे पूर्व राष्ट्रपति के कट्टर समर्थकों में से एक बन गए हैं। आइए इनके सियासी सफर पर एक नजर डालते हैं।

पिछले चुनाव में बुलाया था बेवकूफ

करीब आठ साल पहले जब साल 2016 में राष्ट्रपति चुनाव हुआ था, उस समय जेडी वैंस ने डोनाल्ड ट्रंप की जमकर आलोचना की थी। उन्होंने सार्वजनिक रूप से रिपब्लिकन नेता को बेवकूफ बुलाया था। वहीं, उनकी तुलना एडॉल्फ हिटलर से कर दी थी। मगर आज समय का फेर देखिए, जो शख्स डोनाल्ड ट्रंप की बुराई करते नहीं थक रहा था, वो आज उनके रनिंग मेट यानी उपराष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल है।

आज सबसे बड़े समर्थक

अब वैंस ट्रंप के सबसे बड़े समर्थकों में से एक बन चुके हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने उन्हें अपना उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने के लिए चुना। जेडी वैंस ट्रंप के साथ उस समय भी खड़े रहे, जब कई अन्य रिपब्लिकन नेताओं ने उनका समर्थन नहीं किया ।ट्रंप की आलोचना करने और अब उन्हें समर्थन देने से कई सवाल खड़े हो गए हैं। डेमोक्रेट और यहां तक कि कुछ रिपब्लिकन ने सवाल किया है कि क्या वैंस विचारधारा की तुलना में अवसरवाद से अधिक प्रेरित हैं।

जेडी वैंस कौन है

दो अगस्त 1984 को ओहियो के मिडलटाउन में एक गरीब घर में जेडी वैंस का जन्म हुआ था। उनका पालन-पोषण उनके दादा-दादी ने किया, खास तौर पर उनकी दादी ने, जिन्हें वे प्यार से मॉम कहकर पुकारते थे। वे अमेरिकी मरीन कॉर्प्स में भर्ती हुए और इराक युद्ध में हिस्सा लिया। उसके बाद ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया और बाद में येल लॉ स्कूल से स्नातक किया। वैंस को 2016 में अपनी आत्मकथा हिलबिली एलेजी से प्रसिद्धि मिली, जो बेस्टसेलर बन गई और जिसे नेटफ्लिक्स पर फिल्माया गया। यह किताब ओहियो के मिडलटाउन में उनके पालन-पोषण और रस्ट बेल्ट क्षेत्र में श्वेत श्रमिक वर्ग के सामने आने वाली सांस्कृतिक और आर्थिक चुनौतियों का वर्णन करती है।

कभी थे ट्रंप के आलोचक, आज समर्थक

दिलचस्प बात यह है कि वैंस ने 2016 के सफल राष्ट्रपति अभियान के दौरान ट्रंप की आलोचना की थी और उन्हें बेवकूफ और निंदनीय बताया था। मगर बाद में उन्होंने बताया कि कैसे पूर्व राष्ट्रपति ने अपने पहले व्हाइट हाउस कार्यकाल के दौरान उनका दिल जीत लिया था। वैंस का कहना है कि वह साल 2021 में ट्रंप से मिले थे। तब ही उन्होंने अपना राजनीतिक करियर शुरू किया। सीनेट अभियान के दौरान वह ट्रंप के करीब आ गए थे। ओहियो में अमेरिकी सीनेट सीट के लिए चुनाव लड़ा और ट्रंप के समर्थन से रिपब्लिकन नामांकन जीता। उन्होंने आम चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार टिम रयान को हराया और तीन जनवरी, 2023 को पद की शपथ ली।

ऐसे सुधरे संबंध हालांकि, कुछ लोगों का कहना है कि इस पूरे मिलन में दिलचस्प बात यह है कि वह पहले ट्रंप के सबसे बड़े बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर से मिले, धीरे-धीरे उनके घनिष्ठ बन गए। वैंस ने पहली बार ट्रंप जूनियर का ध्यान उस समय अपनी ओर आकर्षित किया था, जब उन्होंने 2022 में ओहियो सीनेट प्राइमरी के दौरान यूक्रेन को सहायता देने का विरोध किया था। ट्रंप के साथ वैंस के संबंध इस साल की शुरुआत में रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के प्राइमरी के दौरान सुधरे।

वैंस एक लेखक होने के साथ-साथ बहुमुखी प्रतिभा के धनी

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने वैंस के नाम का एलान कर कहा कि जेडी ने मरीन कॉर्प्स में अमेरिका की सेवा की है। जेडी वैंस की तारीफों के पुल बांधते हुए ट्रंप ने बताया कि वैंस एक लेखक होने के साथ-साथ बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं।

दो साल में ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी से स्नातक की उपाधि

सुम्मा कम लाउड और येल लॉ स्कूल से स्नातक येल लॉ जर्नल के संपादक और येल लॉ वेटरन्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भी रह चुके हैं प्रौद्योगिकी और वित्तीय क्षेत्र में बहुत ही सफल व्यवसायिक करियर रहा है ।

वे बेहतरीन उपराष्ट्रपति होंगे, जेडी वैंस की उम्मीदवारी पर विवेक रामास्वामी ने दी ऐसी प्रतिक्रिया

वॉशिंगटन, 16 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारतीय-अमेरिकी उद्यमी विवेक रामास्वामी ने कहा कि वैंस एक बेहतरीन उपराष्ट्रपति बनेंगे। विवेक रामास्वामी ने बताया कि लॉ स्कूल के दिनों में जेडी वैंस उनके सहपाठी रहे हैं। आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जेडी वैंस को उप-राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना गया है। रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रहे विवेक रामास्वामी ने भी जेडी वैंस के नाम का समर्थन किया है। भारतीय-अमेरिकी उद्यमी विवेक रामास्वामी ने कहा कि वैंस एक बेहतरीन उपराष्ट्रपति बनेंगे। विवेक रामास्वामी ने बताया कि लॉ स्कूल के दिनों में जेडी वैंस उनके सहपाठी रहे हैं। रामास्वामी ने लिखा- अपने सहपाठी, दोस्त पर गर्व रामास्वामी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि आज मुझे अपने दोस्त, सहपाठी और दक्षिण-पश्चिम ओहियो के अपने साथी पर बहुत गर्व है। यह बहुत बढ़िया है कि हम एक दशक बाद यहां हैं और जेडी हमारे जीवनकाल में ही उप-राष्ट्रपति पद के टिकट की रेस में शामिल हैं। उन्होंने लिखा वे एक बेहतरीन उपराष्ट्रपति बनेंगे और मैं उनके और हमारे देश के लिए आगे आने वाली हर चीज का इंतजार कर रहा हूं। गौरतलब है कि विवेक रामास्वामी भी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के दावेदार थे, लेकिन आयोवा कॉकस में चौथे स्थान पर रहने के बाद रामास्वामी राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर हो गए थे। आयोवा कॉकस की जीत को डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगातार तीसरे चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से नामांकन हासिल करने की दिशा में पहला कदम माना गया। ट्रंप ने किया वैंस के नाम का एलान डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए वैंस की उम्मीदवारी की पुष्टि की। ट्रम्प ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ पर साझा किए एक पोस्ट में लिखा, लंबे विचार-विमर्श और सोच-विचार के बाद, और कई अन्य लोगों की जबरदस्त प्रतिभाओं पर विचार करते हुए, मैंने फैसला किया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति पद के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति ओहियो के सीनेटर जेडी वैंस हैं।

रूस के साथ अपने मजबूत संबंधों का इस्तेमाल करके यूक्रेन युद्ध रुकवाए भारत, अमेरिका की अपील

वॉशिंगटन, 16 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिकी विदेश विभाग का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस का दौरा किया था। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी के रूस दौरे की आलोचना की थी और कहा था कि इससे शांति प्रयासों को बड़ा झटका लगेगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका ने भारत से अपील की है कि वह रूस के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों का इस्तेमाल करे और राष्ट्रपति पुतिन को कहे कि वह यूक्रेन के खिलाफ युद्ध रोक दें। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने ये अपील की। मैथ्यू मिलर ने कहा कि भारत के रूस के साथ पुराने और मजबूत संबंध रहे हैं और ये सभी को पता हैं। हम चाहेंगे कि भारत, रूस के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल करते हुए राष्ट्रपति पुतिन से अपील करें कि वह यूक्रेन के खिलाफ जारी अवैध युद्ध को रोक दें और शांति स्थापित करें। पुतिन को यूएन चार्टर का सम्मान करने के लिए मनाए भारत मिलर ने कहा कि भारत पुतिन से कहे कि वह यूएन चार्टर का सम्मान करें और साथ ही यूक्रेन की क्षेत्रीय संप्रभुता को भी सम्मान करें। भारत हमारा भी अहम सहयोगी है, ऐसे में हम चाहेंगे कि भारत रूस को समझाने की कोशिश करे। अमेरिकी विदेश विभाग का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस का दौरा किया था। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी के रूस दौरे की आलोचना की थी और कहा था कि इससे शांति प्रयासों को बड़ा झटका लगेगा। अमेरिका ने भी भारत के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर की थी। पीएम मोदी को रूस से सर्वोच्च सम्मान से किया गया सम्मानित प्रधानमंत्री मोदी ने मॉस्को दौरे पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। इस मुलाकात में दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने के उपायों पर चर्चा हुई। दोनों देशों के बीच साल 2030 तक सालाना व्यापार 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

भारत सतत विकास लक्ष्यों को 2030 तक कर लेगा हासिल, संयुक्त राष्ट्र में बोले नीति आयोग के उपाध्यक्ष

संयुक्त राष्ट्र, 16 जुलाई (एजेंसियां) ।

सतत विकास पर उच्च स्तरीय राजनीतिक मंच (एचएलपीएफ) की जनरल डिबेट में नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन के बेरी ने भाग लिया। उस दौरान उन्होंने भारत की सराहना की। कहा कि भारत अपने प्रयासों के जरिये सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजीएस) की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता रहा है।

यह है मंच का लक्ष्य

बता दें, सुमन बेरी आर्थिक तथा सामाजिक परिषद के तत्वावधान में आठ जुलाई से 17 जुलाई तक संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित सतत विकास पर उच्च स्तरीय राजनीतिक फोरम में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इसका विषय 2030 एजेंडा को सुदृढ़ बनाना तथा विभिन्न संकटों के समय में गरीबी उन्मूलन: सतत, लचीले तथा नवीन समाधानों का प्रभावी क्रियान्वयन है। लक्ष्य 1.2 को हासिल करने की राह पर भारत बेरी ने कहा, बहुआयामी गरीबी सूचकांक के संबंध में भारत 2030 की समय-सीमा से काफी पहले ही क्षेत्रीय परिभाषाओं के अनुसार सभी आयु वर्गों के पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के गरीबी में रहने के अनुपात को कम से कम आधा करने के लक्ष्य 1.2 को हासिल करने की राह पर है।

करोड़ों भारतीय गरीबी से आए बाहर

उन्होंने कहा कि 2015-16 और 2019-21 के बीच पांच वर्षों में करीब 13.5 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर आए। उन्होंने आगे कहा कि भारत अपने प्रयासों के जरिये इन सतत विकास लक्ष्यों की प्रगति में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता रहा है। उसने व्यापक स्तर पर भौतिक तथा डिजिटल बुनियादी ढांचे की सफल पेशकश की, धोखाधड़ी को कम करने के लिए डिजिटल के साथ लक्षित सामाजिक राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र कार्यक्रमों, महिलाओं की एजेंसी में सुधार, सबसे कम विकसित प्रशासनिक क्षेत्राधिकारों पर ध्यान देने और प्राकृतिक तथा मानव निर्मित आपदाओं के लिए स्थानीय व राष्ट्रीय कार्रवाई को मजबूत करने के जरिये सफलता प्राप्त की है।

दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम बना

उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में 52 करोड़ से अधिक भारतीयों को नकद रहित स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिल रहा है। भारत ने वैश्विक महामारी के दौरान और उसके बाद के वर्षों में 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त खाद्य आपूर्ति की गारंटी दी है, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम बन गया है।

जलवायु संबंधी कार्रवाई पर उन्होंने कहा कि भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा और अर्थव्यवस्था को कार्बन मुक्त बनाने में भारी निवेश किया है, जबकि भारत में प्रति व्यक्ति उत्सर्जन सबसे कम है।

कौन हैं हरमीत ढिल्लों, जिन्होंने रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में की अरदास

वॉशिंगटन, 16 जुलाई (एजेंसियां) ।

हरमीत ढिल्लों का नाम इन दिनों एक बार फिर सुर्खियों में है। दरअसल, अमेरिकी राज्य मिल्वौकी में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन हो रहा है। इस दौरान डोनाल्ड ट्रंप को रिपब्लिकन की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर चुना गया। वहीं, ट्रंप की मौजूदगी में नागरिक अधिकार वकील और रिपब्लिकन पार्टी की नेता ढिल्लों ने एक खास इच्छा रखी। उन्होंने कहा कि वह अरदास करना चाहती हैं और उन्होंने सिर पर दुपट्टा रख अरदास की।

आखिर कौन हैं हरमीत ढिल्लों-

हरमीत ढिल्लों का जन्म भारत के चंडीगढ़ में हुआ। वह एक सिख चिकित्सक की बेटी और भारतीय वायु सेना में एक चार सितारा जनरल की पोती हैं। फिलहाल, ढिल्लों कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को में रिपब्लिकन पार्टी के प्रमुख के रूप में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही हैं।

व्यक्तिगत रूप से एक सामाजिक रूढ़िवादी ढिल्लों ने कुछ विवादास्पद रुख अपनाए हैं। उन्होंने समलैंगिक विवाह और गर्भपाक जैसे मुद्दों पर खुलकर अपने विचार रखे हैं। उनका कहना है कि सरकार को किसी के निजी फैसलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

पहले लंदन फिर गईं अमेरिका

हरमीत का जन्म भारत में हुआ था, लेकिन वह वहां लंबे समय तक नहीं रहीं। उनका परिवार पहले लंदन और फिर संयुक्त राज्य अमेरिका में बस गया। इसके पीछे का कारण यह था कि उनके पिता एक आर्थोपेडिक सर्जन थे और उन्हें अपना प्रशिक्षण पूरा करना था। ढिल्लों ने अपनी स्कूली शिक्षा न्यूयॉर्क में पूरी की। इसके बाद वे उत्तरी कैरोलिना के स्मिथफील्ड के छोटे दक्षिणी शहर में रहने चले गए, जहां बहुत कम एशियाई थे और यहां तक कि कम सिख भी थे।

ढिल्लों का कहना है कि लगातार शहर बदलने से सांस्कृतिक बदलाव की आदत पड़ने में कुछ समय लगा। उन्होंने एक बार कहा, बहुत से आप्रवासियों को अपना जीवन शुरू से शुरू करना पड़ता है। जहां में पली बढ़ी वहां पूरे काउंटी में एक आर्थोपेडिक सर्जन नहीं था। गोरे थे और अश्वेत थे और वे शहर के विभिन्न हिस्सों में रहते थे और वास्तव में अलग-अलग पृष्ठभूमि के बहुत लोग नहीं थे।

भेदभाव का करना पड़ा सामना

उन्होंने आगे कहा, लेकिन, मैं उस समय करीब छह या सात साल की थी। इसलिए आप जानते हैं जब आप एक बच्चे होते हैं तो आप वास्तव में चीजों का बहुत सावधानी से विश्लेषण नहीं करते हैं। लेकिन उस छोटे से शहर में रहने के दौरान हमें निश्चित रूप से कुछ भेदभाव का सामना करना पड़ा।

ढिल्लों ने उत्तरी कैरोलिना स्कूल ऑफ साइंस एंड मैथमेटिक्स में भाग लिया। 16 साल की उम्र में स्नातक किया। उनकी मां ने यह भी सुनिश्चित किया कि हरमीत और उनके भाई सिख धर्म के बारे में जाने और अपने दादा-दादी के साथ जुड़े रहें, इसलिए गर्मियों की छुट्टी में उन्हें भारत भेजते थे। हरमीत ने डार्टमाउथ कॉलेज में दाखिला लिया, जहां उन्होंने रूढ़िवादी डार्टमाउथ रिव्यू का संपादन किया। काफी मुकदमेबाजी का सामना करना पड़ा।

परिवार की पसंद से की थी शादी

पढ़ाई पूरी करने के बाद हरमीत ने परिवार की पसंद से शादी की थी, लेकिन ज्यादा समय तक नहीं चली। रिश्ता तब खत्म हुआ जब उनके पति ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। ढिल्लों ने बताया था कि उन्होंने डार्टमाउथ से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और स्नातक होने के एक हफ्ते बाद भारत के एक डॉक्टर से शादी कर ली। बाद में घरेलू हिंसा की शिकार हुई और एक साल बाद तलाक ले लिया।

दूसरी शादी भी नहीं चली

बाद में उन्होंने वर्जीनिया विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री प्राप्त की और बाद में एक रूढ़िवादी सिख चिकित्सक से शादी कर ली। मगर बाद में यह शादी भी नहीं चली और 2003 में अलग हो गए। मां को स्तन कैंसर होने पर वह वापस अपनी मां के पास उत्तरी कैरोलिना चली गईं। 2006 में वहां अपनी खुद की लॉ फर्म शुरू की। बाद में, जनवरी 2011 में राजनीतिक करियर की शुरुआत की। वह सैन फ्रांसिस्को रिपब्लिकन पार्टी की प्रमुख बनीं।

पूर्व मंत्री के पिता की निर्मम हत्या घर पर क्षत-विक्षत लाश मिली

दरभंगा (बिहार), 16 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार की विकासशील इंसान पार्टी (विइंपा) के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की नृशंस हत्या कर दी गई। दरभंगा जिले के बिरौल में घनश्यामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत उनके आवास पर मंगलवार सुबह क्षत-विक्षत हालत में उनकी लाश मिली। घटना से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। अपराधियों ने जीतन सहनी की धारदार हथियार से हत्या की। राज्य सरकार ने आईपीएस काम्या मिश्रा को जांच

की कमान सौंपते हुए एसआईटी गठन करने की घोषणा की है।

महागठबंधन के घटक दल विइंपा के प्रमुख मुकेश सहनी को अपने पिता की हत्या की जानकारी दूसरों से मिली। वह मुंबई में थे, जहां उन्हें कॉल कर इसकी सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे एसडीपीओ मनीष चंद्र चौधरी सहित बिरौल थाना की पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। डीएसपी ने बताया कि जीतन सहनी अपने घर में सो रहे थे उसी समय चोरी की नीयत से घर में घुसे अपराधियों ने विरोध करने पर धारदार हथियार से हमला कर सहनी की हत्या कर दी। घटना के वक्त घर में मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी अकेले ही थे।

भाजपा नेता अजय आलोक ने हत्याकांड पर शोक जताते हुए कहा कि 72 घंटे के अंदर इस जघन्य हत्याकांड का खुलासा हो जाएगा। इसके लिए स्पेशल इन्-वेस्टिगेशन टीम गठित कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी दरभंगा के बिरौल में घनश्यामपुर थाना क्षेत्र स्थित अपने घर में अकेले ही रहते थे। जीतन सहनी के दो बेटे और एक बेटी है। बिहार की पिछली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार में मंत्री रहे मुकेश सहनी खुद अपने व्यवसाय के सिलसिले में मुंबई में रहते हैं। उनके भाई भी कभी कभी ही बिरौल आते हैं। शादीशुदा बहन भी मुंबई में ही रहती हैं। ऐसे में जीतन सहनी अकेले रहने के आदी थे और सोमवार की रात भी अकेले ही थे।

नीट–यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई के हाथों दो और गिरफ्तार

हजारीबाग, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सीबीआई ने नीट–यूजी पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि मुख्य आरोपी ने झारखंड के हजारीबाग में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के ट्रंक से पेपर चुराया था। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इन दो गिरफ्तारियों के साथ ही मेडिकल प्रवेश परीक्षा में लीक, नकल और अन्य अनियमितताओं से संबंधित मामलों में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या अब 14 हो गई है।

एजेंसी ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जमशेदपुर के 2017

बैच के सिविल इंजीनियर पंकज कुमार उर्फ आदित्य को गिरफ्तार किया है, जिसने हजारीबाग में एनटीए ट्रंक से नीट–यूजी पेपर चुराया था। बोकारो निवासी पंकज कुमार को पटना से गिरफ्तार किया गया। सीबीआई ने राजू सिंह को भी गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर पेपर चुराने और गिरोह के अन्य सदस्यों को पेपर देने में पंकज कुमार की मदद की थी। राजू को हजारीबाग से गिरफ्तार किया गया।

इससे पहले हजारीबाग स्थित ओएसिस स्कूल के प्रधानाचार्य, उप प्रधानाचार्य और कथित तौर पर नीट परीक्षार्थियों को ठहरने के लिए वह फ्लैट उपलब्ध कराने वाले दो व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया था, जहां से बिहार पुलिस ने जले हुए प्रश्नपत्र बरामद किए थे। बता दे कि सीबीआई ने इस मामले में छह प्राथमिकी दर्ज की है। बिहार में दर्ज प्राथमिकी प्रश्न पत्र लीक होने से संबंधित है, जबकि गुजरात और राजस्थान में दर्ज प्राथमिकी परी–क्षार्थी के स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति के परीक्षा देने और धोखाधड़ी से संबंधित हैं।

अजमेर कोर्ट : आदर्श न्याय का आदर्श प्रदर्शन

नूपुर शर्मा का सिर काटने की धमकी देने वाला बरी

अजमेर शरीफ का खादिम था, रिहा हो गया

अजमेर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा नेता नूपुर शर्मा का सिर तन से जुदा करने की खुली धमकी देने वाले बहादुर शख्स को स्थानीय कोर्ट ने बरी कर दिया। आरोपी शख्स अजमेर शरीफ दरगाह का खादिम था। अजमेर शरीफ दरगाह के खादिम गौहर चिश्ती ने मुस्लिम समुदाय की रैली में भाजपा नेता नूपुर शर्मा का सिर तन से जुदा करने की खु–लेआम धमकी दी थी और नारा लगाया था।

आदर्श न्याय का आदर्श प्रदर्शन करते हुए अदालत ने केवल गौहर चिश्ती को ही बरी नहीं किया, बल्कि छह अन्य आरोपियों को

भी बरी कर दिया।

अदालत ने खुली धमकी वाले वीडियो का संज्ञान ही नहीं लिया, जिसमें अजमेर शरीफ दरगाह का खादिम गौहर चिश्ती नुपुर शर्मा के खिलाफ मुस्लिम समुदाय की रैली में सिर तन से जुदा करने की धमकियां दे रहा है और नारे लगा रहा है। नूपुर शर्मा ने जान से मारने की धमकियां मिलने की शिकायत भी दर्ज कराई थी। गौहर चिश्ती के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। गौहर चिश्ती को 14 जुलाई 2022 को हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस उदयपुर में दर्जी की हत्या के मामले में चिश्ती के संबंधों की भी जांच कर रही थी। दर्जी कन्हैया लाल को दो लोगों ने चाकू से गला रेत कर मार डाला था।

केजरीवाल के घर स्वाति मालीवाल की पिटाई का मसला

आरोप पत्र दाखिल, 30 को विभव की कोर्ट में पेशी

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल के साथ अभद्र आचरण करने, मारपीट करने और कपड़े फाड़ने वाले विभव कुमार के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। विभव कुमार अरविंद केजरीवाल का सचिव (पीएस) है। अभी साहब और पीएस दोनों ही तिहाड़ जेल में आराम फरमा रहे हैं।

केजरीवाल की ही तरह विभव कुमार ने भी गिरफ्तारी से बचने के लिए सारे हथकंडे अपनाए, लेकिन सारे उपाय नाकाम साबित हुए। इन हथकंडों में घटना के सबूत मिटाए जाने की हरकत भी शामिल है, जो उसके खिलाफ आरोप पत्र का हिस्सा बनी है। दिल्ली पुलिस के एक आला अधिकारी ने कहा कि स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट करने वाले विभव कुमार के खिलाफ पुलिस को पक्के सबूत मिल चुके हैं। इस मामले में कई महत्वपूर्ण गवाहियां भी दर्ज हुई हैं। लिहाजा, विभव कुमार अब मजबूत कानूनी शिकंजे में हैं।

दिल्ली पुलिस ने स्वाति मालीवाल मारपीट मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी सहयोगी विभव कुमार के खिलाफ तीस हजारी कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया। इस दौरान विभव कुमार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत के समक्ष पेश किया गया। अदालत ने आरोप पत्र का संज्ञान लेते हुए विभव कुमार के खिलाफ समन जारी किया। अदालत ने दिल्ली पुलिस को उसे 30 जुलाई को अदालत में पेश करने का निर्देश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट को मिले दो नए जज सभी पद भरे

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। न्यायमूर्ति एन. कोटेश्वर सिंह और न्यायमूर्ति आर महादेवन को मंगलवार को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया। दोनों न्यायमूर्तियों के शपथ ग्रहण करने के बाद न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सहित कुल न्यायाधीश फिर से 34 हो जाएंगे, जो शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की स्वीकृत अधिकतम संख्या है। जम्मू-कश्मीर के मुख्य न्यायाधीश एन कोटेश्वर सिंह मणिपुर से शीर्ष न्यायालय में नियुक्त होने वाले पहले न्यायाधीश बन गए हैं। न्यायमूर्ति महादेवन वर्तमान में मद्रास उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश हैं।

आबकारी नीति : सिसोदिया की याचिका पर सीबीआई, ईडी को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली की कथित आबकारी नीति घोटाले में भ्रष्टाचार और धनशोधन के अलग–अलग दर्ज मुकदमों के आरोपी पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर मंगलवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी कर जवाब–तलब किया हैं।

न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्रीय जांच एजेंसियों – सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी कर मामले पर अगली सुनवाई के लिए 29 जुलाई की तारीख मुकर्रर की।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री सिसोदिया की जमानत याचिका पर 11 जुलाई को संबंधित पीठ के सदस्य न्यायमूर्ति संजय कुमार के मामले से अपने को अलग कर लेने कारण तब सुनवाई नई पीठ के गठन तक टाल दी गई थी। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश ने एक नई पीठ का गठन किया।

शीर्ष अदालत के समक्ष अपने संक्षिप्त बयान में श्री सिसोदिया के अधिवक्ता विवेक जैन ने याचिकाकर्ता को जमानत देने का अनुरोध किया।उन्होंने आगे दलील देते हुए कहा, मैं (मनीष सिसोदिया) 16 महीने से जेल में हूं। मुकदमा उसी गति से चल रहा है, जिस गति से अक्टूबर 2023 में चल रहा था। मुकदमा धीमी गति से चल रहा है।

सीबीआई ने दिल्ली आबकारी नीति 2021–22 (विवाद के बाद रद्द कर दी गई थी) में कथित भ्रष्टाचार के मामले में सिसोदिया के खिलाफ मामला दर्ज किया था, जिसमें उन्हें एक आरोपी के रूप में नामित किया गया था। उन्हें 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया गया था।

आप के वरिष्ठ नेता श्री सिसोदिया को इससे पहले ईडी और सीबीआई दोनों मामलों में निचली अदालत, उच्च न्यायालय और यहां तक कि शीर्ष अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया था।

शीर्ष अदालत ने सिसोदिया की समीक्षा याचिका और क्यूरेटिव याचिका भी खारिज कर दी थी। आरोपी सिसोदिया ने अदालत की ओर से पहले ही निपटाई गई याचिका पर पुनर्जीवित करने के लिए नया आवेदन दायर किया।

निचली अदालत ने मार्च में श्री सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि वह प्रथम दृष्टया कथित घोटाले के सूत्रधार हैं।आरोप है कि उन्होंने दिल्ली सरकार में अपने और सहयोगियों के लिए लगभग 100 करोड़ रुपये की अग्रिम रिश्वत के कथित भुगतान से संबंधित आपराधिक साजिश में सबसे महत्वपूर्ण और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

बिहार में बढ़ रहा अपराध, मुख्यमंत्री नीतीश का खत्म हो गया वर्चस्व : तेजस्वी यादव

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मुकेश सहनी के पिता की निर्मम हत्या को लेकर बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम एवं आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने सरकार को घेरा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में जिस प्रकार से अपराध बढ़ता जा रहा है, मुख्यमंत्री का इकबाल खत्म हो गया है। राज्य में दो–दो डिप्टी सीएम हैं, डबल इंजन की सरकार है, इसके बावजूद यहां हत्याएं, बलात्कार, चोरी, लूट और डकैती हो रही हैं।

पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि आज हमारे सहयोगी पार्टी वीआईपी के मुकेश सहनी के पिता जी की निर्मम हत्या कर दी गई, इसका हम लोगों को बहुत दुख है। इस दुख की घड़ी में पूरे परिवार के साथ हमारी संवेदना है। ये सरकार द्वारा प्रायोजित और पोषित अपराध है।

आरजेडी नेता ने आगे कहा कि

हम लगातार प्रेस रिलीज जारी करके सरकार को आगाह करते हैं। आज भी प्रेस रिलीज में हमने 40 घटनाओं का जिक्र किया है। बिहार में पूरी तरीके से गुंडा राज स्थापित हो चुका है। नीतीश कुमार के हाथ में राज्य सुरक्षित नहीं है और वो सरकार नहीं चला पा रहे।

मुकेश सहनी के पिता की निर्मम हत्या को लेकर पूर्व मंत्री आलोक मेहता ने कहा, इस जघन्य हत्या की हम कठोर निंदा करते हैं। इसको लेकर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए और दोषियों को सजा देनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि, जब राजनीति से जुड़े लोगों का ये हाल है, तो आम लोगों की सुरक्षा व्यवस्था कैसी होगी, इसको लेकर हम चिंतित हैं। ये लोग बिहार में पहले की सरकारों के लिए जंगलराज का नाम लेते थे, अब इसको क्या कहेंगे।

कांग्रेस के दिग्गज नेता अजॉय कुमार ने कहा, बिहार में सुशासन बाबू का जंगल राज है। अब तक 15 पुल आत्महत्या कर चुके हैं। बुजुर्ग आदमी, जिसको राजनीति से कोई लेना देना नहीं है, उसको मार दिया जाता है और भाजपा प्रवक्ता कहते हैं कि ये तो होता रहता है।

पूर्व अन्नाद्रमुक मंत्री एमआर विजयभास्कर गिरफ्तार, केरल से सीबी–सीआईडी ने दबोचा

चेन्नई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अन्नाद्रमुक नेता एम. आर. विजयभास्कर के केरल में होने की सूचना पर कार्रवाई करते हुए, सीबी–सीआईडी की एक टीम ने उन्हें ट्रैक किया और वहीं से गिरफ्तार किया है। फिलहाल एम. आर. विजयभास्कर को करूर जिले में वापस लाया गया है और पूछताछ के लिए सीबी–सीआईडी कार्यालय ले जाया गया है। एम. आर. विजयभास्कर शाम को करूर की एक अदालत में पेश किए जाने की संभावना है।

बता दें कि तमिलनाडु के करूर जिले के करूर शहर की पुलिस ने 9 जून को सब रजिस्ट्रार (प्रभारी) मोहम्मद अब्दुल कादर की तरफ से दर्ज कराई गई शिकायत पर सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था, जिनमें से ज्यादातर लोग करूर के निवासी हैं।

अपनी शिकायत में सब रजिस्ट्रार मोहम्मद अब्दुल कादर ने कहा था कि जब उन्होंने एक भूखंड पंजीकृत करने का प्रयास किया तो सात व्यक्तियों ने जाली दस्तावेजों के साथ उनके साथ धोखाधड़ी की। उन्होंने कहा कि उन्हें बाद में पता चला कि उनमें से एक दस्तावेज जाली था। इस मामले में जब उन्होंने उनसे पूछताछ की, तो उन्होंने उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

वहीं इस मामले में नामजद आरोपी होने के डर से एम. आर. विजयभास्कर, जो अन्नाद्रमुक के जिला सचिव भी हैं, तब से फरार थे। जबकि इस मामले में करूर में जिला सत्र न्यायालय ने एम. आर. विजयभास्कर की अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज कर दी थी।

ये केस मूल रूप से करूर तालुक पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। जिसे बाद में सीबी–सीआईडी को जांच के लिए सौंप दिया गया था। इस मामले में सीबी–सीआईडी की तरफ से अन्नाद्रमुक नेता एम. आर. विजयभास्कर के सहयोगियों के कई ठिकानों पर छापेमारी भी की गई थी।

हिमंता बिस्वा ने हेमंत सोरेन से पूछा कि झारखंड में क्यों लागू नहीं कर रहे राहुल गांधी की खटाखट स्कीम ?

रांची, 16 जुलाई (एजेंसियां)। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को झारखंड की सरकार और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमले किए।

उन्होंने खूंटी जिले के तोरपा में भाजपा की विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन से पूछा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जिस खटाखट स्कीम के तहत महिलाओं को हर साल एक लाख रुपए देने का वादा किया था, उसे झारखंड में क्यों नहीं लागू कर रहे हैं? यहां तो कांग्रेस और झामुमो

की सरकार है तो फिर इसे लागू करने में क्या दिक्कत है?

उन्होंने कहा कि असल में राहुल गांधी और हेमंत सोरेन की दोस्ती इसलिए चल रही है, क्योंकि दोनों झूठ बोलने में माहिर हैं।

झारखंड की सरकार ने एक भी वादा पूरा नहीं किया है। हेमंत सोरेन कोई स्वतंत्रता आंदोलन में जेल नहीं गए थे। उन पर भ्रष्टाचार के मामले हैं और आज बेल पर जेल से बाहर आते ही चंपई सोरेन को कुर्सी से हटाकर खुद काबिज हो गए।

उन्होंने कहा कि हेमंत ने सिर्फ इसलिए ऐसा किया, ताकि ट्रांसफर–पोस्टिंग और बालू के अवैध खनन से कमाई की जा सके।

झारखंड भाजपा के चुनाव सह प्रभारी मनोनीत किए जाने के बाद हिमंता बिस्वा सरमा एक महीने में तीसरी बार रांची आए हैं। उन्होंने राज्य के संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर भी राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि हेमंत सरकार घुसपैठियों के संरक्षण में जुटी है। भगवान बिरसा मुंडा, सिदो कान्हू की धरती घुसपैठियों की धरती बन रही है।

संथाल परगना की डेमोग्राफी बदल गई। लव जिहाद, लैंड जिहाद चरम पर है। आदिवासी बेटियों से बांग्लादेशी घुसपैठिए शादी कर जमीन कब्जा कर रहे। राज्य में ऐसा कानून होना चाहिए, जिससे घुसपैठिए आदिवासी बेटियों से शादी नहीं कर सकें।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस ने कर्ज लेकर घी पीया: दीया कुमारी

जयपुर,16 जुलाई (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बजट बहस पर जवाब देते हुए कांग्रेस सरकार में वित्तीय व्यवस्था पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कर्ज लेकर घी पीया। 2017-18 में बीजेपी सरकार 3.04 प्रतिशत राजकोषीय घाटा छोड़कर गई थी, लेकिन पिछली सरकार अनियंत्रित तरीके से घाटा 4.26 प्रतिशत तक ले गई। इसे कम करके हम इस वित्तीय वर्ष में 3.93 प्रतिशत तक लाने का प्रयास कर रहे हैं।

दीया कुमारी ने राजस्थान के घाटे की स्थिति की जानकारी देते हुए कहा कि कांग्रेस ने कर्ज लेकर घी पीया और इसी सोच के साथ पांच सितारा होटल के बंद कमरों में अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन के कारण राज्य सरकार का कर्ज

बढ़ गया।

किसानों के लिए 7 हजार करोड़ ज्यादा दिए

दीया कुमारी के भाषण के दौरान कई बार विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने उन्हें शांत रहने के लिए कहा। इस दौरान दीया कुमारी ने भी विपक्षी सदस्यों पर तंज कसे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पिछली सरकार की तरह किसानों के लिए तथ्यहीन, थोथी घोषणाओं की बजाय किसानों को संबल देने का काम करेगी। हमारी सरकार ने गहलोत सरकार के 2023-24 के बजट के मुकाबले इस बार 7 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। हमने किसानों के लिए 96 हजार 787 करोड़ 27 लाख का प्रावधान किया है। वित्त मंत्री दीया कुमारी ने कहा कि पिछली सरकार ने राजस्थान में पानी के लिए कोई काम नहीं किया, बस बैठे-बैठे कश्तियां बनाते रहे। राजस्थान में जलजीवन मिशन को लागू नहीं करा सके। हमें कहते हैं कि पानी की व्यवस्था करो। हमने तो कुछ समय में ही इसे लेकर बड़े काम किए हैं। दीया कुमारी ने विपक्षी सदस्यों द्वारा बजट पर सवाल उठाने को लेकर कहा कि जब आपकी सरकार थी, तब यह सुझाव दे देते तो राजस्थान का नुकसान नहीं होता।

छात्र संघ चुनाव की बहाली को लेकर एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन

आमने-सामने हुए पुलिस और छात्र नेता

बीकानेर,16 जुलाई (एजेंसियां)। छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग को लेकर एनएसयूआई के छात्रों ने आज जिला कलेक्ट्रेट पर उग्र प्रदर्शन किया, इस दौरान कलेक्ट्रेट पहुंचे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और कलेक्ट्रेट में लगे बेरिकेडिंग्स हटाकर परिसर में घुसने का प्रयास किया। पुलिस ने अंदर जा रहे छात्रों को रोकने की कोशिश की लेकिन छात्र पुलिस और आरएसी के जवानों से उलझ पड़े, इस दौरान दोनों पक्षों में काफी देर तक धक्का-मुक्की होती रही। इसके बाद पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए हल्का बलप्रयोग कर इन्हें तितर-बितर किया। इस दौरान पुलिस ने राजेश गोदारा, गिरधारी कूकणां, अभिमन्यु जाखड़, प्रेम बेरड़, नरेश सारण छात्र नेताओं को हिरासत में लिया। पिछले काफी दिनों से एनएसयूआई के छात्र छात्र संघ चुनाव की बहाली को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

एनएसयूआई के उपाध्यक्ष राजेश गोदारा ने बताया कि हम छात्र संघ चुनाव की बहाली को लेकर पिछले काफी समय से संघर्षरत हैं। छात्र संघ चुनाव छात्र राजनीति की शुरुआत है । वर्तमान सरकार हमें हमारे हक से वंचित रखना चाह रही है, हमारी सरकार से मांग है कि छात्र संघ चुनावों को बहाल किया जाए अगर सरकार हमारी मांगें नहीं मानती है तो आने वाले समय में छात्र शक्ति द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

व्यापारी का अपहरण कर 45 लाख की फिरौती मांगी

भीलवाड़ा,16 जुलाई (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में कलर पेंट व्यापारी के अपहरण और 45 लाख रुपये की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। यह घटना शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र के गांधीनगर में सोमवार देर रात हुई, जब कुछ लोग व्यापारी आदित्य जैन का अपहरण कर ले गए।

अपहरणकर्ताओं ने व्यापारी से मारपीट की और आठ घंटे तक उसे बंधक बनाए रखा। आरोपियों ने अपहरण के बाद व्यापारी के परिजनों को फोन करके 45 लाख रुपयों की फिरौती की मांग की। पुलिस ने रातभर चले सर्च अभियान के बाद मंगलवार सुबह व्यापारी को छुड़ा लिया और चार अपहरणकर्ताओं सहित छह लोगों को हिरासत में ले लिया। जानकारी के अनुसार आरसी कॉलोनी निवासी आदित्य जैन का कांचीपुरम के सामने गांधीनगर रोड पर स्मार्ट पेंट्स नाम से शोरूम है। रात में जब आदित्य दुकान बंद करके घर जाने लगा तो कुछ लोग उसकी कार को रोककर जबरन गाड़ी में बैठ गए और उसे बंधक बना लिया। विरोध करने पर अपहरणकर्ताओं ने उससे मारपीट की और उसकी ही गाड़ी में उसे लेकर भाग गए। करीब तीन घंटे बाद अपहरणकर्ताओं ने आदित्य के मोबाइल से उसकी पत्नी को फोन करके 45 लाख की फिरौती की मांग की और धमकी दी गई कि यदि उन्होंने पुलिस को सूचना दी, तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

अपहरण की सूचना मिलते ही परिजनों ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। एसपी राजन दुष्यंत ने तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया। एएसपी विमलसिंह की अगुवाई में इस टीम ने भीलवाड़ा-शाहपुरा जिले में नाकाबंदी कर दी। रातभर चले सर्च अभियान के

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आरोपी हिरासत में

बाद पुलिस ने मंगलवार सुबह भीलवाड़ा-भीम मार्ग पर हरिपुरा चैराहे के निकट अपहरणकर्ताओं को धरदबोचा। इसके बाद आदित्य को मुक्त करवा लिया गया और मारपीट से घायल व्यापारी को तत्काल भीलवाड़ा के एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया।

पुलिस ने इस मामले में चार अपहरणकर्ताओं और दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सभी आरोपी युवा हैं, जिनकी उम्र 18 से 24 साल के बीच है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कैलाश सुथार पुत्र कन्हैयालाल सुथार, उम्र 25 साल, निवासी भीलवाड़ा, गौरीशंकर शर्मा पुत्र गोपाललाल शर्मा, उम्र 21 साल, निवासी करजालिया (आसींद), सन्नी धूसर पुत्र ब्रजेश धूसर, उम्र 21 साल, निवासी शाहपुरा, आनंद सोनी पुत्र हंसराज सोनी, उम्र 19 साल, निवासी रायपुर, मनोज पाराशर पुत्र जमना शंकर पाराशर, उम्र 24 साल, निवासी धमाणा (कपासन), चित्तौड़गढ़ और गोविंद शर्मा पुत्र भेरूलाल शर्मा, उम्र 24 साल, निवासी आमली थाना हमीरगढ़, भीलवाड़ा शामिल हैं।

पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि पुलिस को पहली सूचना रात 11 बजे मिली, जिसमें परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दी। अपहरण 9 बजे के आसपास हुआ था। परिजन अपने स्तर पर व्यापारी आदित्य जैन की तलाश करते रहे। सूचना मिलने पर एक स्पेशल टीम का गठन किया गया, जिसमें प्रताप नगर थाना प्रभारी गजेंद्र सिंह नरूका और सुभाष नगर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर को शामिल किया गया।

हाईवे पर लावारिस खड़ी कार से 72 किलो मादक पदार्थ पकड़ा

शाहपुरा,16 जुलाई (एजेंसियां)। शाहपुरा जिला पुलिस ने आज बड़ी कार्रवाई करते हुए 72 किलो अवैध डोडा चूरा जब्त किया है। यह मादक पदार्थ प्लास्टिक के कट्टों में भरकर एक कार की बैक सीट पर रखा गया था। पुलिस ने यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कांवत के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों के परिवहन और संग्रहण के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की।

जानकारी के अनुसार हनुमाननगर थाना क्षेत्र के कुचलवाड़ा के पास स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक लावारिस खड़ी दिल्ली पासिंग कार से यह 72 किलो अवैध डोडा चूरा बरामद हुआ है। पुलिस को हाईवे पर संदिग्ध कार खड़ी होने की जानकारी मिली थी। सूचना मिलते ही हनुमाननगर थानाधिकारी अयूब खां के साथ पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कार की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार की पीछे की सीट पर प्लास्टिक के कट्टों में भरा हुआ 72 किलो डोडा चूरा मिला।

पुलिस ने तुरंत कार को जब्त कर लिया और अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने कार चालक की तलाश शुरू कर दी है, लेकिन घटनास्थल पर कोई मौजूद नहीं मिला। मामले की जांच शकरगढ़ थानाधिकारी को सौंपी गई है। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कांवत ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ यह विशेष अभियान जिले भर में सख्ती से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम इस तरह के मामलों पर पूरी निगरानी रख रहे हैं और अवैध मादक पदार्थों के परिवहन और संग्रहण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रहे हैं।

पेठा फैक्ट्री में बॉयलर फटने से हुआ भीषण विस्फोट

टीन शेड गिरने से दो मजदूर घायल

अजमेर,16 जुलाई (एजेंसियां)। नसीराबाद के झड़वासा गांव में आज दोपहर पेठा बनाने वाली फैक्ट्री के बॉयलर में अचानक विस्फोट हो गया, जिससे फैक्ट्री का टीन शेड गिर गया और दीवारों में दरार आ गई। हादसे में दो मजदूर घायल हो गए हैं,

जिन्हें नसीराबाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना के बाद पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार पेठा बनाने वाली इस फैक्ट्री में करीब छह मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक बॉयलर फटने से टीन शेड नीचे गिर गया और फैक्ट्री की दीवारों में दरार आ गई। अन्य मजदूर धमाके की आवाज से बाहर निकल गए लेकिन उनमें से दो मजदूर घायल हो गए, अन्य मजदूरोंऔर आसपास के लोगों ने दोनों मजदूरों को बाहर निकाला। घायल मजदूर आगरा निवासी कालीचरण (35) और अर्जुन (25) को पास ही स्थित नसीराबाद हॉस्पिटल में ले जाया गया, जहां से उन्हें अजमेर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय रैफर कर दिया गया। घटना के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है, फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

हार के डर से चुनाव नहीं करवा रही है भाजपा : डोटासरा

जयपुर,16 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा पर पंचायती राज और नगर निकाय चुनाव नहीं कराने को लेकर विधानसभा में प्रेस से बात करते हुए कहा कि भाजपा हार के डर से इन चुनावों को टाल रही है।

उन्होंने कहा कि अगर आज चुनाव होते हैं तो कांग्रेस ही जीत हासिल करेगी, चाहे वह पंचायती राज के चुनाव हों, नगर निकाय के चुनाव हों या विधायकों के उपचुनाव।

डोटासरा ने भाजपा पर जनप्रतिनिधियों की पावर को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा अधिकारियों को जिला प्रमुख और जिला उपप्रमुखों के पदों का अतिरिक्त प्रभार देकर जनप्रतिनिधियों के अधिकार खत्म करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने वन नेशन, वन इलेक्शन की भी आलोचना की और कहा कि इसका उद्देश्य जनप्रतिनिधियों की पावर को

समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा आगामी सभी चुनावों में हार रही है और कांग्रेस पूरे राज्य में नई ऊर्जा के साथ उभरकर आएगी। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ही एकमात्र पार्टी है, जो जनता के हितों की रक्षा कर सकती है। भाजपा सिर्फ अपने हितों के लिए काम कर रही है।

हनीट्रैप में फंसाकर मारी अमन को गोलियां

लड़की की खैरमपुरिया से होती थी फोन पर बात

हिसार,16 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के राजौरी गार्डन स्थित बर्गर किंग आउटलेट पर 18 जून को झज्जर निवासी अमन की हत्या में राकेश उर्फ काला खैरमपुरिया का हाथ था। अमन को हनीट्रैप में फंसा कर 40 गोलियां मारी गईं थीं। वारदात के समय अमन के साथ मीनू नाम की युवती थी, जिसकी काला खैरमपुरिया से फोन पर अक्सर बातचीत होती थी। काला के इशारे पर ही चार शूटरों ने वारदात को अंजाम दिया, जिनमें से तीन का सोनीपत में एनकाउंटर हो चुका है। एसटीएफ की पूछताछ के दौरान काला खैरमपुरिया ने यह खुलासा किया है। एसटीएफ मंगलवार को भी काला खैरमपुरिया को अपने साथ लेकर गई और कई ठिकानों पर छापेमारी की।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अमन की हत्या के बाद गैंगस्टर हिमांशु भाऊ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की थी, जिसे काला खैरमपुरिया को टैग किया था। पूछताछ में काला खैरमपुरिया ने बताया कि झज्जर जिला निवासी शक्ति दादा गैंगस्टर नीरज बवाना का मौसेरा भाई था। करीब डेढ़ साल पहले उसकी झज्जर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

नीरज बवाना गैंग को शक था कि अमन ने शक्ति दादा के बारे में सूचना दी थी। इसका बदला लेने के लिए काला खैरमपुरिया ने मीनू को अमन को किसी तरह बातों में फंसाकर बर्गर किंग आउटलेट में लाने को कहा। दोनों के वहां पहुंचने के बाद चार शूटरों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर अमन की हत्या कर दी थी। इन शूटरों में हिसार के गांव खारिया निवासी आशीष और खरड़ निवासी सन्नी भी शामिल थे। काला खैरमपुरिया ने सोनीपत में हुए एक हत्याकांड का भी खुलासा किया है। इसके अलावा नीरज बवाना गैंग से सपंर्क की बात भी कबूल की है।

जींद के सचिव नेहरा ने हासिल किया ऑल इंडिया में पहला स्थान

जींद,16 जुलाई (एजेंसियां)। जींद के अर्बन इस्टेट निवासी सचिव नेहरा ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई सहायक भविष्य निधि आयुक्त की परीक्षा में ऑल इंडिया में पहला स्थान हासिल किया है। मंगलवार को सचिव नेहरा जब अपने घर पहुंचे तो उनका जोरदार स्वागत किया गया। उनके घर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। फिलहाल सचिव नेहरा इनकम टैक्स विभाग दिल्ली में इंस्पेक्टर के रुप में काम कर रहे हैं।

मूल रुप से 33 वर्षीय सचिव नेहरा नारनौंद के रहने वाले हैं। उनके पिता डॉ. वेदपाल नेहरा नारनौंद में एक अस्पताल चलाते थे। पिछले दिनों उनका निधन हो गया था। उनकी माता साक्षी नेहरा गृहणि हैं। सचिव नेहरा की बहन सुविधा जींद में स्टाफ नर्स हैं। सचिव नेहरा का परिवार दो साल पहले ही जींद में

अपनी बहन के पास आ गया था। फिलहाल सचिव नेहरा अविवाहित हैं। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई सहायक भविष्य निधि आयुक्त की परीक्षा में सचिव नेहरा ने ऑल इंडिया में पहला स्थान हासिल किया है। सचिव नेहरा ने बताया कि वह अपनी नौकरी के साथ-साथ यूपीएससी की तैयारी भी कर रहे थे। उन्होंने दो बार आईएएस के लिए भी परीक्षा दी, लेकिन बात नहीं बनी। अब वह सहायक भविष्य निधि आयुक्त लगकर देश सेवा करेंगे।

आज का राशिफल

मेष - चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बेहतर ज़िन्दगी के लिए अपनी सेहत और व्यक्तित्व में सुधार लाने कि कोशिश करें। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती हैं।

वृषभ - इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आपकी योजना बाहर घूमने-फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी-ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। खाली वक्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। वैवाहिक जीवन में निजता का ध्यान रखना भी आवश्यक है।

मिथुन - क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ मौज-मस्ती के लिए अच्छा है, साथ ही छुट्टियों के लिए योजना भी बन सकती है। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे। जिन भर लोगों के साथ बिताने के बाद शाम का पूरा वक्त आप अपने जीवनसाथी को दे सकते हैं।

कर्क - ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप भावनात्मक तौर पर बहुत संवेदनशील हैं, इसलिए ऐसे हालात से बचें जो आपको चोट पहुँचा सकते हों। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। आप सभी पारिवारिक क़र्ज़ ख़त्म करने में क़ामयाब रहेंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगे। इसके बात आप बहुत शान्त और तरोताज़ा महसूस करें

सिंह - म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने काम-से-काम रखना बेहतर रहेगा। कम-से-कम दख़ल दें, नहीं तो इससे निर्भरता बढ़ सकती है। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। किसी ऐसे इंसान के साथ समय बिताना जिसका साथ आपको बहुत पसंद न हो, आपकी खीझ की वजह हो सकता है।

कन्या - टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। भाई बहनों की मदद से आज आपको आर्थिक लाभ मिल पाएगा। अपने भाई बहनों की सलाह लें। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। आपको ख़ुशी से भरी जीवन को सही से जीना चाहते हैं तो टाइम टेबल के हिसाब से चलना सीखें।

तुला - र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। दिन की शुरुआत में ही आज आपको कोई आर्थिक हानि हो सकती है जिससे सारा दिन खराब हो सकता है। दिन के दूसरे हिस्से में कुछ दिलचस्प और रोमांचक काम करने के लिए बढ़िया वक़्त है। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं। आप दोनों आज बहुत मज़े करने वाले हैं। बेरोजगारों को आज के दिन नौकरी न मिलने का मलाल हो सकता है।

वृश्चिक - तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। आज आपको अपने जीवनसाथी का दैवीय पक्ष देखने को मिल सकता है। आज आप सब चिंताओं को भुलाकर अपनी रचनात्मकता को बाहर निकाल सकते हैं।

धनु - ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके लिए अपने प्रिय से दूर रहना बहुत मुश्किल होगा। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं। अपने जीवनसाथी की नुक्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है। जीवन का आनंद अपने लोगों को साथ लेकर चलने में है यह बात आज आप स्पष्टता से समझ सकते हैं।

मकर - भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझुलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपका प्रेमी आपसे नाराज हो सकता है। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद-विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

कुम्भ - गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। किसी बुजुर्ग की सेहत चिंता का सबब बनेगी। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। आपके पिता आज आपके लिए कोई तोहफा ला सकते हैं।

मीन - दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। पैसों के मामलों में आपको परिवार के सभी लोगों को स्पष्ट होने की सलाह देनी चाहिए। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। आपका जीवनसाथी वाक़ई आपके लिए फ़रिश्तों की तरह है और आपको आज यह एहसास होगा। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 17 जुलाई 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 09:04 तक
नक्षत्र : अनुराधा उत्तर रात्रि 03:13 तक
योग : शुभ 07:03 तक
करण : वणिज प्रातः 07:56 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देवशयनी एकादशी व्रत, चातुर्मास व्रत आरंभ , भद्रा प्रातः 08:55 से रात्रि 09:03 तक , पंढरपुर यात्रा , गण्डमूल रात्रि 03:14 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

युगप्रधान दादा गुरुदेव की 870वीं स्वर्गरोहन पुण्यतिथि

श्री जिनदत्तसूरिजी खरतरगच्छ सम्प्रदाय एवं जिनशासन के प्रथम दादा गुरुदेव है

दादा गुरुदेव अपने गुणों और अनगिनत चमत्कारों के कारण समूचे समाज में पूजनीय बन गए, क्योंकि प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरिजी का सम्पूर्ण जैन समाज तथा देश के प्रति उपकार असीम है। इसलिए वे गच्छ, समाज तथा सम्प्रदाय की सीमाओं से निर्बंध है।

श्री जिनदत्तसूरिजी जीवन श्रमण-संस्-ति का ऐसा जगमगाता आलोक पुंज है, जो शताब्दियों के काल-खण्ड प्रहवन के उपरांत भी हमें आत्म-विकास की राह दिखलाता है, हमारे चरित्र, व्यवहार तथा साधना का मार्ग आलोकित करता है।

गुजरात के धवलक (धोलका) नगर में क्षपणक भक्त हुम्बड ज्ञातीय श्रेष्ठी वाछिग शा की धर्मपत्नी बाहड देवी की रत्नगर्भा कुक्षी से शुभ स्वप्नों सूचित एक पुत्ररत्न का विक्रम स्वंत 1132 में जन्म हुवा। और शुभ लक्षणों से अंकित होने के कारण बालक का नाम सोमचन्द्र रखा गया।

बचपन में सुसंस्कार सोमचंद्र में कूट-कूट कर भरे हुवे थे और अपना समग्र जीव शासन को सौंपने का निर्णय कर लिया था बस देरी थी अंगुली पकडने की।

जब इस प्रकार की बात चीत का पता उपाध्याय प्रवर श्री धर्मदेवजी को पता चला तो वे चातुर्मास के पश्चात धोलका आये और बालक में अथाह गुणों के भंडार को देखते हुवे सोमचंद्र को दीक्षा देने की स्वी-ति प्रदान की और मात्र 9 वर्ष की उम्र में विक्रम स्वंत 1141 में दीक्षा प्रदान करके नव दीक्षित मुनि का नाम भी सोम चन्द्र रखा गया।

दीक्षा के कुछ समय बाद ही मुनि सोमचंद्र सर्वदेव-गणी आदि के साथ बहिर्भूमि के लिए गए, बाल्यावस्था के कारण सोमचंद्र ने चने के खेत में उगे हुवे पौधो को तोड लिया, वहा सर्वदेवगणी ने इस दृश्य को देख लिया और सीधा बोल दिया और कहा की तुम दीक्षा के लायक नहीं हो, पौधा तोडकर तुमने विराधना की है, अत: तुम रजोहरण और मुखविस्त्रका देकर अपने घर जा सकते हो।

सोमचंद्र ने कहा कि गुरुदेव मैं मानता हुं की मेरी गलती हुई है, लेकिन इस गलती के लिए इतना बडा दण्ड दे रहे है वह उपयुक्त नहीं है। लेकिन फिर भी मेरी दीक्षा के समय जो आपने चोटी (शिखा) ली थी वह आप मुझे प्रदान करें मैं अपने घर चला जाऊंगा।

बालक की ऐसी प्रतिभाशाली बाते सुनकर वे चौंक गए और कल्पना करने लगे कि वास्तव में ये बालक भविष्य में अत्यंत ही प्रभावशाली आचार्य होगा।

ऐसे थे मेरे गुरुदेव अद्भुत प्रतिभा के धनी बालक सोमचंद्र उम्र के साथ बडे हुवे और ज्ञान तो जैसे उनके अंग अंग से बहता हो। उनके ज्ञान को निर्बाधित रूप से बहता देख और अचानक जब जिनवल्लभसूरि का देवलोक होने पर श्री देवभद्रसूरिजी और उस समय सकल संघ ने मुनि सोमचंद्र को आचार्य की पदवी देने का अपना मानस बना लिया।

राजस्थान के चितौड नगर में विक्रम स्वंत 1161 वैशाख सुदी प्रतिपदा को सायंकाल के समय श्री जिनवल्लभसूरिजी के पाट पर बडे आरोह-समारोह के साथ पंडित सोमचंद्र गणी स्थापित किये गए और श्री संघ की ओर से नाम पतिवर्तन कर इनका नया नाम आचार्य श्री जिनद-त्तसूरि रखा गया।

दादा गुरुदेव के नाम में इतना तेज है इतना अनमोल है कि नाम मात्र लेने से ही आधि व्याधि सब दूर हो जाते है तब आप सोचो जिस समय उनके श्रावक उनके पास होंगे क्या अनमोल समय रहा होगा।

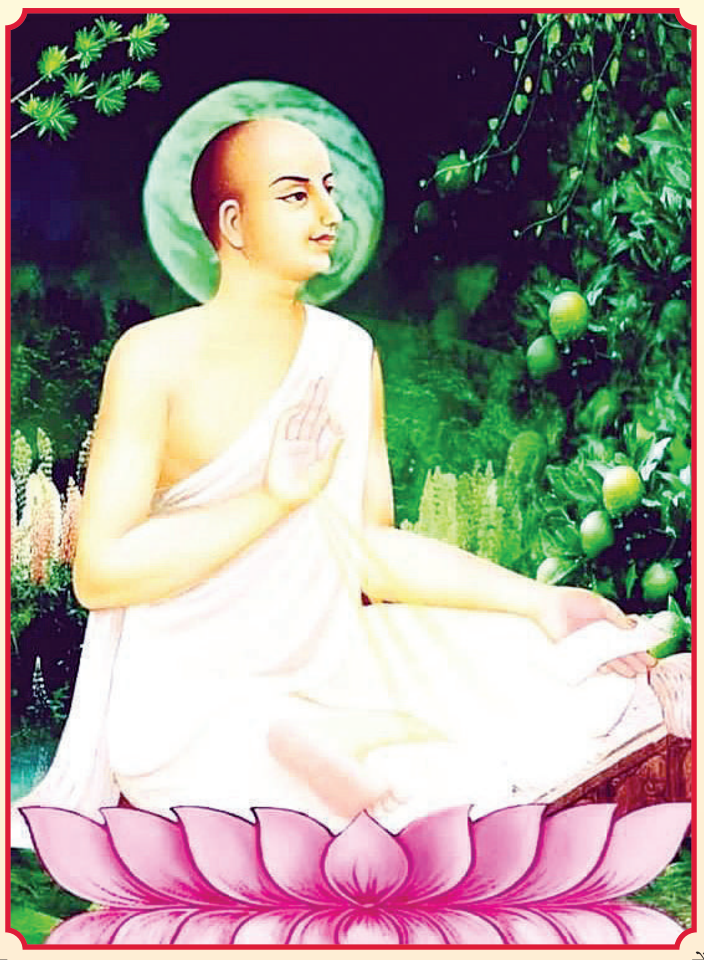

कुछ लोग उनसे इर्ष्र्या करने वाले भी थे, उस समय लोग अन्य गच्छ वाले अपने अपने आचार्यों को युग प्रधान तक भी कहते थे, उस समय युग प्रधान आचार्य कौन? इसका निर्णय करने के लिए नागदेव (अम्बड) ने गिरनार पर्वत पर माँ अम्बिका देवी की आराधना की, देवी ने प्रसन होकर उनकी हथेली पर एक श्लोक लिखा और कहा इसको जो भी पढेगा वो ही युगप्रधान पद का हकदार होगा, अम्बड ने ना जाने कितने ही आचार्यों के पास गया लेकिन देवी द्वारा लिखा गया वो श्लोक कोई भी पढ पाया, अंत में वो दादा गुरुदेव के पास गया आचार्य श्री जी ने स्वप्रंशसात्मक पद्य होने के कारण स्वयं ना पढकर उस पर वासक्षेप डाला और अक्षर स्पष्ट कर दिए और अपने शिष्य को पढने के लिए कहा गया।

आचार्य श्री के शिष्य ने उस गुरु स्तुति को पढा और सबको सुनाया वो स्तुति थी-

दासानुदासा इव सर्व देवा, यदीय पदाब्जतले लुठंति।
मरूस्थली-कल्पतरु-सजीयात्, युग प्रधानो जिनदत्तसूरिः।।

नागदेव को अपार हर्ष हुवा और जिस खोज में निकला था, वह खोज पूर्ण हो गई युग प्रधान आचार्य मिल जाने से वह उनका परम भक्त हो गया, तभी से अम्बिकादत्त युगप्रधान पद धारक जिनदत्तसूरि जी इस भूमंडल में विख्यात हो गए।

वैसे तो दादा गुरु के अनगिनत चमत्कार है लाखों नूतन जैन बनाने वाले और जैन समाज के गोत्रों के रचियता दादा गुरुदेव ने शासन के लिए बहुत काम किया, समग्र जैन समाज को एक करने में इनका काफी योगदान रहा।

उनके चमत्कारों में- पांच पीर को सिन्धुनदी पर प्रतिबोध। 52 वीरों को वश में किया जो उनके हाजरा हजूर रहते थे। 64 योगनियो को प्रतिबोध देना। प्रतिक्रमण में आकाशीय बीजली को काष्ट पात्र में स्तम्भित करना।

मुल्तान में धर्म प्रभावना का चमत्कार। जैन समाज पर गौहत्या के कलंक का निवारण करना। प्रवचन में हमेशा देवों का आना आदि कितने ही चमत्कार थे। दादा गुरुदेव के हर एक चमत्कार का यहाँ वर्णन करना मुमकिन नहीं है। दादा गुरुदेव ने जैन शासन को अमूल्य सहित्य की अनुपम भेंट दी उसकी भी लम्बी चौडी लिस्ट है।

दादा गुरुदेव का विचरण केंद्र मुख्यत अजमेर और उनके आस पास रहा, दादा गुरुदेव विचरण करते हुवे अजमेर पधारे। अपना अन्तिम समय जानकर समाधी पूर्वक ज्ञान आराधना करते हुवे विक्रम स्वत 1211 में आषाढ शुक्ला 11 को स्वर्ग की और प्रस्थान किया।

यह सत्य है कि जिनदत्तसूरिजी के अग्नि संस्कार के समय उनके चद्दर, चोलपट्टा और मुपति को कुछ नहीं हुवा वो आज भी जैसलमेर के ज्ञान भंडार में दर्शनार्थ उपलब्ध है आप कभी भी जाये तो दर्शन कर सकते है। और यह भी माना जाता है कि दादा गुरुदेव स्वर्ग की ओर प्रस्थान करने के बाद सौधर्म देवलोक में उत्पन हुवे जिस प्रकार वे अपने जीवन में लोगों को प्रभावित करते थे उसी प्रकार आज भी अपने भक्त जनों के मनोरथ को पूर्ण करते है।

ऐसे चमत्कारी दादा गुरुदेव के चरणों में कोटि कोटि वंदन....

दादा गुरुदेव की पूरे भारत भर में दादावाडियां है और लाखों जन की आँखों के तारे बने हुवे है, इनकी मुख्य दादावाडी अजमेर में बनी हुई है आप जब भी जाये आपको वहां के कण कण में और आपके रोम रोम में जैसे दादा गुरुदेव विचरण कर रहै हो ऐसा प्रतीत होता है।

दत्त गुरू की साधना कर पाओ आनंद।
दमक रहे दादा गुरू,जैसे नभ में चंद।।

आप श्री के शासन की कुछ झलकियाँ :-

1)उस समय हमारे गुरूदेव ने 500 श्रावक और 700 श्राविकाओं को एक साथ जिनशासन ने दीक्षित किया ! महावीरस्वामी के बाद उन्होने ही एक साथ सर्वाधिक दीक्षाएँ प्रदान की।

2)आपके चमत्कारिक साधनामय व्यक्तित्व के फलस्वरूप एक लाख तीस हजार परिवार ने जिनशासन में अपना जीवन-आसन स्थापित किया!

3)आपकी साधना इतनी घनी / प्रभावशाली थी कि उनको छलने आयी चौसठ योगिनियाँ गुरूदेव के प्रति समर्पित हो गयी। पाँच पीर और बावन वीर भी आपको प्रत्यक्ष थे।

4)माँ अम्बिका के आर्शीवाद से आपको युगप्रधान की उपाधि मिली!

5)आपने छाजेड़,भंसाली, गोलेच्छा आदि शताधिक गोत्रो की स्थापना करके ओसवाल वंश को समृद्धि एवं वृद्धि के शिखर पर आरूढ़ किया ।

6)अपभ्रंश, संस्कृत और प्राकृत ,तीनो भाषाओ पर आपका पूर्ण अधिकार था । अपभ्रंश भाषा में जैन शास्त्र की रचना करने वाले आप प्रथम आचार्य हुए।

7)संदेह दोलावली,उपदेश रसायन , चर्चरी प्रकरण आदि ग्रंथों का सर्जन कर साहित्य -क्षेत्र के आदित्य बने।

युगप्रधान जैनाचार्य दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सुरि द्वारा आकाश से आई बिजली को अपने पात्र के नीचे ढाककर संघ की रक्षा....

अजमेर प्रवास के दौरान गुरुदेव की सानिध्यता में चतुर्दशी का प्रतिक्रमण चल रहा था। प्रतिक्रमण की साधना के बीच ही अचानक आकाश बादलों से आच्छादित हो गया।अंधेरा असमय ही घिर आया। बिजलियां कड़कने लगी।भयंकर गर्जन से लोगों के दिल दहल गए।

अचानक भयंकर गर्जन के साथ ही बिजली जहां प्रतिक्रमण चल रहा था वहीं गिर पड़ी। गुरुदेव ने विद्या के प्रभाव से उस बिजली को लकड़ी के एक पात्र में बंद कर दिया।

विद्युत अधिष्ठात्री देवी ने निवेदन के स्वरों में गुरुदेव से कहा- मुझे मुक्त कीजिए! भविष्य में आपकी दुहाई देने पर मैं उस पर कभी नहीं गिरूंगी।

गुरुदेव अजमेर की धरती पर पधारे । वि. स. 1211 आषाढ़ शुक्ला एकादशी के दिन गुरूदेव समाधि मरण प्राप्त कर प्रथम सौधर्म देवलोंक में एकावतारी देव बने।

हालांकि गुरूदेव को विदा हुए लगभग आठ शताब्दियाँ व्यतीत हो चुकी है फिर भी जन जन के ह्रदय सिंहासन पर आरूढ़ है ।

सर्वेऽत्र सुखिनः सन्तु सर्वे सन्तु निरामयाः ।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखमाप्नुयात् ।।

देवाधिदेव जिनदेव प्रभु के दर्शन करने से -अनंत पुण्य संचय होता है!

प्रेषक: गुरु भक्त पारस डोसी

गुरु पूर्णिमा का अमृत

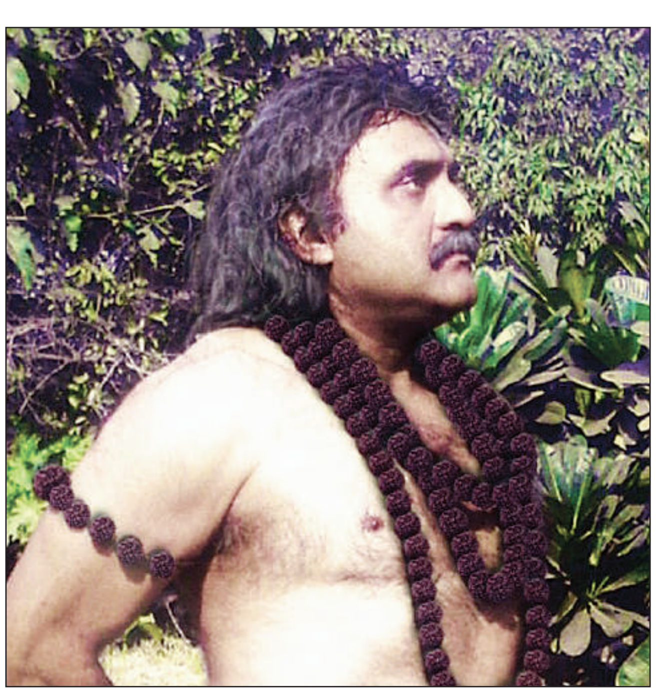

योग सृष्टि का सार है और यह विज्ञान एक व्यक्ति में विभिन्न स्तरों पर प्रकट होता है-पहले तत्वों के स्तर पर, फिर चेतना और फिर दिव्यता के स्तर पर जो कि एक सामान्य व्यक्ति को एक सर्वश्रेष्ठ प्राणी बना देता है।गुरु सानिध्य में तत्वों और उनके गुणों का अनुभव करते हुए अपने और अपने आस पास के परिवेश में परिवर्तन लाने के लिए उनका उपयोग करना योग की मूल सिद्धि है।

जो सृष्टि हम चारों ओर देखते हैं वह पांच तत्वों, पंच महाभूतों - पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश से बनी है। विभिन्न क्रमपरिवर्तन और संयोजन में यह तत्व मिलकर सृष्टि के विभिन्न पहलुओं और रूपों का निर्माण करते हैं - जिनमें पेड़ - पौधे, पशु - पक्षी, नदियाँ और हमारे शरीर, आदि शामिल हैं।

भले ही यह तत्व शरीर में दिखाई नहीं देते किन्तु फिर भी यह शरीर में मौजूद हैं और दैनिक कामकाज को नियंत्रित और प्रभावित करते हैं। पृथ्वी तत्व, शरीर को संभालता है और उसे संरचना प्रदान करता है, जल तत्व निष्कासन और प्रजनन के कार्यों को नियंत्रित करता है, अग्नि तत्व शरीर की ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए जिम्मेदार है, वायु तत्व पोषक तत्वों को शरीर के विभिन्न भागों तक पहुंचाता है और आकाश तत्व वृद्धि और विकास को बढ़ावा देता है।हमारे शरीर में जो भी बदलाव होते हैं, वह केवल तत्वों के अनुपात में निरंतर बदलाव की प्रक्रिया के कारण होते हैं। इसलिए यदि आप बीमार हैं अथवा बूढ़े हो रहे हैं तो यह आपके शरीर के तत्वों में हो रहे परिवर्तन के कारण है। इसी प्रकार यदि आप स्वस्थ हैं और चमक रहे हैं या आपकी शक्ति बढ़ रही है, तो इसमें भी यह तत्व ही भूमिका निभा रहे हैं।

पूर्णिमा के दिन चाँद अपने पूर्ण रूप में होता है जिससे सभी तत्वों में जागृति होती है। चंद्रमा का तत्व सोम है, जो जीवन का अमृत है तथा अन्य सभी तत्वों का पोषण और संवर्धन करता है। मानव शरीर में इस अमृत को बिंदु विसर्ग कहा जाता है जिसका अनुभव ध्यान की गहरी अवस्था में किया जा सकता है। यह अमृत आज्ञा चक्र अर्थात गुरु स्थान से टपकता है और इसे गले के स्थान (विशुद्धि) में धारण करना होता है।जब इस अमृत को धारण किया जाता है, तो यह अभ्यासकर्ता को अभूतपूर्व चमक और आकर्षण प्रदान करता है और शरीर में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को रोकता है। सनातन क्रिया के माध्यम से ऐसा किया जा सकता है।

गुरु पूर्णिमा के दिन चंद्रमा की ऊर्जा अपने चरम पर होती है इसलिए इस अमृत की उत्पत्ति भी सबसे अधिक होती है और तत्वों की अस्थिरता भी अधिकतम होती है। सभी तत्व और सोम मूलतः शक्ति है, ऊर्जा हैं जिन्हें गुरु द्वारा निर्देशित किया जाता है। गुरु की शक्ति के बिना, आप उन्हें अपने शरीर में प्रवाहित नहीं कर सकते ।जब गुरु व्यक्ति के शरीर में चंद्र तत्व को स्पर्श करते हैं, तो तत्वों की शक्ति स्वचालित रूप से अधिकतम हो जाती है जिससे उसके अंदर एक जागृति उत्पन्न होती है।

यदि आप यथार्थ के प्रति जागृत होना चाहते हैं और आप समझना चाहते हैं कि यह सभी तत्व क्या हैं, यह सृष्टि किस बारे में है, वह क्या है जो सृष्टि के विभिन्न पहलुओं को क्रियान्वित करती है और सोम (अमृत) का अधिकतम लाभ प्राप्त करना चाहते हैं, तो गुरु पूर्णिमा का दिवस इसके लिए सर्वश्रेष्ठ है। 20 जुलाई, शाम 5.30 बजे, गुरुजी के मार्गदर्शन में ध्यान फाउंडेशन द्वारा गुरु पूर्णिमा यज्ञ का आयोजन किया जायेगा।

- अश्विनी गुरुजी

देवशयनी एकादशी पर जरूर करें नारियल से जुड़े ये उपाय, धन से भर जाएगी खाली तिजोरी

हर वर्ष आषाढ़ महीने में देवशयनी एकादशी मनाई जाती है। इस वर्ष 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी है। यह पर्व आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर मनाया जाता है। इस अवसर पर लक्ष्मी नारायण जी की पूजा की जाती है। ज्योतिष शास्त्र में एकादशी तिथि पर विशेष उपाय करने का भी विधान है। इन उपायों को करने से धन संबंधी परेशानी दूर होती है। साथ ही व्रती को मनोवांछित फल की भी प्राप्ति होती है। अगर आप भी मनचाहा वर समेत आर्थिक तंगी से निजात पाना चाहते हैं, तो देवशयनी एकादशी पर नारियल से जुड़े ये उपाय अवश्य करें। इन उपायों को करने से आय और सौभाग्य में भी अपार वृद्धि होती है।

नारियल के उपाय

✻ अगर आप आय और सौभाग्य में वृद्धि पाना चाहते हैं, तो देवशयनी एकादशी पर स्नान-ध्यान के बाद विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा करें। इस समय नारियल जल से भगवान विष्णु का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से भगवान विष्णु शीघ्र प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा साधक पर बरसती है।

✻ अगर आप आर्थिक तंगी से निजात पाना चाहते हैं, तो देवशयनी एकादशी तिथि पर पूजा के समय भगवान विष्णु को एकाक्षी नारियल अर्पित करें। इस समय कर्ज से मुक्ति और धन में वृद्धि की कामना करें। इस उपाय को करने से धन संबंधी सभी समस्याओं का अंत होता है।

✻ भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए देवशयनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को श्रीफल अर्पित करें। पूजा के पश्चात श्रीफल को पीले रंग के वस्त्र में बांधकर घर की तिजोरी में रख दें। इस उपाय को करने से भी आय में वृद्धि होती है।

✻ पीपल के वृक्ष में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का वास होता है। अतः देवशयनी एकादशी पर स्नान-ध्यान के बाद पीपल के वृक्ष में नारियल जल अर्पित करें। इस समय पीपल वृक्ष की चार बार परिक्रमा करें।

✻ मनचाहा वर पाने के लिए देवशयनी एकादशी तिथि पर निकटतम मंदिर जाकर भगवान विष्णु को नारियल चढ़ाएं। साधक मनोवांछित फल की कामना करते समय नारियल भी फोड़ सकते हैं।

एकादशी पर इन चीजों से करें भगवान विष्णु का अभिषेक, पूरी होगी मनचाही मुराद

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है। इस तिथि से भगवान विष्णु क्षीर सागर में विश्राम करने चले जाते हैं। इस अवसर पर वैदिक नियमों का पालन कर भगवान विष्णु की भक्ति भाव से पूजा की जाती है। इस वर्ष 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी है। धार्मिक मत है कि एकादशी तिथि पर विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा करने से व्रती के सकल मनोरथ सिद्ध होते हैं। साथ ही जीवन में खुशियों का आगमन होता है। अगर आप भी भगवान विष्णु की कृपा के भागी बनना चाहते हैं, तो देवशयनी एकादशी पर स्नान-ध्यान के बाद भगवान विष्णु की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय इन चीजों से भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

राशि अनुसार अभिषेक

मेष राशि के जातक जल में रोली मिलाकर भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

वृषभ राशि के जातक गाय के कच्चे दूध से भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

मिथुन राशि के जातक गंगाजल में पान के पत्ते मिलाकर नारायण का अभिषेक करें।

कर्क राशि के जातक दही से जगत के पालनहार भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

सिंह राशि के जातक गंगाजल में शहद मिलाकर भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

कन्या राशि के जातक गंगाजल में दूर्वा मिलाकर भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

तुला राशि के जातक गाय के दूध से निर्मित दही से भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

वृश्चिक राशि के जातक गंगाजल में कनेर फूल मिलाकर भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

धनु राशि के जातक एकादशी पर केसर मिश्रित दूध से भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

मकर राशि के जातक गंगाजल में अपराजिता फूल मिलाकर भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

कुंभ राशि के जातक गन्ने के रस से जगत के पालनहार भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

मीन राशि के जातक एकादशी तिथि पर हल्दी मिश्रित जल से भगवान विष्णु का अभिषेक करें।

सोशल मीडिया ने मुझे स्क्रीन से परे एक पहचान दी : शर्मा

टीवी शो सुहागन चुड़ैल में भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस आराधना शर्मा ने कहा कि उन्हें अपनी जर्नी के बारे में अपने फैंस से जुडऩे के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करना पसंद है।सोशल मीडिया के महत्व के बारे में बात करते हुए आराधना ने कहा, सोशल मीडिया वह जगह है जहां मैं अपने प्रशंसकों से जुड़ती हूं, अपनी जर्नी के बारे में बात करती हूं। लेकिन यह एक ऐसा प्लेटफार्म है, जहां मैं सीमाएं भी निर्धारित करती हूं।एक्ट्रेस ने कहा, मुझे अपने दर्शकों से जुडऩा पसंद है, लेकिन मैं प्रामाणिकता और सम्मान में विश्वास करती हूं। व्यूज के लिए सीमाएं पार करना मेरी नजर में ठीक नहीं है। मेरा कंटेंट मेरे सच्चे व्यक्तित्व को दर्शाता है और मैं ऐसी किसी भी चीज को नहीं करती जो मेरे मूल्यों या मेरे फॉलोअर्स के लिए मेरे सम्मान से समझौता करती हो। यह सब संतुलन के बारे में है। मैं जमीन से जुड़े रहते हुए स्पॉटलाइट का आनंद लेती हूं।आराधना ने इस प्लेटफार्म को गेम-चेंजर बताते हुए कहा, इसने मुझे स्क्रीन से परे एक पहचान दी है, जिससे मैं प्रशंसकों से जुड़ सकती हूं और अपने जीवन और व्यक्तित्व के उन पहलुओं को प्रदर्शित कर सकती हूं, जो शायद मेरी भूमिकाओं में हमेशा सामने नहीं आते।एक्ट्रेस ने आगे कहा, व्यक्तिगत रूप से यह मेरे लिए डांस, फिटनेस और अन्य गतिविधियों जैसे अपने जुनून को अपने फैंस के साथ शेयर करने का एक माध्यम है। साथ ही यहां से मुझे काफी प्रेरणा भी मिलती है। मैंने इस मंच के माध्यम से बहुत से प्रतिभाशाली रचनाकारों और अच्छे लोगों की खोज की है।आर-ाधना मानती हैं कि यह एक हद तक विश्वसनीय है लेकिन यह सफलता या प्रतिभा का एकमात्र पैमाना नहीं है। मेरे लिए मेरे दर्शकों के साथ मेरा जुड़ाव सबसे ज्यादा मायने रखता है।

पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म द गोट लाइफ की ओटीटी रिलीज का एलान

19 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर होगी प्रीमियर

साउथ सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म आडुजीविथम: द गोट लाइफ मार्च में रिलीज हुई और तुरंत ही बॉक्स ऑफिस पर हिट हो गई। फिल्म को आलोचकों और फिल्म प्रेमियों से सकारात्मक समीक्षा मिली, जो अब तक की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म बन गई। अब तक, यह 2024 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म है। फिल्म ने सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन किया और इसे हटाए जाने के तुरंत बाद फिल्म प्रेमी इसके ओटीटी पर आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।वहीं अब दर्शकों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। जो लोग सिनेमाघरों में फिल्म देखने से चूक गए हैं, वे इसके ओटीटी रिलीज का इंतजार कर रहे थे। आखिरकार अब उनके इंतजार खत्म होने का समय आ गया है, क्योंकि निर्माताओं ने आडुजीविथम: द गोट लाइफ की ओटीटी रिलीज की तारीख से पर्दा उठा दिया है। निर्माताओं ने आधिकारिक एलान कर खुलासा किया है कि यह फिल्म इस महीने ओटीटी पर दस्तक देने आ रही है।मलयाली अप्रवासी मजदूर नजीब की वास्तविक जीवन की कहानी पर आधारित यह सर्वाइवल ड्रामा 19 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर के लिए तैयार है। यह फिल्म पांच क्षेत्रीय भाषाओं मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी में उपलब्ध होगी। नेटफ्लिक्स के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज ने फिल्म का पोस्टर जारी किया। कैप्शन में लिखा गया, साहस, उम्मीद और अस्तित्व की कहानी। इधु नजीबिंते अथिजीवन कथा। आडुजीविथम 19 जुलाई को मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी में नेटफ्लिक्स पर आ रही है।कहानी की बात करें तो यह फिल्म मलयाली अप्रवासी मजदूर नजीब पर आधारित है, जो उन हजारों भारतीयों में से एक है, जिन्हें सऊदी अरब में रेगिस्तान में एकांत खेतों में बकरी चराने के लिए मजबूर किया गया था। पृथ्वीराज के अलावा फिल्म में जिमी जीन-लुई और केआर गोकुल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म को शुरू में यूएई के अलावा जीसीसी देशों में प्रतिबंधित कर दिया गया था, बाद में कुवैत और सऊदी अरब को छोड़कर सभी देशों में प्रतिबंध हटा दिया गया था। फिल्म ने अब तक 160 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। द गोट लाइफ मलयालम साहित्यिक दुनिया के अब तक के सबसे लोकप्रिय बेस्टसेलर उपन्यास आडुजीविथम पर आधारित है, जिसका विदेशी सहित 12 विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया गया है। मशहूर लेखक बेन्यामिन द्वारा लिखित यह एक युवक नजीब के जीवन की सच्ची कहानी है, जो 90 के दशक की शुरुआत में विदेश में भाग्य की तलाश में केरल के हरे-भरे तटों से पलायन करता है।

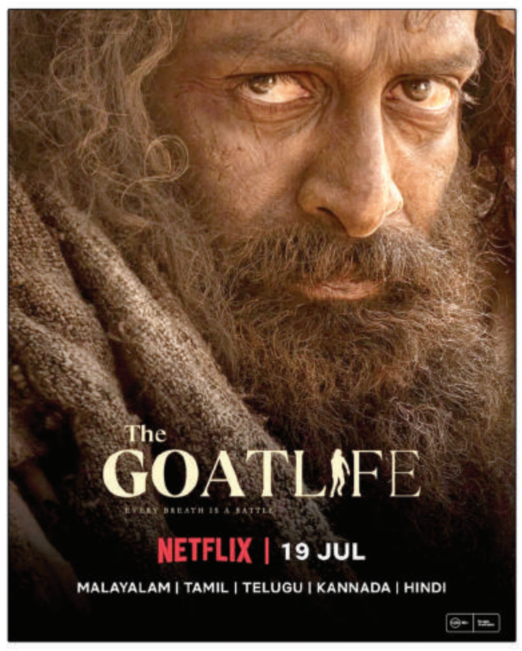

श्रद्धा दास की अदाएं देखकर लोगों के होश उड़े

खूबसूरत अभिनेत्री श्रद्धा दास आए दिन अपनी बोल्ड और हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में उन्होंने अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर सादगी से फैंस का दिल जीत लिया है। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस भरी अदाएं देखकर लोगों के होश उड़ गए हैं। एक्ट्रेस श्रद्धा दास अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने ग्लैमरस लुक्स के लिए जानी जाती हैं। उनका स्टनिंग अवतार इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है। इन तस्वीरों में उनका सिजलिंग लुक देखकर फैंस की नजरें नहीं हट पा रही हैं।श्रद्धा दास ने अपने इस लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ग्रीन कलर की साड़ी पहनी हुई है साथ ही रिवीलिंग ब्लाउज पहना हुआ है।ओपन हेयर, माथे पर काली बिंदी और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।श्रद्धा दास जब भी अपनी फोटोज सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्रद्धा दास कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक किलर अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस श्रद्धा दास सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

राजकुमार राव-श्रद्धा कपूर स्टारर स्त्री 2 के ट्रेलर की रिलीज डेट से उठा पर्दा

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर स्टारर स्त्री 2 साल की मोस्ट अवेटेड हॉरर कॉमेडी फिल्मों में से एक है। मेकर्स दूसरा पार्ट लेकर आ रहे हैं और हाल ही में इसका टीजर भी रिलीज किया गया था। वहीं अब फिल्म के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है और फाइनली इसकी रिलीज डेट आ गई है।रिपोर्ट के मुताबिक, राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 का ट्रेलर 18 जुलाई (गुरुवार) को रिलीज किया जाएगा। हालांकि टीजऱ में फिल्म के प्लॉट के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया गया है, लेकिन ट्रेलर लॉन्च से कहानी और फिल्म के बारे में अन्य डिटेल्स सामने आने की उम्मीद है। पोर्टल ने यह भी बताया कि स्त्री 2 का ट्रेलर विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क की अपकमिंग फिल्म, बैड न्यूज़ की थिएट्रिकल रिलीज के दौरान अटैच किया जाएगा।बता दें कि स्त्री 2 का टीजर 25 जून को रिलीज किया गया था। राजकुमार राव ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर टीजर पोस्ट करते हुए लिखा था, इस बार चंदेरी में आज़ादी के दिन होगा आतंक! लीजेंड इस स्वतंत्रता दिवस को 15 अगस्त पर लौट रही है! स्त्री 2 वो वापस आ गई है। वीडियो की शुरुआत राजकुमार राव और अन्य लोगों द्वारा स्त्री की मूर्ति पर दूध चढ़ाने से होती है। इसके बाद गांव में अफरा-तफरी मची नजर आती है और सब बार-बार कहते हैं स्त्री वापस आ गई। स्त्री के किरदार में श्रद्धा कपूर की भी झलक देखने को मिल रही है। टीजर में तमन्ना भाटिया भी नजर आई थीं।बता दें कि स्त्री 2 ़में पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है।

एक्शन-थ्रिलर किल बॉक्स ऑफिस पर मचा रही धूम

करण जौहर की फिल्म किल को इसकी रिलीज के बाद से ही दर्शकों का खूब प्यार मिला। फिल्म एक मजबूत स्टार कास्ट के साथ रिलीज हुई कल्कि 2898 एडी के एक हफ्ते बाद रिलीज हुई थी लेकिन फिर भी इसके बॉक्स ऑफिस पर अपने पैर जमाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। फिल्म की शुरुआत काफी अच्छी रही।युवा दर्शकों को खूब लुभा रही है एक्शन-थ्रिलर फिल्म किल। कड़ी चुनौती देने वाली फिल्मों कल्कि 2898 एडी, सरफिरा और हिंदुस्तानी 2 के बावजूद किल ने बॉक्स ऑफिस पर दूसरे सप्ताह में भी दमदार प्रदर्शन किया है. खासकर बड़े शहरों में युवा इस फिल्म को खास पसंद कर रहे हैं. दूसरे सप्ताह में फिल्म ने शुक्रवार को 80 लाख, शनिवार को 1.43 करोड़ और रविवार को 1.72 करोड़ का बिजनेस किया है।

इस तरह फिल्म की कुल कमाई अब तक 15.31 करोड़ रुपये हो चुकी है. बता दें कि किल को करण जौहर और गुनीत मोंगा ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह बहुत कम बजट में बनी फिल्म है। वहीं निखिल नागेश भट्ट ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है।

फिल्म 5 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में लक्ष्य लालवानी,राघव जुयाल के अलावा तान्या मानिकताला, अभिषेक चौहान, आशीष विद्यार्थी, हर्ष छाया और अद्रिजा सिन्हा में मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का प्रीमियर टोरेंटो फिल्म फेस्टिवल में भी किया गया था।

इस्लामिक कन्वर्जन कार्यक्रम के खिलाफ सड़कों पर उतरे हिंदू संगठन

बरेली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली शहर में इस्लामिक कट्टरपंथियों की ओर से हिंदू लड़के-लड़कियों के सामूहिक कन्वर्जन के प्रस्तावित कार्यक्रम से माहौल गरमा गया है। विवादित मौलाना तौकीर रजा खां की घोषणा से आक्रोशित हिंदू संगठन सड़कों पर उतर आए हैं। मंगलवार को बड़ी संख्या में विहिप, हिंदू जागरण मंच, बजरंग दल, नाथ नगरी प्रहरी के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर कन्वर्जन कार्यक्रम पर रोक लगाकर मौलाना तौकीर की गिरफ्तारी की मांग उठाई। प्रशासन-पुलिस ने भरोसा दिया है कि बगैर अनुमति कोई कार्यक्रम नहीं होने दिया जाएगा। कोई माहौल खराब करने कोशिश करेगा तो पुलिस सख्ती से निपटेगी।

बरेली में 2010 में हुए सांप्रदायिक दंगे के मास्टर माइंड इत्तहादे मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां की ओर से की गई विवादित घोषणा ने शहर में कांवड़ यात्रा से पहले तनाव के हालात पैदा कर दिए हैं।

मौलाना ने पवित्र सावन मास शुरू होने से ठीक एक दिन पहले 21 जुलाई को मुस्लिम बहुल इलाके में हिंदू लड़के-लड़कियों का सामूहिक कन्वर्जन कराने का ऐलान किया है। इसे लेकर हिंदू समाज में आक्रोश की लहर दौड़ गई है।

विश्व हिंदू परिषद, हिंदू जागरण मंच, बजरंग दल, नाथ नगरी सुरक्षा समूह सहित विभिन्न संगठनों ने कट्टरपंथी मौलाना तौकीर ओर से प्रस्तावित कार्यक्रम का हर स्तर पर विरोध करने की घोषणा कर दी है। हिंदू संगठनों ने बरेली प्रशासन से दो टूक कहा है कि मौलाना तौकीर के कार्यक्रम से शहर का माहौल खराब हो सकता है। मौलाना पहले भी बरेली शहर में दंगे करा चुका है और इस बार सावन माह में कांवड़ यात्रा के दौरान फिर से बरेली के शांत माहौल में जहर घोलना चाहता है। प्रशासन और पुलिस से मौलाना की अविलंब गिरफ्तारी के साथ उसकी ओर से प्रस्तावित कार्यक्रम पर रोक लगाए जाने की मांग की गई है।

इसे लेकर मंगलवार को बरेली के तमाम हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरकर जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। मौलाना तौकीर के विरोध में विहिप, हिंजाम, बजरंदल, नाथ नगरी सुरक्षा समूह के साथ भाजपा से जुड़े हिंदूवादी नेता अरुण फौजी, दुर्गेश गुप्ता, आचार्य पंडित केके शंखधार, पंडित सुशील पाठक, आशु अग्रवाल, दिव्य चतुर्वेदी, मानवेन्द्र राणा, केपी गोस्वामी, पुरुषोत्तम पटेल की ओर से डीएम बरेली रविन्द्र कुमार को ज्ञापन सौंपे गए।

बता दें कि मौलाना की पार्टी की ओर से प्रशासन को पत्र लिखकर सामूहिक कन्वर्जन का कार्यक्रम कराने के लिए अनुमति मांगी है। इसका पता होते ही हिंदू समाज होकर विरोध में उतर आया है और शहर में तनातनी के हालात बन गए हैं। आईएमसी की ओर से सामूहिक कन्वर्जन के ऐलान को लेकर एसएसपी बरेली अनुराग आर्य ने अपने बयान में स्पष्ट कहा है कि बगैर अनुमति शहर में कोई कार्यक्रम किसी सूरत में नहीं होने दिया जाएगा। अगर किसी ने माहौल बिगाड़ने की कोशिश की तो पुलिस उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

यूपी में शिक्षकों की डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था स्थगित

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने डिजिटल अटेंडेंस को लेकर शिक्षकों के विरोध को देखते हुए दो महीने के लिए यह व्यवस्था स्थगित कर दी है। समस्याओं के समाधान के लिए सरकार ने एक कमेटी गठित करने का निर्णय लिया है। बेसिक शिखा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. एमकेएस सुंदरम ने यह जानकारी दी।

मंगलवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के साथ बेसिक शिक्षा के शिक्षक संगठनों की वार्ता के बाद यह निर्णय लिया गया।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि शासन ने फिलहाल डिजिटल अटेंडेंस स्थगित करने पर सहमति दी है। जल्द इसका आदेश जारी होगा। शिक्षकों की समस्या के समाधान और डिजिटल अटेंडेंस की दिक्कत के समाधान के लिए एक कमेटी गठित की जाएगी। इसमें

शिक्षाविद, शिक्षक नेता और अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा डा. एमकेएस सुंदरम, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा आदि अधिकारी उपस्थित थे।

डिजिटल अटेंडेंस को लेकर शिक्षकों की नाराजगी दूर करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक दिन पहले ही सभी डीएम, बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) और सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी (एबीएसए) के साथ मिलकर शिक्षकों व शिक्षक प्रतिनिधियों से संवाद करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने यह भी कहा था कि विद्यालयों में पठन-पाठन सुचारू रूप से चलता रहे, यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

इससे पहले भी सीएम ने विभागीय अधिकारियों को शिक्षकों से वार्ता कर समाधान निकालने के निर्देश दिए थे।

परिषदीय विद्यालयों में आठ जुलाई से शिक्षकों के डिजिटल अटेंडेंस लगाने के निर्देश दिए गए थे। इसे लेकर शिक्षक पिछले एक सप्ताह से आंदोलनरत थे। सोमवार को भी उन्होंने हर जिले में प्रदर्शन कर सीएम को संबोधित ज्ञापन भेजा।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के इस बयान पर विवाद

अखिल भारतीय संत समिति ने किया ये सवाल

वाराणसी, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अखिल भारतीय संत समिति और गंगा महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के बयान को लेकर उन पर निशाना साधा है। स्वामी जीतेंद्रानंद ने रामालय की जांच करवाने की मांग की है।

स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के द्वारा उद्धव ठाकरे को लेकर जिस तरह राजनीतिक वक्तव्य किए गए हैं, इस देश का संत समाज जानना चाहता है कि पालघर में उसके मुख्यमंत्री काल में पीट-पीट कर जिन संतों की हत्या की गई, क्या कभी पालघर के उन संतों के बारे में भी कभी जुबान खुली।

स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि हर उस स्थान पर जहां नकारात्मक स्थिति मिलती हो,

उस स्थान पर जाना सनातन धर्म के मान मर्यादा का मर्दन करना है। चाहे श्री राम जन्मभूमि के प्राण प्रतिष्ठा की मुहूर्त का विरोध करना हो या केदारनाथ में जाकर वहां से सोना गायब हो गया ऐसे आरोप लगाने का अथवा अंबानी परिवार के विवाह में जहां संन्यासियों का जाना वर्जित है, वहां जाकर के यह बयान बाजी यह दर्शाती है कि व्यक्ति प्रसिद्ध और प्रचार का इतना भूखा है कि सनातन धर्म और संन्यास की मर्यादा भी नहीं पता है।

स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि हम तो केदारनाथ के सोने के प्रकरण में बस इतना ही जानना चाहेंगे, कि रामालय ट्रस्ट के नाम पर राम जन्मभूमि के निर्णय आने के बाद एक-एक ग्राम जो सोना इकट्ठा हुआ, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को उस सोने का हिसाब देश को देना चाहिए। हिंदू समाज जानना चाहता है सोना चोरों से। केदारनाथ से तो सोना चोरी नहीं हुआ है परंतु रामायण न्यास के द्वारा राम जन्मभूमि के नाम पर सोना जरूर लूट गया है। उसका हिसाब भी देश को जानना चाहिए।

यूपी सड़कों का हो रहा कायाकल्प, 88.27 प्रतिशत काम पूरा

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हुए उसे उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में योगी सरकार लगातार प्रयासरत है। एक ओर, प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने के लिए योगी सरकार प्रदेश में औद्योगिक विकास पर फोकस कर रही है, वहीं प्रदेश के नागरिकों को उत्तम परिवहन सुविधाएं देने के लिए अच्छी सड़कों के संजाल को भी विकसित कर रही है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में पिछले 7 वर्षों में रोड इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थिति में व्यापक बदलाव आया है। चाहें नेशनल हाईवे हों, स्टेट हाइवे हों, मुख्य जनपदीय मार्ग (एमडीआर) हों या फिर ब्लॉक व गांवों को जोड़ने वाली सड़कें हों, सभी का समेकित विकास हो रहा है। सीएम योगी के विजन अनुसार तैयार की गई विस्तृत कार्ययोजना पर काम तेजी से जारी है और इसी का परिणाम है कि ब्लॉक मुख्यालयों को जोड़ने वाली 2 लेन सड़कों से संबंधित

88.27 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गए हैं। शेष कार्यों को भी जनवरी 2025 की पहली तिमाही के अंदर पूरा कर लिया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग के आंकड़ों के अनुसार, ब्लॉक स्तर के सड़कों और मुख्य तौर पर ब्लॉक मुख्यालय को जोड़ने वाले 2 लेन सड़क के कुल 162 कार्य प्रदेश में पूर्ण किए जाने हैं। इनमें से 88.27 प्रतिशत यानी 143 कार्यों को अब तक पूरा किया जा चुका है। शेष 8 कार्यों को सितंबर तक तथा 5 कार्यों को दिसंबर तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इस प्रकार, इस वर्ष के अंत तक 13 लंबित कार्यों को पूर्ण कर लिया जाएगा जबकि शेष 6 कार्यों को वर्ष 2025 की पहली तिमाही में पूर्ण कर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इन सभी कार्यों को निर्धारित समयावधि के अंदर पूरा करने पर योगी सरकार का विशेष फोकस है और यही कारण है कि ब्लॉक स्तर पर सड़क निर्माण व पुनर्विकास की योजनाओं को तेजी से पूरा किया जा रहा है।

लोक निर्माण विभाग के आंकड़ों से इस बात की जानकारी मिलती है कि प्रदेश में अंतर्राज्यीय सीमा वाले मार्गों के विकास कार्यों को भी योगी सरकार तेजी से पूर्ण करने की ओर बढ़ रही है। प्रदेश में अंतर्राज्यीय सीमा वाले मार्गों के विकास के कुल 102 कार्यों को पूर्ण किया जाना है जिसमें से 86 कार्यों को पूर्ण कर लिया गया है, जो कि कुल कार्यों का लगभग 85 प्रतिशत है। फिलहाल, कुल 16 विकास कार्य निर्माणाधीन हैं, इनमें से 8 कार्यों को वर्ष 2024 के दिसंबर महीने के भीतर पूरा कर लिया जाएगा जबकि शेष 8 कार्यों को वर्ष 2025 की पहली तिमाही में पूर्ण कर लिया जाएगा। इसी प्रकार, केंद्रीय मार्ग निधि के अंतर्गत स्वीकृत कुल 142 परियोजनाओं पर कार्य जारी है। इनमें से 138 कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा वर्ष 2025 की पहली तिमाही तक सभी कार्यों को पूरा कर लिया जाएगा। फिलहाल, 97.18 प्रतिशत कार्यों को पूर्ण कर लिया गया है।

प्रदेश में लोक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इनमें से राष्ट्रीय मार्गों का विकास, केंद्रीय मार्ग निधि योजना से मार्गों का विकास, विश्व बैंक-नाबार्ड तथा एशियन बैंक से प्राप्त ऋण से मार्गों का विकास, दीर्घ-लघु सेतुओं व आरओबी निर्माण समेत ब्लॉक-नगर पंचायत व ग्रामीण सड़कों का विकास प्रमुख है। इस क्रम में, योगी सरकार के अब तक के कार्यकाल में पिछले 7 वर्षों में प्रदेश में 28,538 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का विकास व नवनिर्माण हुआ है।

प्रदेश में कुल 4,115 किमी के 46 नए राष्ट्रीय मार्ग तथा 5,604 किमी के 70 नए राज्य मार्गों के निर्माण की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार के अब तक के कार्यकाल में प्रतिदिन 9 किमी मार्गों के चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण तथा दो दिन में एक सेतु के निर्माण के औसत से कार्य हो रहा है। 2,503 किमी राज्य मार्गों, 5,934 किमी प्रमुख जिला मार्गों तथा 13,849 किमी अन्य जिला मार्गों का भी पिछले 7 वर्षों में योगी सरकार द्वारा विकास किया गया है।

पौधरोपण अभियान में हरियाली संग सेहत का भी ध्यान

अभियान में लगेंगे सहजन के 55 लाख पौधे

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। योगी सरकार हर बार की तरह इस बार भी पौधरोपण का रिकार्ड बनाने जा रही है। 20 जुलाई को एक दिन में 36.50 करोड़ पौधों के रोपण से यह रिकॉर्ड बनेगा। हर साल लगभग इसी सीजन में किए जाने वाले पौधरोपण का मकसद प्रदेश में हरितिमा बढ़ाना, पर्यावरण को स्वच्छ व सुंदर बनाना, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को कम करना है। साथ ही योगी सरकार इस अभियान के जरिये लोगों की सेहत का भी ख्याल रखती है।

यही वजह है कि अपनी तमाम खूबियों के कारण पोषण का पावर हाउस और चमत्कारिक पौध कहे जाने वाले सहजन के पौधरोपण पर खास ध्यान देती है। इस बार के पौध रोपण अभियान में भी सहजन के 55 लाख पौधे लगाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्देश है कि हर आंगनवाड़ी केंद्र, प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को सहजन के पौधे दिए जाएं। यही नहीं विकास के मानकों पर पिछड़े आकांक्षात्मक जिलों में हर परिवार को सहजन

के कुछ पौधे लगाने को भी प्रेरित किया जाए।

गृह वाटिका के पीछे भी सीएम की यही सोच रही। दरअसल अगर लोग सहजन की खूबियों को जान जाएं और उनका सेवन करें तो यह कुपोषण के खिलाफ एक सफल जंग सरीखा होगा। अब तो केंद्र सरकार भी सहजन की खूबियों की मुरीद हो चुकी है। पिछले साल केंद्र ने राज्यों को निर्देश दिया था कि वे पीएम पोषण योजना में स्थानीय स्तर पर सीजन में उगने वाले पोषक तत्वों से भरपूर पालक, अन्य शाक-भाजी एवं फलियों के साथ सहजन को भी शामिल करें।

सहजन सिर्फ एक पौधा नहीं है बल्कि खुद में पोषण का पा-वरहाउस है। इसकी पत्तियों एवं फलियों में 300 से अधिक रोगों की रोकथाम के गुण होते हैं। इनमें 92 तरह के विटामिन, 46 तरह के एंटी ऑक्सीडेंट, 36 तरह के दर्द निवारक और 18 तरह के एमिनो एसिड मिलते हैं।

सहजन पौष्टिक गुणों से भरपूर है। इसमें विटामिन-सी संतरे से सात गुना अधिक है। सहजन में विटामिन-ए गाजर से चार गुना अधिक है। इसमें कैल्शियम दूध से चार गुना अधिक है। पोटैशियम केले से तीन गुना अधिक है। सहजन में प्रोटीन दही से तीन गुना अधिक है। दुनिया में जहां-जहां कुपोषण की समस्या है, वहां सहजन का वजूद है। यही वजह है कि इसे दैवीय चमत्कार भी कहते हैं। दक्षिण भारत के राज्यों आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और कर्नाटक में इसकी खेती होती है। साथ ही इसकी फलियों और पत्तियों का कई तरह से प्रयोग भी। तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय ने पीकेएम-1 और पीकेएम-2 नाम से सहजन की दो प्रजातियां विकसित की हैं। पीकेएम-1 यहां के कृषि जलवायु क्षेत्र के अनुकूल भी है। यह हर तरह की जमीन में हो सकता है। बस इसे सूरज की भरपूर रौशनी चाहिए। सहजन की खूबियां यहीं खत्म नहीं होतीं। चारे के रूप में इसकी हरी या सूखी पत्तियों के प्रयोग से पशुओं के दूध में डेढ़ गुने से अधिक और वजन में एक तिहाई से अधिक की वृद्धि की रिपोर्ट है। यही नहीं इसकी पत्तियों के रस को पानी के घोल में मिलाकर फसल पर छिड़कने से उपज में सवाया से अधिक की वृद्धि होती है।

पुलिस हिरासत में हो रही मौत में यूपी नंबर वन

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पुलिस हिरासत में हो रही मौतें लगातार बढ़ रही हैं। लोकसभा में पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार, देश में हर दिन 6 लोगों की मौत पुलिस हिरासत में हो रही हैं। इस मामले में उत्तर प्रदेश नम्बर वन पर है। वर्ष 2021-22 में अकेले उत्तर प्रदेश में 501 लोगों की पुलिस हिरासत में मौत हुई है जो कि प्रदेश में व्याप्त अराजकता का प्रतीक है।

ऐसे ही जनपद जालौन में विगत दिनों राजकुमार नामक व्यक्ति की पुलिस हिरासत में रहस्यमय तरीके से मौत हो गई। चित्रकूट में भी

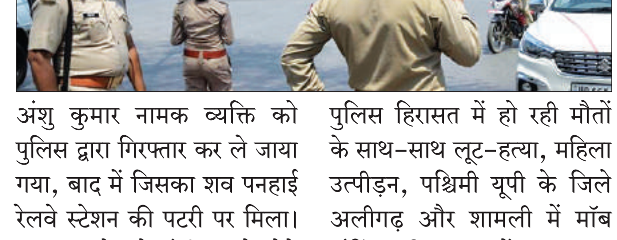

अंशु कुमार नामक व्यक्ति को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर ले जाया गया, बाद में जिसका शव पनहाई रेलवे स्टेशन की पटरी पर मिला। उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए मंगलवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पूर्व मंत्री अजय राय लखनऊ पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश कार्यालय पहुंचे। जहां पर उन्होंने पुलिस महानिदेशक से मिलकर प्रदेश में पुलिस हिरासत में हो रही मौतों के साथ-साथ लूट-हत्या, महिला उत्पीड़न, पश्चिमी यूपी के जिले अलीगढ़ और शामली में मॉब लंचिंग की घटनाओं पर उनका ध्यान आर्कषित कराने के लिए ज्ञापन सौंपा। उन्होंने तत्काल प्रभाव से प्रदेश में कानून व्यवस्था कायम किये जाने तथा दोषी पुलिसकर्मियों पर त्वरित कठोर कार्रवाई की मांग की।

बेटे-बहू के हत्यारे को आजीवन कारावास
20 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया

बांदा, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बेटे व बहू की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या करने के दोषी को अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम चंद्रपाल द्वितीय की अदालत ने आजीवन सश्रम कारावास की सजा से दंडित किया है। इसके साथ ही 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माना अदा न करने पर दोषियों को दो वर्ष का अतिरिक्त कारावास भोगना होगा। जेल में बिताई गई अवधि सजा में समायोजित की जाएगी। न्यायालय से दोषियों को जेल भेज दिया गया। जानकारी के मुताबिक नरैनी क्षेत्र के बरसड़ा मानपुर निवासी हरदयाल 13 जून 2023 को थाने में तहरीर देकर बताया था कि उसके पिता मन्नूलाल और मां चुन्नी घर के आंगन में सो रहे थे। तभी उसके बाबा देशराज पुत्र रामप्रसाद ने कुल्हाड़ी से वार कर माता-पिता की हत्या कर दी। हत्या की घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी देशराज वहां से भाग निकला। थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इस मामले पर अभियोजन पक्ष की ओर से आठ गवाह पेश किए गए, जिसमें हरदयाल, इंद्रपाल, दीनदयाल, हेड कांस्टेबल भूपेंद्र, एसआई शिववीर, डा. अजय प्रताप सिंह विश्वकर्मा, एसआइ कमल सिंह व निरीक्षक अरविंद सिंह गौर शामिल रहे।

स्विट्जरलैंड के स्टार जेरदान ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। स्विट्जरलैंड के स्टार खिलाड़ी जेरदान शकीरी ने यूरो 2024 की समाप्ति के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी। अपने 14 साल के लंबे सफर को खत्म करने की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी। 32 वर्षीय खिलाड़ी को हाल ही में जर्मनी में संपन्न हुए यूरो 2024 के लिए स्विस टीम में चुना गया था। रोसोक्रोसियाटी ने टूर्नामेंट में औसत प्रदर्शन किया और टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल राउंड में अपनी यात्रा समाप्त की।

यूरो 2024 में जेरदान का प्रदर्शन

क्लब फुटबॉल में उन्होंने बेसल, बायर्न म्यूनिख, इंटर मिलान, स्टोक सिटी, लिवरपूल और ल्योन के लिए खेला है। वर्तमान में वह शिकागो फायर एफसी के साथ मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में खेल रहे हैं। स्विटजरलैंड ने यूरो 2024 के राउंड ऑफ 16 में इटली को 2-0 से हराया। हालांकि, वे पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से दुखद हार के बाद क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड से हार गए। यूरो 2024 में शकीरी ने स्कॉटलैंड के खिलाफ सिर्फ एक गोल किया, जिससे उन्हें प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की करने में मदद मिली।

सोशल मीडिया के जरिए की संन्यास की घोषणा

शकीरी ने अपने संन्यास की घोषणा सोशल मीडिया के जरिए की। उन्होंने कहा कि 14 साल की यात्रा के बाद राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहने का उनका समय आ गया है। शकीरी ने लिखा, सात टूर्नामेंट, कई गोल, स्विस राष्ट्रीय टीम के साथ 14 साल और अविस्मरणीय क्षण। राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहने का समय आ गया है। शानदार यादें बनी हुई हैं और मैं आप सभी से कहता हूं। धन्यवाद।

जेरदान का करियर

मिडफील्डर ने 2010 में स्विट्जरलैंड के लिए अपना पहला मैच खेला था। जेरदान ने अपने करियर में 125 मैच खेले और 32 गोल किए। उन्होंने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के 2010, 2014, 2018 और 2022 संस्करणों में स्विस पक्ष के साथ चार फीफा विश्व कप भी खेले हैं।

न्यूज ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता ने चोट की चिंताओं के बावजूद मॉरिस, रिचर्डसन का समर्थन किया

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने तेज गेंदबाज लांस मॉरिस और झाई रिचर्डसन के लिए कई योजनाएं बनाई हैं, जो ब्रिटेन के सफ़ेद -बॉल दौरे से चूक गए थे। इस साल की शुरुआत में दोनों को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दिया था। मॉरिस अपनी पीठ की चोट के कारण मैदान से दूर थे और वर्तमान में वे पुनर्वास से गुजर रहे हैं। यह 2022-2023 सीजन में एशेज यात्रा से बाहर होने के बाद हुई घटना की पुनरावृत्ति है। इस तेज गेंदबाज को अपने दूसरे वनडे मैच में साइड स्ट्रेन हुआ था, जिससे वो आगे नहीं खेल पाए थे। उन्हें मौजूदा मेजर लीग क्रिकेट में सिएटल ओर्कास के लिए खेलना था, लेकिन चोटिल होने के कारण उन्हें इस टूर्नामेंट के साथ-साथ स्कॉटलैंड और इंग्लैंड दौरे से भी बाहर होना पड़ा। राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली के हवाले से कहा, लांस अभी भी खेल में वापसी करना चाहते हैं और चोट से उबर रहे हैं। मुझे पता है कि वह अच्छी तरह से प्रगति कर रहे हैं। वह गर्मियों में कमबैक करेंगे और मैदान पर उनको देखना वाकई रोमांचक होगा। झाई भी अब फिट हैं और फिर से मैच के अवसरों की तलाश कर रहे हैं। मुझे लगता है कि उन्हें गर्मियों में फिर से मौके मिलेंगे। उनके और मॉरिस दोनों के लिए मुझे लगता है कि यह सीजन में फिट रहने और फिर उम्मीद है कि वे ज़्यादा से ज़्यादा क्रिकेट खेल पाएंगे। इनमें से कुछ घरेलू मैच होंगे, उम्मीद है कि कुछ अंतरराष्ट्रीय अवसर और ऑस्ट्रेलिया ए के अवसर होंगे, फिर मुझे लगता है कि हम उन्हें लंबी अवधि में सफलता के लिए तैयार करेंगे। झाई भी अब फिट हैं और फिर से मैच के अवसरों की तलाश कर रहे हैं। मुझे लगता है कि उन्हें गर्मियों में फिर से मौके मिलेंगे। उनके और मॉरिस दोनों के लिए मुझे लगता है कि यह सीजन में फिट रहने और फिर उम्मीद है कि वे ज़्यादा से ज़्यादा क्रिकेट खेल पाएंगे।

गंभीर के मुख्य कोच बनने से भारतीय टीम और बेहतर होगी : स्टेन

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा है कि गौतम गंभीर का मुख्य कोच बननाभारतीय क्रिकेट टीम के लिए फायदेमंद रहेगा। स्टेन के अनुसार गंभीर के आक्रामक रवैये से खिलाड़ी भी बेहतर प्रदर्शन को प्रेरित होंगे। स्टेन ने कहा, मैं गंभीर का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे उनकी आक्रामकता बहुत पसंद है। वह उन कुछ भारतीयों में से एक हैं जिनके खिलाफ मैंने खेला है और जो आगे बढ़कर जवाबी हमला करते हैं, और मुझे यही रवैया पसंद है। मुझे लगता है कि वह विराट कोहली सहित अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम में इसी रवैये को लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा, भारत के अलावा विश्व क्रिकेट में हमें ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है जो ज़्यादा आक्रामक हों और विरोधी टीम के लिए खेल को थोड़ा ज़्यादा कठिनल बनाये। हम सभी लीग में एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हैं, और हम काफी मिलनसार और दोस्त बन जाते हैं। मुझे यह पसंद है कि वह मैदान पर तो बहुत आक्रामक हैं पर मैदान के बाहर बेहद अच्छे व्यक्ति हैं। वह एक समझदार, बहुत ही चतुर क्रिकेटर हैं और उनके पास बहुत ही अच्छा क्रिकेट दिमाग है। इसलिए मुझे लगता है कि इस रवैये से वह कोच के तौर पर और भी सफल होंगे। स्टेन के अलावा पूर्व क्रिकेटर जैक कालिस भी गंभीर की आक्रामक प्रकृति से प्रभावित हैं। कैलिस ने कहा, गंभीर को कोचिंग के क्षेत्र में आते देखना बहुत अच्छा है। उनके पास क्रिकेट के बारे में बहुत अच्छी समझ है। वह कुछ जोश भरेंगे और आक्रामक तरीके से खेलना पसंद करते हैं। मुझे लगता है कि वह खेल में कुछ नयापन लाएंगे और खिलाड़ी उनसे बहुत कुछ सीखेंगे। उनके पास जोड़ने के लिए बहुत कुछ है और वह भारतीय टीम में अहम योगदान देंगे। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं, हमारे खिलाफ ज्यादा नहीं, लेकिन मुझे भरोसा है कि वह शानदार प्रदर्शन करेंगे।

पेरिस ओलंपिक में पदक के दावेदार हैं अमित पंघाल

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज मुक्केबाज अमित पंघाल आजकल पेरिस ओलंपिक के लिए अभ्यास में जुटे हुए हैं , उनसे पदक की उम्मीदें देश को रहेंगी। पंघाल का लक्ष्य अब पेरिस ओलंपिक में पदक जीतना रहेगा। पेरिस ओलंपिक के लिए टिकट मिलने के बाद से ही वह बेहद उत्साहित हैं। पंघाल ने एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है जिससे भी उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद से ही वह निराश थे, इसे बाद बड़ी मुश्किल से उन्हें जगह मिली। पंघाल को तब अवसर मिला जब दीपक भोरिया दो प्रयासों के बाद भी 51 किग्रा में ओलंपिक कोटा हासिल नहीं कर पाये।

सात्विक-चिराग की जोड़ी को मिला आसान ड्रॉ, इस वरीयता के साथ पदक पर दांव लगाने उतरेंगे

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक के लिए बैडमिंटन के ड्रॉ कुछ दिन पहले निकले थे, लेकिन उसमें पुरुष डबल्स के ड्रॉ की घोषणा नहीं हुई थी। अब 26 जुलाई से शुरू हो रहे इन खेलों के लिए डबल्स वर्ग के ड्रॉ की घोषणा भी हो गई है और सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी तथा चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी को अनुकूल ड्रॉ मिला है। थॉमस कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे सात्विक और चिराग की जोड़ी को तीसरी वरीयता मिली है।

सुनवाई के कारण पुरुष डबल्स के ड्रॉ हुए थे स्थगित

ड्रॉ में जोड़ियों की संख्या को लेकर खेल पंचाट (कैस) की सुनवाई के कारण पुरुष डबल्स ड्रॉ स्थगित कर दिया गया था। खेल की वैश्विक संचालन संस्था को ड्रॉ स्थगित करना पड़ा क्योंकि कैस ने बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) को आदेश दिया कि कोर्वी और लेबर की जोड़ी को ओलंपिक खेलों में शामिल करने को लेकर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को सिफारिश की जाए। फ्रांस की जोड़ी के शामिल होने से पुरुष ड्रॉ में शुरुआती 16 की जगह अब 17 जोड़ियां होंगी।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ग्रुप-सी में

स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार सात्विक और चिराग की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी को ग्रुप सी में रखा गया है जहां फजर अल्फियां और मोहम्मद रियान एरदियांतो की इंडोनेशिया की छठे नंबर की जोड़ी उनकी सबसे कड़ी प्रतिद्वंद्वी होगी। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता सात्विक और चिराग की जोड़ी को ग्रुप चरण में मार्क लैम्सफस और मर्विन सीडल की जर्मनी की 31वें नंबर की जोड़ी और लुकास कोर्वी तथा रोनन लेबर की फ्रांस की दुनिया की 43वें नंबर की जोड़ी से भी भिड़ना है। ओलंपिक में बैडमिंटन स्पर्धाएं 27 जुलाई से शुरू होंगी।

सिंधू-प्रणय को मिला था आसान ग्रुप

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और एचएस प्रणय को आसान ग्रुप में जगह मिली थी। रियो खेलों में रजत पदक और उसके बाद टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू को 10वीं वरीयता दी गई थी। वहीं, विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर काबिज तनिषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय जोड़ी को महिला डबल्स में मुश्किल ग्रुप सी में जगह मिली थी।

नेशनल डायरेक्ट वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में म.प्र. की महिला टीम बनी विजेता

भोपाल। तृतीय राष्ट्रीय डायरेक्ट वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस प्रतियोगिता का आयोजन मध्यप्रदेश डायरेक्ट वॉलीबॉल एसोसिएशन द्वारा भोपाल के बोनी फोई स्कूल के इंडोर ग्राउंड में किया गया। विभिन्न प्रदेशों से आए लगभग 300 महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल से प्रदेश वासियों का दिल जीत लिया। महिला वर्ग में फाइनल के रोमांचक मुकाबले में मध्यप्रदेश की टीम ने पिछली बार की चैम्पियन दिल्ली को हराकर ख़िताब अपने नाम किया। एवं इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की विजेता बनकर अपने प्रदेश का गौरव बढ़ाया विजेता मध्यप्रदेश टीम को ट्रॉफी के साथ नक़द पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश टीम की स्टार खिलाड़ी कोयना दीक्षित को हीरो ऑफ द टूर्नामेंट एवं रोनक़ हाशमी को बेस्ट नेटर के अवार्ड से सम्मानित किया गया। विजेता टीम को एसोसिएशन इण्डिया के चेयरमैन अफ़रोज़ शाह ख़ान, संरक्षक सुबोध श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष राधेश्याम भार्गव, महासचिव रोहित सिंह, ज्वाइंट सेक्रेट्री फरहान उद्दीन, महिला टीम की मुख्य कोच हेमलता छतवानी ने हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी है। साथ ही सहयोगियों, साथियों, प्रायोजकों एवं समस्त खिलाड़ियों को इस सफल आयोजन में सहयोग करने के लिए आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया है।

पाकिस्तान के युवा लड़के ने जसप्रीत बुमराह के गेंदबाजी एक्शन की हूबहू नकल की, महान वसीम अकरम बोले- वाह! दिन बन गया

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम एक युवा लड़के का वीडियो देखकर बहुत प्रभावित हुए। बता दें कि पाकिस्तान के एक युवा लड़के के वीडियो ने सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है। वीडियो में नजर आ रहा है कि पाकिस्तान के युवा लड़के ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के गेंदबाजी एक्शन की हूबहू नकल की। इस वीडियो में युवा लड़के ने सटीक लाइन लेंथ बरकरार रखते हुए चार गेंदें डाली, जिस पर बल्लेबाज परेशान नजर आया। इस वीडियो को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। स्विंग के सुल्तान के नाम से लोकप्रिय वसीम अकरम ने युवा गेंदबाज के वीडियो पर जोरदार रिएक्शन दिया है। अकरम ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर इस वीडियो को रीट्वीट करते हुए कैप्शन लिखा, वाह जीत वाह, देखें उस एक्शन और गेंद पर नियंत्रण को, जो एकदम महान जसप्रीत बुमराह की तरह है। बुमराह का धमाका बता दें कि जसप्रीत बुमराह ने हाल ही में संपन्न टी20 वर्ल्ड कप 2024 में शानदार प्रदर्शन करके भारत को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में 8 मैचों में 15 विकेट चटकाए थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मुकाबले में जसप्रीत बुमराह ने अपने ओवर के बाद मैच का रुख बदल दिया था। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल में 4 ओवर में 18 रन देकर दो विकेट चटकाए थे। वसीम को बुमराह हैं पसंद पता हो कि वसीम अकरम को जसप्रीत बुमराह बेहद पसंद हैं, जो पहले भी भारतीय पेसर की तारीफ कर चुके हैं। अकरम ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के दौरान जसप्रीत बुमराह को संपूर्ण गेंदबाज करार देते हुए कहा कि वो किसी भी स्थिति में मैच का रुख बदल सकते हैं। अकरम ने कहा था, जसप्रीत बुमराह इस समय दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। सीढ़ी में सबसे ऊपर। नियंत्रण, गति, मिश्रण, वो एक संपूर्ण गेंदबाज हैं। उन्हें देखकर मजा आता है। नई गेंदबाज के साथ इस तरह की पिच पर गति, उछाला, रन-अप, वो निश्चित ही एक संपूर्ण गेंदबाज हैं।

मसूद को तीनों प्रारुपों में कप्तान बनायें : सलमान बट

लाहौर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सलमान बट ने कहा है कि शान मसूद को टेस्ट के साथ ही सीमित ओवरों के मैचों की कप्तानी भी दे देनी चाहिये। अभी बाबर आजम एकदिवसीय और टी20 टीम के कप्तान हैं। बट ने कहा है कि जिस प्रकार से टीम का प्रदर्शन एकदिवसीय विश्वकप में खराब रहा है। उसके बाद टीम की कप्तानी में बदलाव जरुरी है। बट ने कप्तानी के लिए शाहीन शाह अफरीदी, विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और पूर्व टी20 उप-कप्तान शादाब खान का नाम नहीं लेते हुए मसूद को ही बेहतर विकल्प बताया है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि वर्तमान टीम को आगे ले जोन में पूरी तरह से असफल रहा है। बट ने कहा, कुछ ऐसा है जिसके कारण कौशल होने के बाद भी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। कोई ऐसा है जिसके पास योजना बनाने की कोई रणनीति नहीं है। इसलिए मेरा मानना है कि मसूद को कप्तान बनाया जाना चाहिये। मसूद को बाबर आजम के 2023 एकदिवसीय विश्व कप में टीम के जल्दी बाहर होने के बाद टेस्ट का कप्तान बनाया गया था।

शान काउंटी चैंपियनशिप में यॉर्कशायर और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में कराची किंग्स के कप्तान भी हैं। बाबर ने एकदिवसीय विश्व कप में खराब प्रदर्शन के बाद सभी प्रारूपों में पाकिस्तान की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद शाहीन अफरीदी ने कुछ समय के लिए टी20आई टीम की कप्तानी की पर न्यूजीलैंड में सीरीज हारने के बाद उन्हें हटा दिया गया। मोहसिन नकवी ने पीसीबी अध्यक्ष बनने के बाद बाबर को फिर से सीमित ओवरों के प्रारुप में कप्तान बनाया था पर टी20 विश्वकप में टीम के खराब पदर्शन के बाद उनकी कप्तानी पर सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में बाबर को कप्तानी से हटाने की मांग हो रही है।

विंबलडन चैंपियन क्रेजिकोवा की टॉप-10 में वापसी, अलकराज तीसरे स्थान पर जमे हुए हैं

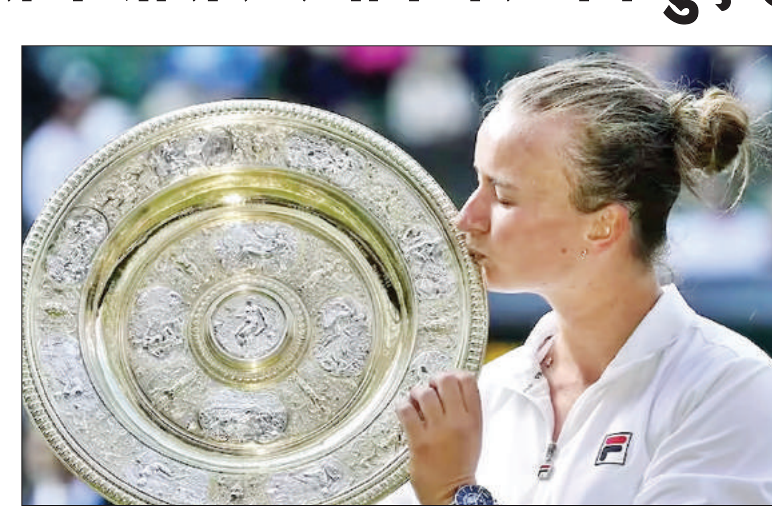

लंदन, 16 जुलाई (एजेंसियां)। विंबलडन चैंपियन बारबोरा क्रेजिकोवा जारी डब्ल्यूटीए रैंकिंग में फिर से टॉप-10 में शामिल हो गई हैं जबकि महिला सिंगल्स की उपविजेता जैस्मीन पाओलिनी अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पांचवीं रैंकिंग पर पहुंच गई। क्रेजिकोवा ने फाइनल में पाओलिनी को 6-2, 2-6, 6-4 से पराजित करके अपना दूसरा ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था।

इस जीत से चेक गणराज्य की 28 वर्षीय खिलाड़ी 22 पायदान की छलांग लगाकर 10वें स्थान पर पहुंच गईं। क्रेजिकोवा इससे पहले इस साल 8 जनवरी को 10वें स्थान पर पहुंची थी। सिंगल्स में उनकी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग दो जबकि डबल्स में एक रही है। पाओलिनी इससे पहले सातवें नंबर पर थी और इस तरह से वह दो पायदान आगे बढ़ने में सफल रही।

जानिक सिनर की बादशाहत कायम

पुरुषों के वर्ग में कार्लोस अलकराज लगातार दूसरी बार विंबलडन चैंपियन बनने के बावजूद पहले की तरह तीसरे नंबर पर बने हुए हैं। जानिक सिनर इस प्रतियोगिता में क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए थे, लेकिन इसके बावजूद वह विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बने हुए हैं। अलकराज ने फाइनल में नोवाक जोकोविक को 6-2, 6-2, 7-6 (4) से हराया था।

जोकोविक पहले की तरह दूसरे नंबर पर काबिज हैं। महिला वर्ग में इगा स्वियातेक पहले की तरह शीर्ष पर बनी हुई हैं। विंबलडन में वह तीसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थी। उनके बाद कोको गफ, अरीना सबालेंका और एलेना रिबाकिना का नंबर आता है।

भारत को टेबल टेनिस में पहला पदक जीतने की उम्मीद, इन खिलाड़ियों पर रहेगा दारोमदार

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक की शुरुआत में अब ज्यादा दिन शेष नहीं रह गए हैं। भारतीय दल से इस बार काफी उम्मीदें है और टेबल टेनिस खिलाड़ी भी पदक के लिए पूरा दम लगाने को लेकर पूरी तरह तैयार हैं। 1988 ओलंपिक में भारत पहली बार टेबल टेनिस में खेलने उतरा था, लेकिन अब तक टीम को इन खेलों में कभी सफलता नहीं मिली है। देश को उम्मीद है कि इस बार टेबल टेनिस में भी भारत पदक का खाता खोलेगा।

पहली बार पुरुष और महिला भारतीय टीम एक साथ करेगी शिरकत

ओलंपिक में पहली बार ऐसा होने जा रहा है जब पुरुष और महिला भारतीय टीम एक साथ पेरिस ओलंपिक में शिरकत करेंगी। टेबल टेनिस में भारतीय चुनौती की जिम्मेदारी पांचवां ओलंपिक खेलने जा रहे अचंत शरत कमल और मनिका बत्रा के कंधों पर रहेगी। वहीं, विश्व कप 25 श्रीजा अकुला भी कमाल कर सकती हैं। भारत ने इस खेल में कभी पदक नहीं जीता है, लेकिन पेरिस में हिस्सा ले रही टीम अपने दिन किसी भी टीम को हराने में सक्षम है।

श्रीजा अकुला ने बीते महीने ही डब्ल्यूटीटी कटेंडर का खिताब जीता था। सऊदी स्मैश के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली मनिका की विश्व रैंकिंग 28 है। अर्चना कामथ 123वें नंबर पर है, जबकि शरत कमल 40वें, मानव ठक्कर 56वें और हरमीत देसाई 86वें नंबर पर हैं।

जर्मनी में तैयारी कर रही है टीम

भारतीय टीम इस वक्त जर्मनी के सारब्रुकेन में तैयारी कर रही है। टीम के साथ इटली के कोच मासीमो कांस्टेंटीनी हैं, लेकिन मनिका बत्रा और शरत समेत ज्यादातर खिलाड़ियों ने अपने निजी प्रशिक्षकों को वरीयता दी है।

टेबल टेनिस दल में सबसे ज्यादा सहयोगी स्टाफ

पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुटी भारतीय टेबल टेनिस टीम में खिलाड़ियों से ज्यादा संख्या सहयोगी स्टाफ की है। ओलंपिक से पहले तीसरी बार भारत के मुख्य कोच के तौर पर लौटे इटली के मास्सिमो कोंस्टेंटिनी के साथ राष्ट्रीय कोच के तौर पर पूर्व खिलाड़ी सौरव चक्रवर्ती हैं। इसके अलावा सरकार ने टीम के साथ जाने के लिए चार निजी कोचों को मंजूरी दी है क्योंकि महिला टीम की तीनों सदस्य निजी कोच ले जाना चाहती हैं। नौ सदस्यीय सहयोगी स्टाफ में दो मालिशिये और एक फिजियो भी हैं जबकि छह खिलाड़ी (तीन महिला और तीन पुरूष) टीम में हैं। स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ अपने निजी कोच लेकर जाएंगी। तीन सदस्यीय पुरुष टीम में भारत के ध्वजवाहक अचंता शरत कमल के साथ उनके कोच क्रिस पेइफेर होंगे। हरमीत देसाई ओर मानव ठक्कर भी टीम में हैं।

टोक्यो में विवादों में घिरी थी भारतीय टीम

टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारतीय टेबल टेनिस टीम विवाद में घिर गई थी जब मनिका ने राष्ट्रीय कोच सौम्यदीप राय से मदद लेने से इन्कार कर दिया और बाद में उन पर मैच फिक्सिंग का आरोप भी लगाया था। पेरिस ओलंपिक से पहले सभी निजी कोच पिछले सप्ताह टीम के साथ जर्मनी रवाना हो गए थे। टीम 21 जुलाई को पेरिस के लिए रवाना होगी।

पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय टेबल टेनिस टीम इस प्रकार है

- **पुरुष:** शरत कमल, हरमीत देसाई और मानव ठक्कर
- **महिला:** मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला, अर्चना कामथ
- **रिजर्व:** जी साथियान, अहिका मुखर्जी ।

संपादकीय

रक्षा उत्पादन में उत्साहजनक वृद्धि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' और 'संकल्प से सिद्धि' के विचार देश के सामने रखे थे, जिनके सुखद परिणाम हमें दिखायी दे रहे हैं। रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भारत ने आत्मनिर्भरता का संकल्प लिया था, जिसकी पूर्ति हेतु रक्षा उत्पादों के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता को कम करके अपने यहाँ उत्पादन को बढ़ावा दिया गया। इस संदर्भ में उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 में भारत का कुल वार्षिक रक्षा उत्पादन 1.3 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जो एक कीर्तिमान है। वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में बीते वर्ष 16.7 प्रतिशत अधिक उत्पादन हुआ। इस उपलब्धि को रेखांकित करते हुए पिछले दिनों रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सही कहा भी है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान साल-दर-साल नये-नये मील के पत्थर स्थापित कर रहा है। देश को आत्मनिर्भर बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान एवं प्रयासों के सकारात्मक परिणाम तो अनेक क्षेत्रों में दिख रहे हैं, पर रक्षा उत्पादन एवं निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि का एक विशिष्ट महत्व है। ऐतिहासिक रूप से हम अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर रहे हैं। कुछ वर्षों से भारत सरकार ने यह प्रावधान कर दिया है कि हमारी सेनाएं कई वस्तुओं की खरीद देश में ही करेंगी। इन वस्तुओं की सूची लगातार बड़ी होती जा रही है। बड़ी आयुध सामग्री के निर्माण में भी हम आगे बढ़ रहे हैं। आज भारत में युद्धपोतों और पनडुब्बियों का निर्माण भी हो रहा है। स्मरण रखें कि इनके निर्माण की क्षमता कुछ गिने-चुने देशों के पास ही है। इसलिए यह विशेषतौर पर उल्लेखनीय है। आयात घटने और निर्यात बढ़ने से खर्च में कमी आ रही है और रक्षा उद्योग की कमाई में बढ़ोतरी हो रही है। हमें ध्यान रखना होगा कि हथियारों की आपूर्ति में भू-राजनीतिक स्थितियों तथा तकनीक को लेकर विभिन्न देशों की संरक्षणात्मक नीतियों का भी प्रभाव होता है। देश में रक्षा उत्पादन बढ़ने से ऐसे दबावों में भी कमी आ रही है। जिन देशों को रक्षा उत्पाद बेचे जा रहे हैं, उनके साथ हमारे रणनीतिक संबंध भी बेहतर हो रहे हैं। इससे वैश्विक मंच पर भारत के प्रभाव को बढ़ाने में मदद मिल रही है। निर्यात में वृद्धि यह भी इंगित करती है कि भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भरोसा बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि आयातकों में अमेरिका, ब्रिटेन, इस्राइल, फ्रांस, जर्मनी, संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, सऊदी अरब आदि देश शामिल हैं। इनमें से अनेक देश विकसित अर्थव्यवस्थाएं हैं तथा रक्षा उत्पादन में शीर्षस्थ हैं। बीते वित्त वर्ष में कुल उत्पादन (मूल्य के हिसाब से) का 79 प्रतिशत हिस्सा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों द्वारा उत्पादित किया गया और शेष योगदान निजी क्षेत्र ने किया। इससे स्पष्ट है कि सरकारी और निजी दोनों ही क्षेत्रों में विस्तार हो रहा है। रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र को बढ़ावा देने समेत विभिन्न सुधारों के परिणाम उत्साहजनक हैं। वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात 21,083 करोड़ रहा, जो अभूतपूर्व है। साल 2022-23 में यह आंकड़ा 15,920 करोड़ रहा था। रक्षा उत्पादन एवं निर्यात में वृद्धि की गति के बने रहने की पूरी संभावना है, जिसका एक संकेत हमें शेयर बाजार में संबंधित कंपनियों के प्रदर्शन से मिलता है। इसे ठोस आधार देने के लिए शोध एवं अनुसंधान पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है ताकि हम अत्याधुनिक तकनीक आधारित साजो-सामान का उत्पादन बढ़ा सकें।

रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भारत ने आत्मनिर्भरता का संकल्प लिया था, जिसकी पूर्ति हेतु रक्षा उत्पादों के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता को कम करके अपने यहाँ उत्पादन को बढ़ावा दिया गया। इस संदर्भ में उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 में भारत का कुल वार्षिक रक्षा उत्पादन 1.3 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जो एक कीर्तिमान है। वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में बीते वर्ष 16.7 प्रतिशत अधिक उत्पादन हुआ। इस उपलब्धि को रेखांकित करते हुए पिछले दिनों रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सही कहा भी है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान साल-दर-साल नये-नये मील के पत्थर स्थापित कर रहा है। देश को आत्मनिर्भर बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान एवं प्रयासों के सकारात्मक परिणाम तो अनेक क्षेत्रों में दिख रहे हैं, पर रक्षा उत्पादन एवं निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि का एक विशिष्ट महत्व है। ऐतिहासिक रूप से हम अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर रहे हैं। कुछ वर्षों से भारत सरकार ने यह प्रावधान कर दिया है कि हमारी सेनाएं कई वस्तुओं की खरीद देश में ही करेंगी। इन वस्तुओं की सूची लगातार बड़ी होती जा रही है। बड़ी आयुध सामग्री के निर्माण में भी हम आगे बढ़ रहे हैं। आज भारत में युद्धपोतों और पनडुब्बियों का निर्माण भी हो रहा है। स्मरण रखें कि इनके निर्माण की क्षमता कुछ गिने-चुने देशों के पास ही है। इसलिए यह विशेषतौर पर उल्लेखनीय है। आयात घटने और निर्यात बढ़ने से खर्च में कमी आ रही है और रक्षा उद्योग की कमाई में बढ़ोतरी हो रही है।

2025 तक दुनिया के लगभग 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा

मंडराने लगे हैं जल संकट के बादल

तनवीर जाफ़री

भीषण जल संकट और इससे उपजी अराजकता के कारण सरकार ने यहां पानी के निजी इस्तेमाल की सीमा 87 से घटाकर 50 लीटर प्रतिदिन कर दी है। अब डे-ज़ीरो के तहत वैपटाउन में 75 फ़ीसदी घरों की पानी सप्लाई काट दी गयी है। यानी 10 लाख से ज़्यादा घरों को पानी मिलना बंद हो चुकाहै। यहां सिचाईं में भी पानी का उपयोग नाममात्र कर दिया गया है। इसी संकट के बीच समुद्र के पानी को साफ़ करने की कोशिशें भी की जा रही हैं और अब यहां नालों व नालियों के गंदे पानी को भी रिसाइकल किया जाना शुरू हो गया है।

इसी वर्ष के मध्य में दक्षिण ईफ़्रा से आई इस ख़बर ने पूरे विश्व को हिला कर रख दिया किराजधानी केपटाउनको विश्व का पहला जलविहीन शहर घोषित किया गया है। 2018 की शुरुआत में ही वैपटाउनके लोगों को इस आशय की चेतावनी दे दी गयी थी। दरअसल यहां तीन वर्षों से लगातार पड़ने वाला सूखा इस ख़तरनाक स्तर तक पहुंच गया था कि फ़रवरी 2018 में ही डे-ज़ीरो के तहत सारे नलों से पानी की आपरूति बंद कर दी गईं थी। उसी समय हालात ऐसे हो गए थे कि नागरिकों को सप्ताह में केवल दो बार नहाने का आदेश दिया गया था साथ ही शौचालय में फ़्लश के लिए टंकी के पानी का उपयोग करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। आख़िरकार मई 2024 में इसी वैपटाउन को विश्व का पहला जलविहीन शहर घोषित कर दिया गया। अब यहाँ पुलिस व सेना की सुरक्षा में संचालित 200 जल आपरूति वेंद्रों से केवल 25 लीटर पानी प्रति परिवार को दिया जा रहा है। भीषण जल संकट और इससे उपजी अराजकता के कारण सरकार ने यहां पानी के निजी इस्तेमाल की सीमा 87 से घटाकर 50 लीटर प्रतिदिन कर दी है। अब डे-ज़ीरो के तहत वैपटाउन में 75 फ़ीसदी घरों की पानी सप्लाईं काट दी गयी है। यानी 10 लाख से ज़्यादा घरों को पानी मिलना बंद हो चुकाहै। यहां सिचाईं में भी पानी का उपयोग नाममात्र कर दिया गया है। इसी संकट के बीच समुद्र के पानी को साफ़ करने की कोशिशें भी की जा रही हैं और अब यहां नालों व नालियों के गंदे पानी को भी रिसाइकल किया जाना शुरू हो गया है। तो क्या पूरा विश्व वैपटाउन जैसे जल संकट का सामना करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है? यदि वुछ दिन पहले जारी की गयी संयुत्त राष्ट्र की चेतावनी पर नज़र डालें तो संयुत्त राष्ट्र ने आगाह कर दिया था कि 2025 तक दुनिया के लगभग 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। और इस संकट की शुरुआत हो चुकी है। वुछ समय पूर्व सिलिकॉन वैली के नाम से मशहूर बेंगलुरु में जल संकट का समाचार मिला। 1 करोड़ 30 लाख आबादी वालेबेंगलुरु में अमीरों ग़रीबों को एक साथ हाथों में बाल्टियां लिये सूखे पड़े नलों व टैंकर्स के पास लम्बी क़तार लगाये देखा गया। यहाँ तक कि सरकारी अस्पतालों में हवा से पानी बनाने की मशीन लगानी पड़ी। परन्तु ऐसा लगता है कि यदि पृथ्वी वासी हम आम जनों ने पानी की बर्बादी करने वाली अपनी दिनचर्यां न

तो बदली और न ही जलसंरक्षण पर ध्यान न दिया। नतीजतन संयुत्त राष्ट्र द्वारा जारी यह चेतावनी कि 2025 तक दुनिया के लगभग 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा, यह सही साबित होने में अब ज़्यादा वक़्त लगता नज़र नहीं आता। जल संकट मंडराने का दृश्य मैंने अपनी आँखों से पिछले दिनों अपनी सांगला (हिमाचल प्रदेश) की यात्रा के दौरान स्वयं महसूस किया। मैंने केवल बरसात के मौसम में ही नहीं बल्कि पूरे वर्ष पहाड़ों पर तेज़ धार से बहने वाले शीतल जल के अनगिनत झरने / चश्मे बहते देखे हैं। उन झरनों पर लगने वाली भीड़, लोगों को वहां खड़े होकर अपने वाहनों की धुलाईं करते, नहाते, कपड़े धोते, मस्ती करते, फ़ोटो सेशन कराते और कहीं कहीं तो फ़िल्में शूट होते भी देखा है। इन्हीं जगहों पर वुछ ग़रीबों को मक्के की छल्ली बेचते, चिप्स, चाय कोल्ड ड्रिक्स गोली टॉफ़ी बेचते भी देखा है। परन्तु अत्यंत दुखद है कि गत दो दशकों से झरनों के सूखने का यह सिलसिला आज यहाँ तक आ पहुंचा है कि वही अनगिनत झरने पूरी तरह सूखे पड़े हैं। ऊँची पर्वत श्रंख्लाओं पर इकट्ठी बर्फ़ पिघल चुकी है। ग्लेशियर सूखे पड़े हैं। गोया नदी जल का मुख्य स्त्रोत समझे जाने वाले अधिकांश पहाड़ी चश्मे सूख चुके हैं। झरना स्थलों पर सन्नाटा पसरा पड़ा है। पहाड़ों की हरियाली ख़त्म होती जा रही है। इसी संकट के परिणामस्वरूप देश की तमाम नदियां सूखती जा रही हैं। मीठे पानी की कमी का दुष्प्रभाव हिमाचल प्रदेश जैसे जल स्त्रोतवाले प्रमुख राज्य में क्या देखना पड़ा यह मेरी आपबीती से समझ सकते हैं। शिमला के आगे फ़ागू घाटी के एक होटल में रुकने के लिये कमरा बुक करने के समय होटल मालिक ने साफ़ कह दिया कि पानी की कमी है। सुबह को केवल शौच होने के लिये टंकी से पानी थोड़ी देर के लिये चलेगा परन्तु नहाने धोने के लिये पानी नहीं है। पीने के लिये बोतल का पानी उपलब्ध है'। इसके बाद नारवंडा में स्थित एकमात्र सुलभ शौचालय जलरहित थाऔर बदबू पैली हुईं थी। रामपुर के निकट कार में तेल डलवाने के बाद जब पम्प कर्मचारी से शौचालय के बारे में पता किया तो वह बोला कि शौचालय तो ज़रूर है परन्तु पानी नहीं है। और इंतेहातो तब हुईं जब सांगला में जहाँ ठहरे थे वहाँ भी पानी का काल पड़ा हुआ था। जबकि सामने कलकल करती बसपा नदी बह रही थी। अपने जीवन के किसी पहाड़ी दौरे में पानी के काल का व्यत्तिगत अनुभव हासिल करने का यह पहला मौक़ा था जिसने भविष्य के संभावित जलसंकट की याद दिलाकर अत्यंत विचलित व चितित कर दिया। ग्लोबल वरमिग के दुष्प्रभाव के कारण इसका कोईं तात्कालिक जादुईं समाधान तो नज़र नहीं आता परन्तु प्रत्येक व्यत्ति व सरकारों को इस दिशा में वुछ न वुछ कोशिश तो करनी ही चाहिये। बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिये पूरे विश्व को पूंजीवाद का मोह छोड़ मानवता के प्रति प्रेम दर्शाते हुये प्रावृतिक संतुलन बनाने की दिशा में सख़्त क़ानून बनाकर कड़े क़दम उठाने चाहिये। ग़ौरतलब है कि विकास के नाम पर पूंजीवाद पेड़ों की कटान कर समतल ज़मीन चाहता है जबकि प्रवृति अधिक से अधिक वृक्षारोपण चाहती है। वृक्षारोपण को तो प्रत्येक व्यत्ति को अपने जीवन का हिस्सा मान लेना चाहिये। हर इंसान को शादी, पाटा, मरना, सालगिरह, विवाह वर्षगांठ, बरसी आदि हर ग़म ख़ुशी व त्यौहार के अवसर पर वृक्षारोपण ज़रूर करना चाहिये। इसी तरह पूंजीवाद अधिक से अधिक वाहनों की बिी में दिलचस्पी रख प्रदूषण को बढ़ाने में भागीदार होता है जबकि प्रवृति प्रदूषण मुत्त वातावरण चाहती है। इसके अतिरित्त वर्षा जल को संचित करने के लिये सूखे पड़े तालाबों को गहरा करने व अधिक से अधिक नये नये तालाब खोदने की ज़रुरत है। इससे जल संग्रहणभी होगा और आसपास का भूगभाय जलस्तर भी सुधरेगा। नवर्निमित होने वाले मकानों में बारिश में छतों का पानी संचित करने के लिये एक पाइप ज़मीन में डालने की प्रायिा (लैंड रिचरजिग सिस्टम) को अनिवार्यकिया जाना चाहिये। समय रहते यदि हमने जलसंरक्षण के उपाय नहीं किये तो यकीन जानिये वह दिन दूर नहीं जब हम अपने बच्चों को भीषण जलसंकट के वातावरण में छोड़ कर जाने के लिये मजबूर होंगे।

दृष्टि कोण

भिक्षावृत्ति मुक्त भारत बनाने की राह में चुनौतियां

अब देश में भीख मांगने पर रोक लगेगी क्योंकि उनके संरक्षण और पुनर्वास के लिए कोशिश होगी। देश में भिक्षावृत्ति बढ़ती जा रही है और रोकने की कोई ठोस पहल नहीं हुई है। हालांकि, भिक्षावृत्ति के खिलाफ कुछ राज्यों में कानून भी बने हैं लेकिन वे इसे रोक पाने में सक्षम नहीं हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने केंद्र और राज्य सरकारों को भिखारियों की स्थिति में सुधार व पुनर्वास की सिफारिश की है। आयोग के महासचिव भरत लाल ने कहा है कि भिक्षा में लगे लोगों की मौजूदगी कमजोर समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों को दर्शाती हैं। भिक्षावृत्ति का कारण सिर्फ गरीबी नहीं है बल्कि यह एक सामाजिक और आर्थिक समस्या है जहां शिक्षा और रोजगार से वंचित लोग अपनी आजीविका के लिए भीख मांगने को मजबूर होते हैं। शहरों में धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर भीख मांगने वालों में ज्यादातर महिलाएं, बच्चे, किन्नर, बुजुर्ग और दिव्यांग होते हैं। देश में भीख मांगना एक अहम सामाजिक समस्या रही है, जिसके पीछे गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता और दिव्यांगता आदि वजहें हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, जहां देश में करीब चार लाख से अधिक लोग भिक्षावृत्ति से जुड़े हुए थे। फिलहाल उनकी संख्या बढ़कर करीब 7 लाख पहुंचने का अनुमान है। भिखारियों की संख्या बढ़ने का यह अनुमान केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से शहरों को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने को लेकर शुरू किए गए अभियान के दौरान लगा है। शहरों में इस अभियान को शुरू करने से पहले इनका सर्वे कराया गया था। हालांकि, यह योजना मौजूदा समय में करीब 30 शहरों में ही चलाई जा रही है जिसका लक्ष्य 2026 तक भिक्षावृत्ति मुक्त भारत बनाने का है। भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने आठ प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। सिफारिश के मुताबिक केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय को

नगर निगमों और सरकारी एजेंसियों की सहायता से भिक्षावृत्ति में लगे लोगों का एक केंद्रीकृत डेटाबेस बनाने की सलाह दी गई है। आयोग ने भीख मांगने में लगे लोगों के संरक्षण और पुनर्वास पर एक राष्ट्रीय नीति का मसौदा तैयार करने की सिफारिश की है, ताकि लक्षित वित्तीय सहायता, व्यावसायिक प्रशिक्षण, गरीबी उन्मूलन और निरंतर निगरानी और पर्यवेक्षण के साथ रोजगार के अवसरों सहित उनके लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाकर कार्यान्वित किया जा सके। आयोग ने कहा है कि सामाजिक सुरक्षा हेतु डिजिटल-प्रिंट मीडिया में जागरूकता अभियान शुरू कर संगठित/जबरन भीख मांगने की समस्या को सभी रूपों में समाप्त किया जाए। आयोग ने कहा है कि संगठित समूह अक्सर कमजोर बच्चों को भीख मांगने के लिए बाध्य करते हैं। कुछ मामलों में बच्चों को भीख के लिये मजबूर करने हेतु उनका अपहरण तक कर लिया जाता है। जबरन भीख मांगने के किसी भी रैकेट पर अंकुश लगाने के लिए मानव व्यापार विरोधी कानून बनाने के लिए एक समाजशास्त्रीय और प्रभावी आर्थिक मूल्यांकन जरूरी है। इस कानून में अपराधियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित हो। आयोग ने इस समस्या के समग्र समाधान हेतु सामाजिक कल्याण हस्तक्षेप, बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच, अधिकारों की रक्षा और उन्हें समाज में फिर से शामिल करने में मदद हेतु मजबूत कानूनी ढांचा बनाने की जरूरत बताई है। आयोग ने कहा है कि भीख मांगने के कारणों को सामने लाने के लिए भिखारियों के सर्वेक्षण, पहचान, मानचित्रण और डेटा बैंक तैयार करना, भिक्षावृत्ति में लगे लोगों का पुनर्वास, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कानूनी और नीतिगत ढांचा, गैर-सरकारी संगठनों, नागरिक समाज संगठनों, निजी क्षेत्र, धर्मार्थ ट्रस्टों आदि के साथ सहयोग, वित्तीय सेवाओं तक पहुंच, जागरूकता पैदा करना, संवेदीकरण व निगरानी की जाए। आयोग का कहना कि भिक्षावृत्ति में लिप्त लोगों की पहचान प्रक्रिया पूरी होने के बाद, उन्हें शहरों या जिलों में स्थित आश्रय गृहों में लाया जाए। उन्हें निवासियों के रूप में पंजीकृत किया जाए तथा राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों या अधिकृत एजेंसियों में संबंधित विभागों/ नगरपालिकाओं/ ग्राम पंचायतों द्वारा पहचान पत्र जारी किए जाएं; आश्रय गृह उन्हें उचित आवास और भोजन की सुविधा, कपड़े, स्वास्थ्य सेवा, आधार कार्ड, राशन कार्ड और बैंक खाते खोलने में सहायता सहित अन्य जरूरी सेवाएं मुहैया करे।

कुछ अलग

एआइ पर बड़ी पहल

दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के क्षेत्र में बहुत तेजी से प्रगति हुई है। इसके साथ-साथ इसके दुरुपयोग और कुप्रभावों को लेकर चिंताएं भी बढ़ी हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना तकनीक मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि एआइ के मामले में भारत सरकार दो पहलुओं पर काम कर रही है- इसकी क्षमता को बढ़ाना तथा सुरक्षा के उपाय करना। बीते मार्च में कैबिनेट ने 'इंडिया एआइ मिशन' को स्वीकृति दी थी। अगले दो-तीन महीनों में इस मिशन को प्रारंभ कर दिया जायेगा। इसके लिए 10,300 करोड़ रुपये की योजना बनायी जा रही है। एआइ अनुसंधान को गति देने के लिए 10 हजार से अधिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट की खरीद होगी। साथ ही, अन्वेषण केंद्र, डाटा सेट आदि भी स्थापित होंगे। इस योजना में निजी क्षेत्र की भी भागीदारी होगी। इस मिशन से एआइ के विकास में निवेश बढ़ने की उम्मीद है। पहले से ही अनेक स्टार्टअप सक्रिय हैं तथा निजी कंपनियां डाटा केंद्र बना रही हैं। वैष्णव ने ग्लोबल इंडिया एआइ समिट को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि तकनीक तक सभी की पहुंच होनी चाहिए। इस संबंध में भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। बहुत कम समय में एआइ ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपयोगिता साबित की है। विशेषज्ञों की मानें, तो इसकी संभावनाएं असीमित हैं। ऐसे में भारत का यह मिशन बहुत आवश्यक पहल है। सरकार के आगे आने से प्रोग्रामरों, डाटा विशेषज्ञों तथा निवेशकों का भरोसा भी बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि बीते कुछ वर्षों से केंद्र सरकार ने शोध एवं अनुसंधान के मद में आवंटन बढ़ाने का सिलसिला भी शुरू किया है। किसी अन्य तकनीक की तरह एआइ के दुरुपयोग के मामले भी सामने आने लगे हैं। भारत में डिजिटल मसलों से जुड़े कुछ कानून बने हैं और कुछ प्रस्तावित हैं। पर एआइ के क्षेत्र में विशिष्ट नियमन की आवश्यकता है। यूरोपीय संघ ने एक कानून बनाया है तथा अमेरिका में एक आधिकारिक आदेश जारी हुआ है। ऐसी पहलें नियमन का आधार बन सकती हैं। लेकिन जैसा कि वैष्णव ने रेखांकित किया है, प्रभावी तरीके से एआइ के बेजा इस्तेमाल को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन और विचार प्रक्रिया की आवश्यकता है। इंटरनेट और कंप्यूटर नेटवर्कों का विस्तार वैश्विक है। कोई अपराधी कहां बैठकर हैकिंग कर रहा है या डाटा चुरा रहा है या धोखाधड़ी को अंजाम दे रहा है, इसका पता लगाना तथा रोकथाम करना बहुत ही कठिन है। भू-राजनीतिक तनावों से ग्रस्त विश्व में तकनीक एक बड़ा हथियार भी बन चुकी है। ऐसे में वैश्विक स्तर पर नियमन और सहकार होना आवश्यक है। भारत डाटा सेंधमारी का बड़ा निशाना है। एआइ के जरिये भी देश का नुकसान करने की कोशिशें हो सकती हैं। ऐसे में विकास के साथ-साथ सतर्कता बरतना भी जरूरी है।

देश दुनिया से

कारगिल के सबक दूर करेंगे अग्निपथ की खामियां

राजनीतिक स्तर पर, तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति से वाशिंगटन डीसी में तत्काल मुलाकात के लिए समय मांगा, इसका परिणाम स्पष्ट था। जहां नवाज़ शरीफ की इच्छा अमेरिकी दखल से भारत को संयमित करवाने की थी वहीं क्लिंटन का संदेश एकदम दृढ़ था 'पाकिस्तानी फौजियों को वास्तविक नियंत्रण सीमा के पार, वापस अपनी पुरानी जगह पर लौटना होगा।' लाचार हुए पाकिस्तान प्रधानमंत्री के पास इस सलाह को मानने के अलावा कोई अन्य चारा न था, यह थप्पड़ रावलपिंडी के पाकिस्तानी सेना मुख्यालय में बैठे जनरलों के मुंह पर भी अपमान का तमाचा था।

कारगिल युद्ध (1999) में 4 जुलाई का बड़ा महत्व है, इस दिन इस युद्ध के क्रियान्वयन एवं राजनीतिक पहलुओं पर गोष्ठियां आयोजित होती हैं। इस बार, वर्तमान चुनौती-अग्निपथ योजना- के बीच चले विमर्शों ने ऊंचाई वाले रणक्षेत्र के रक्षा प्रबंधन तंत्र में सुधार हेतु महत्वपूर्ण उपाय पेश किए हैं। क्रियान्वयन के स्तर पर, टाइगर हिल (16,606 फीट) पर 18वीं ग्रेनेडियर बटालियन की 'घातक' पलटन द्वारा किया कब्जा भारत के लिए निर्णायक मोड़ वाला रहा, पाकिस्तानी सेना का नेतृत्व कर रहे जनरल परवेज़ मुशर्रफ को इस नुकसान से भान हो चला था कि यह उनके बेवकूफाना दुस्साहस के अंत की शुरुआत है। राजनीतिक स्तर पर, तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति से वाशिंगटन डीसी में तत्काल मुलाकात के लिए समय मांगा, इसका परिणाम स्पष्ट था। जहां नवाज़ शरीफ की इच्छा अमेरिकी दखल से भारत को संयमित करवाने की थी वहीं क्लिंटन का संदेश एकदम दृढ़ था 'पाकिस्तानी फौजियों को वास्तविक नियंत्रण सीमा के पार, वापस अपनी पुरानी जगह पर लौटना होगा।' लाचार हुए पाकिस्तान प्रधानमंत्री के पास इस सलाह को मानने के अलावा कोई अन्य चारा न था, यह थप्पड़ रावलपिंडी के पाकिस्तानी सेना मुख्यालय में बैठे जनरलों के मुंह पर भी

अपमान का तमाचा था। हालांकि, आधिकारिक रूप से युद्ध 26 जुलाई को समाप्त घोषित हुआ था, जिसे भारत में 'विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संभावना है कि भाजपा नीत एनडीए गठबंधन की सरकार इस अवसर की 25वीं वर्षगांठ को विशाल स्तर पर मनाएगी। इस लड़ाई के परिणामों का गहराई से आकलन और विमर्श, भारत की मौजूदा राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों के संदर्भ में इनकी प्रासंगिकता की अहमियत पर पुनर्विचार करने का आह्वान करते हैं। वर्ष 1999 के युद्ध साल को कई वजहों से त्रिकोणीय कहा जा सकता है– मसलन, चाहे यह 'परमाणु परछाई' (भारत और पाकिस्तान, दोनों ने, मई 1998 में अपनी परमाणु समर्था का प्रदर्शन किया) या दिसम्बर, 1991 में महाशक्तियों के बीच शीत युद्ध की समाप्ति के बाद कारगिल युद्ध इस उप-महाद्वीप का पहला बड़ा संघर्ष था या फिर इस तथ्य के मद्देनज़र कि उस वक्त अटल बिहारी वाजपेयी कार्यकारी प्रधानमंत्री थे। लेकिन मेरी नज़र में इस युद्ध का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम वह फैसला था जब भाजपा नीत एनडीए ने लड़ाई से पहले की कोताहियों और कमियों की उद्देश्यपूर्ण समीक्षा के लिए गैर-सरकारी विशेषज्ञों के समूह को काम सौंपना स्वीकार किया। कारगिल युद्ध जीत थी भारतीय फौजी की कभी न दबने वाली लड़ाकू खासियत और पराक्रम की, और टाइगर हिल एवं तोलोलिंग चोटी पर फतह इसका जीवंत उदाहरण है। बेशक जहां इस बहादुरी को याद किया जाता है और मानना बनता है, वहीं बड़ी संख्या में जवानों की कीमती जानों का बलिदान हुआ, वहीं ऊंचाई वाले रणक्षेत्र की बाबत देश के रक्षा विभाग के कर्ता-धर्ताओं को उनकी व्यापक असफलताओं के लिए कठघरे में भी खड़ा करता है। यह श्रेय तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी को जाता है कि उन्होंने 29 जुलाई, 1999 को रक्षा अध्ययन विशेषज्ञ के. सुब्रह्मण्यम के नेतृत्व में एक समीक्षा कमेटी गठित की, जिसको काम सौंपा गया- जम्मू-कश्मीर के लद्दाख जिले के कारगिल में पाकिस्तानियों की घुसपैठ के पूर्व-कारकों की पड़ताल और भविष्य में इस प्रकार की सशस्त्र सेंधमारी से राष्ट्रीय सुरक्षा को पैदा होने वाले खतरों की रोकथाम के आवश्यक उपाय सुझाना। विशेष व प्रशंसनीय ढंग से, कारगिल समीक्षा कमेटी ने समय से पहले अपना काम दिसम्बर, 1999 के मध्य में पूरा कर दिखाया– तयशुदा सीमा से एक महीना पहले– और 23 फरवरी, 2000 को कारगिल रिपोर्ट संसद में पेश की गई। तुरंत बाद, यह रिपोर्ट बतौर एक किताब छपी और कुछ हिस्सों की कांट-छांट के बाद सार्वजनिक तौर पर भी जारी हुई। 'कारगिल-1999' नामक यह रिपोर्ट काफी हद तक पारदर्शितापूर्ण है जबकि अक्तूबर, 1962 में चीन के हाथों मिली अभागी हार की समीक्षा में ऐसा अभी तक नहीं हो पाया। नेहरू से लेकर मोदी तक आए, किसी भी प्रधानमंत्री ने इतना निश्चय नहीं दिखाया कि हेंडरसन-ब्रुक्स रिपोर्ट को सार्वजनिक रूप से जारी किया जाए, हालांकि लीक हुए दस्तावेज साइबर स्पेस पर उपलब्ध हैं। आज, कारगिल विजय के 25 साल बाद, यह शर्म की बात है कि कारगिल समीक्षा समिति द्वारा सुझाई मुख्य हिदायतों में बहुतों पर संसद में न तो विमर्श हुआ न ही संबंधित संसदीय समिति में विस्तारित और रचनात्मक ढंग से इस पर विचार हुआ।

आप का नजरिया

नयी सरकार के पहले बजट से उम्मीदें

सभी की निगाहें तीसरी मोदी सरकार द्वारा लाये जा रहे केंद्रीय बजट पर है। ऐसे कयास लगाये जा रहे हैं कि क्या आगामी बजट में एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की एकतरफा छाप दिखेगी या गठबंधन की राजनीति का दबाव भी होगा। कयासों का रुख ज्यादातर इस तरफ है कि सरकार निश्चित तौर पर बजट के माध्यम से भारत के आर्थिक विकास को उसी पथ पर और तेजी से बढ़ाने की कोशिश करेगी, जो उसने पिछले दस वर्षों में स्थापित किया है। बजट के माध्यम से सरकारें वित्तीय वर्ष के दौरान देश के आर्थिक विकास को विभिन्न आंकड़ों के माध्यम से प्रस्तावित करने की कोशिश करती हैं। इसका प्रभाव बहुत गहरा होता है क्योंकि बजट एक रोडमैप है, जिसके अनुसार सरकार अर्थव्यवस्था को संचालित करती है। दो-तीन दशकों से भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़े बुनियादी बदलाव हुए हैं और आज वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत छवि है। वैश्वीकरण के इस युग में भारत के लिए अटूट आर्थिक संभावनाएं इसलिए भी लगातार बनी हुई है क्योंकि भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला मुल्क है। हालांकि घरेलू मोर्चे पर इस कारण बेरोजगारी की एक अनवरत समस्या भी है, फिर भी लगातार बढ़ती आर्थिक विकास दर विश्व को आकर्षित करने में सक्षम बनी हुई है। इस बात का श्रेय मोदी सरकार को जाता है कि उसके नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था जीडीपी के पैमाने पर तेज प्रगति करते हुए वैश्विक दौड़ में पांचवें पायदान पर पहुंची है। विश्व के सभी बड़े आर्थिक संस्थान व रेटिंग एजेंसियां आने वाले कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था को सात ट्रिलियन डॉलर के मुकाम पर पहुंचते हुए देख रही हैं। तब जापान और जर्मनी भारत से पीछे रह जायेंगे। अगर मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकाल की आर्थिक नीतियों का विश्लेषण करें, तो हम पाते हैं कि सरकार का रुख पूंजीगत खर्चों पर बहुत अधिक एकाग्र और सकारात्मक है। आंकड़ों के हिसाब से मनमोहन सिंह सरकार अपने आखिरी दौर में पूंजीगत खर्चों पर बजट का करीब 12 प्रतिशत खर्च कर रही थी, जिसे मोदी सरकार बड़ी तेजी से बढ़ाते हुए 22 प्रतिशत से अधिक कर चुकी है। वित्त वर्ष 2023-24 में आधारभूत सुविधाओं पर हुआ वास्तविक खर्च 18।6 प्रतिशत है और बाकी बचा 3।6 प्रतिशत हिस्सा विभिन्न राज्यों, सार्वजनिक उपक्रमों को वित्तीय ऋण के तौर पर आवंटित किया गया है। इस खर्च के चलते ही अर्थव्यवस्था में तेजी आयी और निजी निवेश का प्रतिशत भी लगातार बढ़ा। इससे जीडीपी की लगातार वृद्धि होती रही है। यह भी एक हकीकत है कि भारत में युवाओं में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी है। रोजगार में बढ़ोतरी हो रही है, पर अवसरों की संख्या उतनी नहीं हो पा रही है कि इस समस्या का ठीक से समाधान हो सके। मोदी सरकार को इस बार आम चुनाव में पूर्ण बहुमत नहीं मिलने का यह एक प्रमुख कारण माना जा रहा है। बजट में इस संदर्भ में प्रावधान होने चाहिए। यह स्थिति भी चिंताजनक है कि निजी क्षेत्र निवेश के बदले सरकार से बहुत अधिक अपेक्षाएं रखता है।

ऑनर कंपनी ने लांच किए दो टैबलेट, दोनों में मिलती है 10,050 एमएएच की धाकड़ बैटरी

नई दिल्ली,16 जुलाई (एजेंसियां)।

जानी-मानी कंपनी ऑनर ने मैजिकपैड 2 को लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने टैबलेट ऑनर पैड 9 प्रो की भी पेशकश की है। दोनों टैबलेट मैजिक ओएस 8 पर काम करते हैं, जो एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड है और 13 मेगापिक्सल के प्राइमरी कैमरे से लैस हैं।

लेटेस्ट मैजिकपैड 2 में स्नैपड्रैगन 8 एस जेन 3 चिपसेट मिलता है और इसमें ओलेड डिस्प्ले भी है, जबकि ऑनर पैड 9 प्रो मीडियाटेक डाइमेंशन 8100 एसओसी पर काम करता है और ये एक एलसीडी स्क्रीन स्पोर्ट के साथ आता है। ऑनर मैजिकपैड 2 और पैड 9 प्रो दोनों एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड मैजिक ओएस 8 पर काम करते हैं। मैजिकपैड 2 में 12.3 इंच 1,920गुणा3,000-पिक्सेल ओलेड डिस्प्ले दिया गया है, जबकि पैड 9 प्रो में 12.1-इंच 1,600गुणा2,560-पिक्सेल टीएफटी एलसीडी है।

इनकी स्क्रीन की 144एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ आती हैं।कंपनी ने मैजिकपैड 2 को स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 चिपसेट के साथ 16जीबी तक रैम और 1टीबी तक स्टोरेज से लैस किया है, जबकि हॉनर पेड 9 प्रो डाइमेंशन 8100 एसओसी के साथ 12जीबी तक रैम और 256जीबी तक स्टोरेज से लैस है। कैमरे के तौर पर इन दोनों टैब में ऑटोफोकस और एफ/2.0 अपर्चर के साथ 13-मेगापिक्सल का प्राइमेरी रियर कैमरा दिया गया है।

ऑनर का कहना है कि दोनों टैब वायफाय 6 कनेक्टिविटी को सपोर्ट करते हैं। मैजिकपैड 2 ब्लूटूथ 5.3 और पैड 9 प्रो ब्लूटूथ 5.2 डिवाइस को सपोर्ट करते हैं। मैजिकपैड 2 को 35 वॉट (मैजिकपैड 2) और पैड 9 प्रो को 66 वॉट चार्जिंग स्पीड समर्थन के साथ 10,050 एमएएच की बैटरी दी जाती हैं। ऑनर मैजिकपैड का साइज़ 274.5गुणा180.5गुणा5.8एमएम और वजन 555 ग्राम है, जबकि पैड 9 प्रो का साइज़ 277गुणा178.95गुणा6.64एमएम और वजन 589 ग्राम है। मैजिकपैड 2 में 9-मेगापिक्सल का सेकेंडरी कैमरा है, जबकि पैड 9 प्रो में 5-मेगापिक्सल का फ्रंट-फेसिंग कैमरा है। इन दोनों में एक फिक्स्ड-फोकस लेंस है, और एफ/2.2 अपर्चर है।

न्यूज़ ब्रीफ

देश में अप्रैल-जून तिमाही में बिकीं 61.9 लाख से ज्यादा गाड़ियां, 09 प्रतिशत तेजी देखने को मिली

नई दिल्ली । देश में वाहनों की खुदरा बिक्री चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में सालाना आधार पर 9 फीसदी बढ़कर 61,91,225 इकाई पहुंच गई। ट्रैक्टर को छोड़कर सभी श्रेणी के वाहनों की बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई है। 2023-24 की समान तिमाही में कुल 56,59,060 गाड़ियां बिकी थीं। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून तिमाही में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री भी 2.53 फीसदी बढ़कर 9,20,047 इकाई पहुंच गई। एक साल पहले की समान तिमाही में कुल 8,97,361 यात्री वाहन बिके थे। दोपहिया वाहनों में 12.56 फीसदी उछाल दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री अप्रैल-जून में 12.56 फीसदी बढ़कर 45,54,255 इकाई पहुंच गई। इस अवधि में कुल 2,72,691 तिपहिया वाहन बिके, जो सालाना आधार पर 11.36 फीसदी ज्यादा है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री मामूली बढ़कर 2,46,513 इकाई पहुंच गई। शोरूम आने वालों में 18 प्रतिशत गिरावट फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा, अत्यधिक गर्मी के कारण मई में शोरूम में आने वाले लोगों की संख्या में 18 फीसदी की कमी आई। मजबूत बुकिंग व ग्राहक संख्या में वृद्धि के बावजूद उच्च प्रतिस्पर्धा, अतिरिक्त आपूर्ति और छूट ने यात्री वाहन श्रेणी के लिए लगातार चुनौतियां पेश कीं। चुनाव, अत्यधिक गर्मी और बाजार में नकदी के मुद्दों से भी बिक्री पर प्रतिकूल असर पड़ा। ट्रैक्टर बिक्री में 12 फीसदी की कमी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून अवधि में ट्रैक्टर की बिक्री 12.44 फीसदी घटकर 1,97,719 इकाईरह गई।एक साल पहले की समान अवधि में 2,25,818 ट्रैक्टर बिके थे।

कर्ज न चुकाने वालों को डिफॉल्टर घोषित करने से पहले दें पर्याप्त समय, बैंकों के लिए अहम दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंक और कर्ज देने वाले संस्थानों से कहा है कि कर्ज लेकर नहीं चुकाने वालों के खातों को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने से पहले पर्याप्त समय दें। ऐसे खाताधारकों का पहले जवाब सुनें। साथ ही ग्राहकों को धोखाधड़ी की पूरी जानकारी के साथ कारण बताओ नोटिस भी जारी करना होगा। आरबीआई ने जारी सर्कुलर में कहा, डिफॉल्टर व्यक्तियों या संस्थाओं को कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए कम से कम 21 दिन का समय देना चाहिए। केंद्रीय बैंक के मौजूदा नियमों के संशोधन में पिछले साल मार्च में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को शामिल किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि डिफॉल्टर को सुनवाई का अधिकार दिए बिना बैंक किसी खाते को एकतरफा धोखाधड़ी घोषित नहीं कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा था, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों की मांग है कि उधारकर्ताओं को फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट के निष्कर्ष को समझाने का अवसर देते हुए एक नोटिस देना चाहिए। उनके खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने से पहले बैंकों या वित्तीय संस्थानों के सामने खुद का प्रतिनिधित्व करने की मंजूरी दी जानी चाहिए।

एपल की भारत में रिकॉर्ड बिक्री: आठ अरब स्ठ के आईफोन व अन्य उत्पाद बिके; नोएडा-पुणे-बंगलूरू में स्टोर की योजना

नई दिल्ली। चीन में चुनौतियों का सामना कर रही दिग्गज टेक कंपनी एपल की भारत में कुल बिक्री 2023-24 में 33 फीसदी बढ़कर 8 अरब डॉलर (67,000 करोड़ रुपये) की नईऊंचाईपर पहुंच गई।इस बिक्री में आधा से अधिक योगदान आईफोन का रहा।2022-23 में एपल ने भारत में कुल 6 अरब डॉलर के उत्पाद बेचे थे। उधर, मॉर्गन स्टेनली के 2023 के सर्वे के अनुसार, जर्मनी, फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों को पीछे छोड़ते हुए 92 लाख शिपमेंट के साथ भारत आईफोन निर्यात में पांचवें सबसे बड़े बाजार के रूप में उभरा है। एपल के सीईओ टिम कुक ने हाल ही में कहा था, भारत में आईफोन की बिक्री की वृद्धि दर 10 फीसदी से ज्यादा रही है। नोएडा पुणे व बंगलूरू में खुलेंगे खुदरा स्टोर एपल के भारत में फिलहाल दिल्ली और मुंबई में खुदरा स्टोर हैं। अब यह नोएडा, पुणे और बंगलूरू में भी स्टोर खोलने की योजना बना रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अडाणी तो बहाना ...

इसके अनुसार, रिपोर्ट जारी करने से दो माह पहले हिंडनबर्ग ने किंग्डन को इसकी जानकारी दी थी। यह एक सुनियोजित षड्यंत्र था। सेबी के अनुसार, हिंडनबर्ग अपना हिस्सा 30 से घटाकर 25 प्रतिशत करने को भी तैयार हो गई थी, क्योंकि इस सौदे के लिए महंगे विदेशी ढांचे स्थापित करने की जरूरत थी। हिंडनबर्ग के क्लाइंट किंग्डन कैपिटल और केआईओएफ मार्क किंग्डन के माध्यम से जुड़े हुए हैं, जिसकी किंग्डन कैपिटल में 99 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह संबंध हिंडनबर्ग के उस दावे को कमजोर करता है कि भारत में अडाणी समूह के शेयरों में कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष जोखिम नहीं है।

भारत के साथ चीन सीधे सैन्य युद्ध तो नहीं कर रहा है, पर उसने भारत के विरुद्ध व्यापक स्तर पर प्रोपेगेंडा वार छेड़ रखा है। झूठ फैलाने के लिए वह एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सहारा ले रहा है। वह भारत को बदनाम करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा। उसने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों के बारे में भी झूठ फैलाने की कोशिश की, पर उसे मुंह की खानी पड़ी। उसने भारत की जी-20 की अध्यक्षता से लेकर मणिपुर हिंसा और खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ाने के लिए भी झूठ फैलाया। चीन की प्रोपेगेंडा फैक्टरी हर तरह की फर्जी खबरें गढ़ रही है, जिससे भारत को नुकसान पहुंचाया जा सके।

उसने बौद्ध धर्म और दलाई लामा के विरुद्ध भी फर्जी खबरों का अभियान चलाया।

भारतीय खुफिया और सुरक्षा अधिकारियों की मानें तो चीन ने वैश्विक मंच पर भारत को बदनाम करने के लिए एक समन्वित प्रचार अभियान के तहत इंटरनेट पर हर तरह की फर्जी खबरों और विचारों की बाढ़ ला दी है। सूचना युद्ध चीन की वाणिज्यिक और सैन्य रणनीति का प्रमुख हिस्सा रहा है। भारत की अध्यक्षता में जी-20 को विफल बनाने के लिए उसके यह झूठ फैलाया कि यूक्रेन के हालात का उल्लेख करने के लिए भारत युद्ध शब्द का प्रयोग नहीं करना चाहता था। सच यह है कि जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक से जुड़े दस्तावेज में कई बार इस शब्द का प्रयोग किया गया। इससे पूर्व उसने यह प्रोपेगेंडा फैलाया कि भारत इतना गरीब है कि जी-20 की मेजबानी भी नहीं कर सकता, आयोजन किया तो सफल नहीं होगा, बुरी तरह विफल होगा। जी-20 में मोदी कठिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं वगैरह-वगैरह।इसी तरह, उसने मणिपुर के बारे में 7 मई, 2023 को साउथ वेस्ट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर चेंग शीझोंग के हवाले से कहा कि मणिपुर में संघर्ष वहां के पांथिक और जातीय अल्पसंख्यकों के खिलाफ मोदी की कार्रवाई का परिणाम था। मणिपुर पर भले ही चीन खुले तौर पर दावा न करे, लेकिन सोशल मीडिया सहित चीनी मीडिया में उसे लघु चीन बताया जाता है। भारतीय अधिकारियों का कहना है कि चीन की मंशा राज्य मशीनरी की कथित विफलता को उजागर कर मणिपुर में सांप्रदायिक हिंसा भड़काना है।इस षड्यंत्र में अमेरिकी पूंजीपति जॉर्ज सोरोस की भी भूमिका थी। उसने यह भविष्यवाणी की थी कि अडाणी समस्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को कमजोर कर देगी। 2023 में सोरोस ने अडाणी के खिलाफ स्टॉक हेरफेर के दावों का हवाला देते हुए मोदी और अडाणी को घनिष्ठ सहयोगी बताया था। सोरोस का यह बयान भारत की चुनी हुई सरकार और उसके आर्थिक तंत्र को तबाह करने की मंशा को दर्शाता है। सोरोस ने इसी तरह 16 सितंबर, 1992 में ब्रिटिश पाउंड पर मोटा दांव लगाकर बैंक आफ इंग्लैंड को तबाह कर दिया था। इस मुद्रा संकट के बाद सट्टेबाजों ने ब्रिटिश सरकार को यूरोपीय विनिमय दर तंत्र (ईआरएम) से हटने और अपनी मुद्रा पाउंड स्टर्लिंग निकालने के लिए मजबूर किया था। नतीजा, पाउंड का तेजी से अवमूल्यन हुआ, जिससे सोरोस और उसके क्वांटम फंड को लगभग एक अरब डॉलर का लाभ हुआ। ब्रिटेन में इस घटना को ब्लैक वेडनसडे के नाम से, जबकि सोरोस बैंक आफ इंग्लैंड को तोड़ने वाले व्यक्ति के तौर पर कुख्यात है।

अडाणी शेयरों की शॉर्ट सेल के लिए हिंडनबर्ग को एक ऑफशोर फंड पर निर्भर रहना पड़ा। शॉर्ट सेलिंग में शेयर उधार लेना, उन्हें मौजूदा कीमत पर बेचना, फिर कम कीमत पर उन्हें खरीदना और मुनाफा का अंतर अपने पास रखते हुए शेयर वापस करना शामिल है। इसके लिए ही हिंडनबर्ग ने अमेरिकी हेज फंड किंग्डन कैपिटल मैनेजमेंट के साथ साझेदारी की थी। भारतीय नियामकों के साथ विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) के तौर पर पंजीकरण की लंबी प्रक्रिया है, जिसमें एक महीना लग सकता है। इससे बचने के लिए किंग्डन ने शॉर्टकट रास्ता चुना। इसके लिए उसने महिंद्रा बैंक की सहायक कंपनी कोटक महिंद्रा इंटरनेशनल (केएमआईएल) का सहारा लिया, जो मॉरीशस स्थित केआईओएफ के फंड का प्रबंधन करती है। किंग्डन ने केआईओएफ के उप-फंड का अधिग्रहण किया। मतलब हिंडनबर्ग की रिपोर्ट जारी होने से पहले किंग्डन ने केआईओएफ के शेयर लिए। इससे केआईओएफ को अडाणी समूह के शेयरों को कम कीमत पर बेचने में मदद मिली, जिससे किंग्डन को 22 मिलियन डॉलर का लाभ हुआ। कोटक महिंद्रा बैंक ने किंग्डन फंड्स के लिए अडाणी के शेयरों की लेन-देन की बात स्वीकार की है, लेकिन यह भी कहा कि उसे हिंडनबर्ग और किंग्डन के संबंध की कोई जानकारी नहीं थी।

बहरहाल, हिंडनबर्ग-अडाणी प्रकरण में चीन की संलिप्तता भी सामने आई है। दावा किया जा रहा है कि चीनी जासूस अनला चेंग और उसके पति किंग्डन ने ही हिंडनबर्ग को अडाणी के खिलाफ रिपोर्ट तैयार करने के लिए काम पर लगाया था। किंग्डन ने केएमआईएल का इस्तेमाल अडाणी समूह के शेयरों की शॉर्ट सेलिंग के लिए एक ट्रेडिंग खाता खोलने, लाखों का मुनाफा कमाने और भारतीय खुदरा निवेशकों को आर्थिक रूप से बर्बाद करने के लिए किया था। अनला चेंग एक व्यवसायी है, जो जापान में पली-बढ़ी है। कहने को तो वह सुपचाइना की संस्थापक और सीईओ है, जो एक डिजिटल चीन समाचार, सोशल मीडिया और इवेंट प्लेटफॉर्म है। लेकिन वास्तविकता यह है कि वह अमेरिका में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के हितों का प्रतिनिधित्व करती है। हिंडनबर्ग रिसर्च और अमेरिकी गुप्तचर एजेंसी सीआईए के बीच संबंध की अफवाह कहानी को और जटिल बना रही है। जानकारों का अनुमान है कि सीआईए ने अमेरिका के आर्थिक हितों के लिए खतरा मानी जाने वाली वित्तीय प्रणालियों को अस्थिर करने के बड़े षड्यंत्र के हिस्से के रूप में अडाणी समूह के खिलाफ हिंडनबर्ग को परोक्ष समर्थन दिया है।

दरअसल, 2014 के बाद से अडाणी समूह ने आश्चर्यजनक तरीके से अपनी वैश्विक उपस्थिति दर्ज की है, खासतौर से बंदरगाह क्षेत्र में। समूह दुनिया भर के कई प्रमुख बंदरगाहों में रुचि ले रहा है। विशेष रूप चाबहार बंदरगाह, हाइफा बंदरगाह और स्वेज नहर आर्थिक क्षेत्र में इसने भारी-भरकम निवेश किया है। अडाणी पोर्ट्स भारत का निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा बंदरगाह ऑपरेटर है, जिसकी बाजार में 30 प्रतिशत की हिस्सेदारी है और अपनी वैश्विक उपस्थिति बढ़ाने के लिए वह वियतनाम में एक केंद्र बनाने की योजना बना रहा है। इन निवेशों के कारण वैश्विक बंदरगाह और कार्गो परिवहन कारोबार में अडाणी समूह एक प्रमुख भागीदार के रूप में उभरा है। कोलंबो स्थित सिव पोर्ट और संभावित रूप से आस्ट्रेलिया के बंदरगाह के कारण भी अडाणी का कद तेजी से बढ़ा है। यह विस्तार सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह वैश्विक बंदरगाह व्यवसाय भारत को प्रतिस्पर्धी ही नहीं, बल्कि वैश्विक परिदृश्य में उसकी स्थिति को भी मजबूत बनाता है। आज अडाणी पोर्ट्स प्रमुख वैश्विक बंदरगाह निगमों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है, जो इस क्षेत्र में भारत के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। इसमें महत्वपूर्ण है भारत मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी)। इसे चीन की बीआरआई के विकल्प के तौर पर विकसित किया जा रहा है। दरअसल, हाइफा पर चीन की निगाह थी, जिसे अडाणी समूह विकसित कर रहा है। इसके जरिए भारत ने वैश्विक समुद्री परिदृश्य में रणनीतिक दृष्टि से खुद को स्थापित करने की अपनी क्षमता साबित कर दी है। अडाणी की दिलचस्पी फ्रांस, ग्रीस, इटली और ओमान में तो है ही, इंडोनेशिया, फिलीपींस, बांग्लादेश, म्यांमार, केन्या और तंजानिया से भी उसकी बातचीत चल रही है।

वहीं, घरेलू स्तर पर देखें तो अडाणी समूह केरल के विझिंगम में एक ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल विकसित कर रहा है। परियोजना का दूसरा और तीसरा चरण 2028 में पूरा करने की योजना है। यह देश का सबसे बड़ा और दुनिया का छठा या सातवां बड़ा बंदरगाह होने के साथ दुनिया के सबसे हरित बंदरगाहों में से एक और देश का पहला अर्ध-स्वचालित कंटेनर टर्मिनल होगा। यह बंदरगाह कई लिहाज से महत्वपूर्ण है। इससे कोलंबो बंदरगाह जैसे विदेशी ट्रांसशिपमेंट हब पर भारत की निर्भरता कम होगी। कोलंबो बंदरगाह में चीनी कंपनियों की अहम भूमिका है। दूसरे, विझिंजम भारत का पहला ट्रांसशिप बंदरगाह है, जो 18 मीटर से अधिक गहरा है, जो बड़े जहाजों को किनारे तक लाने के लिए जरूरी है। इस पर 2015 में काम शुरू हुआ था। यह बंदरगाह रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यूरोप, फारस की खाड़ी और सुदूर पूर्व को जोड़ने वाला अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्ग इससे मात्र 10 समुद्री मील की दूरी पर है। स्वेज नहर और मलक्का जलडमरूमध्य के बीच रणनीतिक रूप से स्थित यह बंदरगाह भारत को वैश्विक समुद्री व्यापार के मानचित्र पर लाएगा। यह हाइड्रोजन और अमोनिया जैसे स्वच्छ और हरित ईंधन की आपूर्ति करने वाला वैश्विक हब भी होगा। कोवलम समुद्र तट के पास स्थित इस बंदरगाह को 12 जुलाई 2024 को पहली मदर शिप मिली। केरल के गहरे पानी में जहाजों को पड़ाव सेवाएं देकर भारत, चीन के हांगकांग बंदरगाह के साथ प्रतिस्पर्धा करने का इरादा रखता है, जबकि निकोबार द्वीप समूह को दुबई या सिंगापुर के तर्ज पर विकसित करना चाहता है।

कांग्रेस और माकपा में विझिंजम परियोजना का श्रेय लेने की होड़ है। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन का कहना है कि इस बंदरगाह से राज्य में विकास की जो संभावनाएं पैदा होंगी, वे कल्पना से परे हैं। इस परियोजना का श्रेय कांग्रेस अपने दिवंगत नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी को दे रही है। उसका कहना है कि चांडी की पहल की बदौलत ही ठप परियोजना आगे बढ़ी। कांग्रेस और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के बीच संबंध जगजाहिर है। 2008 में कांग्रेस ने सीपीसी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देना था। हिंडनबर्ग रिपोर्ट के मद्देनजर दोनों के संबंधों की पड़ताल के बाद कुछ लोगों का तो यह भी कहना है कि इस प्रकरण में कांग्रेस और चीन की भी भूमिका हो सकती है। कांग्रेस का कहना है कि अडाणी समूह में एलआईसी, एसबीआई और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के भारी जोखिम को देखते हुए व्यापक जनहित में गहन जांच जरूरी है। साथ ही, उसने यह आरोप भी लगाया है कि मोदी सरकार ने अडाणी समूह में एलआईसी, एसबीआई और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों जैसी रणनीतिक राज्य संस्थाओं द्वारा उदार निवेश करा कर भारत की वित्तीय प्रणाली को खतरे में डाल दिया है। इसलिए ऊपर से भले ही यह मामूली आरोप लगे, लेकिन इस षड्यंत्र के पीछे मंशा भारत के वित्तीय बाजारों को धराशायी करना एवं आर्थिक तंत्र को खतरे में डालकर विकास को पटरी से उतारना था।

डोडा मुठभेड़ ...

शहीद कैप्टन ब्रजेश कुमार थापा पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग के रहने वाले थे। नायक डी राजेश आंध्र प्रदेश के रहने वाले थे, सिपाही बिजेंद्र और सिपाही अजय दोनों ही राजस्थान में झुंझुनूं के रहने वाले थे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्य के एलजी मनोज सिन्हा, केंद्रीय मंत्री डॉ. जीतेंद्र सिंह और सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी की रुटीन श्रद्धांजलि के बरक्स प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने जम्मू कश्मीर पुलिस प्रमुख आरआर स्वैन को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने की मांग की है। महबूबा ने कहा, कोई जवाबदेही नहीं है। अब तक तो सभी के खिलाफ कार्रवाई हो जानी चाहिए थी। डीजीपी को बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए था। पिछले 32 महीनों में करीब 50 सैनिकों ने अपनी जान गंवाई है।

उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में 24 घंटे पहले ही रविवार को सुरक्षा बलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया था। मारे गए तीनों आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद हुए हैं। नियंत्रण रेखा के पास हुई मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादी बड़े हमले की तैयारी में थे।

जम्मू-कश्मीर में हाल के दिनों में आतंकी हमलों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। 9 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शपथ ली थी, उसी दिन दहशतगर्दों ने रियासी में तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर हमला किया था। इससे बस खाई में गिरने से नौ लोगों की मौत हो गई थी। आतंकियों की ओर से 9 से 11 जून के बीच चार हमले किए गए हैं। इसके बाद जुलाई महीने की शुरुआत में 8 जुलाई को कठुआ के बदनोटा इलाके में सेना के गश्ती दल पर भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के एक समूह ने घात लगाकर हमला किया था। हमले में पांच जवान बलिदान हो गए थे।

सैनिकों की...

स्वदेशीकरण के लिए रक्षा वस्तुएं प्रदान करते हैं। स्वदेशीकरण की जो नई सूची तैयार की गई है, उनकी एक समय सीमा के बाद भारतीय उद्योगों से खरीद की जाएंगी। इससे आयात के 1,048 करोड़ रुपए बचेंगे। साथ ही इससे अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी और रक्षा क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। इसके अलावा इस कदम से अकादमिक और अनुसंधान संस्थानों की भागीदारी के चलते घरेलू रक्षा उद्योग की डिजाइन क्षमता भी बढ़ेगी।

जिन वस्तुओं की सूची जारी की गई है, उन्हें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, भारत डायनामिक्स लिमिटेड, बीईएमएल लिमिटेड, इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड, हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड जैसी कंपनियों द्वारा तैयार किया जाएगा। इससे पहले, सरकार के रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा तैयार की गईं ये पांच सूचियां सैन्य मामलों के विभाग (डीएमए) द्वारा अधिसूचित 509 वस्तुओं की पांच सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों के अतिरिक्त हैं। इन सूचियों में अत्यधिक जटिल प्रणालियां, सेंसर, हथियार और गोला-बारूद शामिल हैं। जून 2024 तक, डीपीएसयू और एसएचक्यू द्वारा स्वदेशीकरण के लिए रक्षा उद्योग को 36,000 से अधिक रक्षा वस्तुओं की पेशकश की गई थी। उनमें से, पिछले तीन वर्षों में 12,300 से अधिक वस्तुओं का स्वदेशीकरण किया गया है। इसके चलते घरेलू रक्षा कंपनियों को 7,572 करोड़ रुपए के ऑर्डर मिले हैं।

के कविता की...

ईडी ने आरोप लगाया था कि दिल्ली में शराब लाइसेंस के एक बड़े हिस्से के बदले में शराब सिंडिकेट के साऊथ ग्रुप ने राष्ट्रीय राजधानी में आम आदमी पार्टी को 100 करोड़ की रिश्वत दी थी। ईडी ने बीआरएस नेता के कविता को शराब सिंडिकेट के इसी साउथ-ग्रुप का प्रमुख सदस्य बताया है। इसके अलावा उस समूह में मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी, उनके बेटे मगुंटा राघव रेड्डी, अरुण रामचंद्र पिल्लई, बुचीबाबू गोरांटला, अभिषेक बोइनपल्ली और पी सरथ चंद्र रेड्डी भी शामिल हैं।

ईडी ने दावा किया है कि कविता ने अन्य लोगों के साथ मिलकर दिल्ली शराब घोटाला में लाभ पाने के लिए अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के साथ मिलकर साजिश रची। इन अहसानों के बदले के कविता ने आम आदमी पार्टी (आपा) को 100 करोड़ रुपए भी दिए। ईडी ने कहा कि के कविता और उनके सहयोगियों ने आपा को पहले ही भुगतान कर दिया। ईडी ने पिछले दिनों पीएमएलए अदालत को बताया था कि के कविता दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले की मुख्य साजिशकर्ता और लाभार्थियों में से एक थीं।

संसद के बजट ...

तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के नेता डेरेक ओब्रायन ने रिजिजू को पत्र लिखकर बताया कि उनकी पार्टी इस बैठक में शामिल नहीं हो पाएगी। उन्होंने कहा कि 30 वर्षों से 21 जुलाई को बंगाल में हमारे 13 साथियों के सम्मान में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो 1993 में पुलिस की गोलीबारी में गैरकानूनी रूप से मारे गए थे।

18वीं लोकसभा के गठन के बाद पहले संसद सत्र में विपक्षी गठबंधन ने नीट विवाद, मणिपुर की स्थिति और महंगाई जैसे मुद्दों को उठाया था। नारेबाजी और भारी हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित हुई थी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जवाब के दौरान भी दोनों सदनों में विरोध प्रदर्शन भी हुए थे। विपक्ष ने इस दौरान भी जमकर हंगामा किया था। लोकसभा में प्रधानमंत्री के जवाब के दौरान विपक्षी सांसदों ने मणिपुर पर बयान देने की मांग की थी, जबकि राज्यसभा में विपक्ष ने बहिर्गमन किया था।

फिर खोला जाएगा...

न्यायमूर्ति रथ ने कहा कि चूंकि सभी बक्सों को स्थानांतरित करना संभव नहीं है, इसलिए इन बक्सों में रखे कीमती सामान और आभूषणों को मंदिर परिसर में स्थापित अस्थायी कोषागार में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। इसके लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने के साथ ही आवश्यक सुरक्षा उपाय किए गए हैं।

दरअसल, ओड़ीशा के पुरी में स्थित 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार 46 साल बाद रविवार दोपहर को फिर से खोला गया। आभूषणों, कीमती वस्तुओं की सूची बनाने और भंडार गृह की मरम्मत करने के लिए रत्न भंडार को खोला गया था। इससे पहले 1978 में इसे खोला गया था। ओड़ीशा में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में रत्न भंडार को फिर से खोलना एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा था। भाजपा ने तत्कालीन सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) पर इसकी खोई हुई चाबियों को लेकर निशाना साधा था। पार्टी ने लोगों से वादा किया था कि अगर वह चुनाव जीतती है तो रत्न भंडार को फिर से खोलने का प्रयास करेगी।

मंदिर में प्रवेश करने से पहले पाधी ने कहा था कि रत्न भंडार फिर से खोल दिया गया है, लेकिन मूल्यवान वस्तुओं की सूची तत्काल नहीं बनाई जाएगी। रत्न भंडार के आंतरिक और बाहरी कक्षों में रखे गए आभूषण और अन्य मूल्यवान वस्तुओं को लकड़ी के संदूकों में बंद कर अस्थायी सुरक्षित कमरे में रखा जाएगा।

सूची तैयार करने का काम मूल्यांकनकर्ताओं, सुनारों और अन्य विशेषज्ञों को नियुक्त किए जाने पर सरकार की मंजूरी मिलने के बाद किया जाएगा। हमारी पहली प्राथमिकता रत्न भंडार की मरम्मत करना है। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद कीमती सामान वापस लाया जाएगा और फिर सूची तैयार की जाएगी।

देश संविधान से...

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड को कभी भी औरतों को अधिकार देना पसंद ही नहीं आता। मेरा हक फाउंडेशन की अध्यक्ष फरहत नकवी ने कहा कि जब भी महिलाओं के हक-हकूक की बात आती है, मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड आड़े आ जाता है। इन लोगों को यह समझना चाहिए कि देश संविधान से चलता है, मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की राय से देश नहीं चलता।

सबका हक संगठन की अध्यक्ष राफिया शबनम ने कहा कि तलाक पीड़िताओं को गुजारा भत्ता देने का आदेश पूरी तरह से सही है। अगर शरीयत के अनुसार भी तलाक दिया जाता है तो महिला को गुजारा भत्ता देना चाहिए। बोर्ड को यह बताना चाहिए कि बगैर गुजारा भत्ते के मुस्लिम महिलाएं अपना जीवन यापन कैसे करेंगी। सामाजिक कार्यकर्ता कैसर फात्मा ने कहा कि बोर्ड सुप्रीम कोर्ट के आदेश का विरोध करने से पहले ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड यह बताए कि उसने अब तक मुस्लिम महिलाओं के हक के लिए क्या-क्या काम किए हैं। जब भी मुस्लिम महिलाओं के हक की बात होती है, तब ये लोग ही क्यों विरोध में खड़े हो जाते हैं।

मुस्लिम महिलाओं के भरण-पोषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा कि महिलाओं के लिए सभी धर्मों को कानून समान होने चाहिए। शर्मा ने कहा, महिलाओं के अधिकार सार्वभौमिक होने चाहिए, धर्म के आधार पर निर्धारित नहीं होने चाहिए। महिलाओं से संबंधित सभी धर्मों के कानून भी समान होने चाहिए। उन्होंने कहा, हिंदू विवाह अधिनियम के तहत तलाक के बाद आपको गुजारा भत्ता मिलता है तो मुस्लिम महिला को यह क्यों नहीं मिलना चाहिए? मैं सुप्रीम कोर्ट द्वारा कही गई बात का स्वागत करती हूं। आयोग प्रमुख ने कहा कि यह निर्णय इस सिद्धांत को पुष्ट करता है कि किसी भी महिला को कानून के तहत समर्थन और सुरक्षा के बिना नहीं छोड़ा जाना चाहिए।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 17 जुलाई, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

साध्वी श्री शिवमालाजी आदि ठाणा-4 का तेरापंथ भवन सिकंदराबाद में चातुर्मासिक भव्य प्रवेश

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी सुशिष्या शासनश्री साध्वी शिवमाला आदि ठाणा-4 का प्रातः 9.15 बजे मंगल चातुर्मासिक प्रवेश भव्य जुलुस के साथ तेरापंथ भवन डी वी कॉलोनी में हुआ। भव्य जुलुस सभा के पूर्व अध्यक्ष बाबुलाल बैद के निवास स्थान वेंकटराव नगर कॉलोनी से प्रारम्भ होकर तेरापंथ भवन आकर सम्पन्न हुआ। नमस्कार महामंत्र के साथ स्वागत समारोह का शुभारम्भ हुआ। मंगलाचरण महिला मंडल द्वारा किया गया। तत्पश्चात तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती कविता आच्छा तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष अभिनन्दन नाहटा, तेरापंथ प्रोफेसनल फोरम के अध्यक्ष पंकज संचेती अणुव्रत समिति के अध्यक्ष प्रकाश एच. भंडारी श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा सिकन्दराबार के अध्यक्ष सुशील संचेती पूर्व अध्यक्ष बाबुलाल बैद, जैन तेरापंथ वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन महेन्द्र भंडारी, मैनेजिंग ट्रष्टी मनोज दुगड़ ज्ञानशाला प्रभारी श्रीमती संगीता गोलछा, जैन सेवा संघ के उपाध्यक्ष वनोद संचेती श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा हैदराबाद के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार सुराणा, लक्ष्मीपत डुगंरवाल , कन्या मंडल, किशोर मंडल ने साध्वीश्री जी के स्वागत में अपने अपने उद्गार व्यक्त किये। साध्वीश्री अमितरेखा चातुर्मास में करणीय कार्यों के लिए प्रेरणा दी । शासनश्री साध्वी शिवमाला ने सभी को आगामी चातुर्मास के लिए आध्यात्मिक लाभ लेने की प्रेरणा दी।लिमड़ी अजरामर सम्प्रदाय से साध्वीश्री भविता कुमारी, साध्वीश्री नमन कुमारी, साध्वीश्री विहांसी कुमारी का सान्निध्य व चातुर्मासिक आध्यात्मिक प्रेरणा भी सभी दी गई ।संचालन लक्ष्मीपत बैद व राकेश सुराणा ने किया। आभार ज्ञापन श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा , सिकंदराबाद के मंत्री हेमन्त संचेती के किया।

श्री काँची प्रतिवादी भयंकर शिष्यवृन्द का गुरु पूर्णिमा महोत्सव 21 को

हैदराबाद, 16 जुलाई (एजेंसियां)।
श्री काँची प्रतिवादी भयंकर शिष्यवृन्द हैदराबाद द्वारा गुरु पूर्णिमा महोत्सव आगामी रविवार दि.21 जुलाई, 2024 को जैन भवन, रामकोट में मनाया जायेगा ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर श्री कांची गादी स्वामीजी श्री श्रीनिवासाचार्यजी श्रीनिवासाचार्यजी एवं युवराज स्वामीजी श्री एवं युवराज श्री अनंताचार्यजी अनंताचार्यजी उपस्थित रहकर आशीर्वाद प्रदान करेंगे। महोत्सव के अन्तर्गत पाद पूजन सायं 6:30 बजे होगा। आरती सायं 7:00 बजे की जाएगी। तत्पश्चात गुरुजी द्वारा आशीवर्चन एवं भगवत प्रसादी का आयोजन होगा।

श्री वैष्णव सत्संग मण्डल, सुल्तान बाजार द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जायेगी। धर्मप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का निवेदन किया गया है। गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अन्तर्गत घनश्याम सूंठवाल के निवास पर श्री काँची प्रतिवादी भयंकर शिष्यवृन्द हैदराबाद की बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर घनश्याम सूंठवाल, महेश कलंत्री, रामनिवास असावा, गोपाल असावा, गोविन्द पसारी, राधाकृष्ण बजाज, सुरेन्दर बजाज, भगवान सूंठवाल, रवि राठी आदि उपस्थित थे।

7वीं राष्ट्रीय फिन स्विमिंग चैम्पियनशिप कल से

तेलंगाना टीम की जर्सी लॉन्च

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
7वीं राष्ट्रीय फिन स्विमिंग चैम्पियनशिपअ, उदयपुर (राजस्थान) में दि. 18 से 21 जुलाई, 2024 तक भारतीय अंडरवाटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा महाराणा प्रताप खेल गांव स्पोर्ट्स स्टेडियम, उदयपुर आयोजित की जा रही है। तेलंगाना राज्य का प्रतिनिधित्व विभिन्न श्रेणियों में 22 लड़के और 10 लड़कियाँ भाग ले रही हैं।

दिनेश राजोरिया, महासचिव, अंडर वाटर स्पोर्ट्स फिन स्विमिंग एसोसिएशन तेलंगाना की जानकारी के अनुसार इस संदर्भ में तेलंगाना तैराकों के लिए डॉल्फिन स्विमिंग क्लब, शिवरामपल्ली, हैदराबाद में जर्सी लॉन्च की गई, जिसमें प्रमुख समाजसेवी और खेल संरक्षक गोपाल बलदेवा, अमृत कुमार जैन (संस्थापक अध्यक्ष, अमृत चिट फंड्स), डॉ. मोहम्मद इमाम ताहसीन (अध्यक्ष, ग्लोबल पीस फाउंडेशन), डॉ. फहीम उद्दीन खाजा (प्राचार्य, क्रेसेंट मॉडल इंग्लिश स्कूल) और अंतर्राष्ट्रीय फिन तैराक डॉ. क्वीन विक्टोरिया ने जर्सी को लॉन्च किया एवं तैराकों का हौसला बढाया।

ज्ञात हो कि तेलंगाना टीम की प्रमुख मिस गरिमा मिश्रा हैं, जो हैदराबाद के एलएमजी स्मार्ट किड्स इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा हैं जिन्होंने हाल ही में विभिन्न राज्य और राष्ट्रीय स्तर की चैम्पियनशिप में स्वर्ण और रजत पदक जीते हैं।

तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद की साधारण सभा कल

हैदराबाद,16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद की वार्षिक साधारण सभा गुरुवार, दि. 18 जुलाई को आयोजित की जाएगी।

यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में मंत्री सुशीला मोदी ने बताया कि वार्षिक साधारण सभा किसी भी संस्था के लिए संजीवनी होती है । वर्ष भर में किए हुए कार्यों की समीक्षा तथा भविष्य में संगठन को नई ऊंचाई की ओर ले जाने का संकल्प हम इस दिन करते हैं।

इस वर्ष यह चुनाव वर्ष नहीं है साधारण सभा तेरापंथ भवन डीवी कॉलोनी सिकंदराबाद में दोपहर 2:00 बजे से आयोजित की जाएगी ।

इस वार्षिक साधारण सभा में मंडल की सभी बहनों को आने का विनम्र अनुरोध किया गया कि यह सभा अध्यक्ष श्रीमती कविता आच्छा की अध्यक्षता में होगी। जिसमें मंत्री सुशीला मोदी साल भर में हुए कार्यों की संक्षिप्त जानकारी देगी।

कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती शीतल कोठारी भी कन्या मंडल के वर्ष भर में हुए कार्यों का विवरण देगी। कोषाध्यक्ष श्रीमती अल्पना दुगड़ वित्तीय वर्ष 2023 -24 के आय व्यय का ब्यौरा देगी। संविधान का वाचन होगा। और भी कोई अन्य चर्चा अध्यक्ष की अनुमति से होगी । सभी बहनों से नम्र निवेदन साधारण सभा में समय पर जरूर -जरूर गणवेश में पधारे।

अग्रवाल समाज बालानगर शाखा की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज बालानगर शाखा पदाधिकारियों की बैठक योगेश अग्रवाल के कार्यालय में सम्पन्न हुई। शाखा मानद मंत्री सुनील मित्तल द्वारा श्रावन की सैर, गत वर्ष के कार्यक्रमों एवं शाखा की गतिविधियों पर विचार विमर्श किया गया।

सभी सदस्यों को बुधवार दि. 17 जुलाई को शाम 7.00 बजे शाखा पदाधिकारियों एवं श्रावण के सैर के संयोजकों की साधारण सभा में भाग लेने का आग्रह किया गया। यह बैठक प्रमोद मोदी के कार्यालय में रखी गयी है। सावन के सेर में जाने वाले परिवार के सदस्य आधार की कॉपी एवं पासपोर्ट साइज फोटो साथ लेकर आएं ताकि सभी के आई.डी. कार्ड बन सके।सभी सदस्यों से आग्रह किया गया कि उक्त बैठक में भाग लेकर अपने विचार रखे एवं श्रावन की सैर को सुचारू रूप से किया जा सके। बैठक में शाखा संस्थापक प्रमोद मोदी, अध्यक्ष सुरेश गर्ग, सुनील मित्तल, कोशाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, श्रावन की सैर इंचार्ज ललित अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, प्रमोद मोदी एवं अन्य सदस्य उपस्तिथ थे।

श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट की बैठक आज

हैदराबाद,16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट, इब्राहिमपट्टनम् के ट्रस्टियों, दानदाताओं एवं श्रीराम कथा के सहयोगियों की एक विशेष बैठक बुधवार 17 जुलाई को बशीरबाग स्थित होटल वेज पार्क में सायं 7:30 बजे से आयोजित की जायेगी । उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में चेयरमैन तुलसीराम बंसल एवं मैनेजिंग ट्रस्टी महावीरप्रसाद अग्रवाल द्वारा दी गई ।

विज्ञप्ति अनुसार बैठक में श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट द्वारा 22 से 30 अप्रैल 2024 तक आयोजित श्रीराम कथा का लेखा-जोखा सभी सदस्यों के सम्मुख प्रस्तुत किया जायेगा । श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट में पिछले दिनों बनाए गए नए टस्टियों का परिचय उपस्थित सभी सदस्यों से कराया जायेगा । इसके अतिरिक्त नए टस्टियों, दानदाताओं एवं सहयोगियों का सम्मानित भी किया जायेगा ।

श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट ने सभी ट्रस्टियों, दानदाताओं एवं श्रीराम कथा में सहयोगी सभी से इस बैठक में भाग लेकर बैठक को सफल बनाने का आग्रह किया है ।

विश्व जनसम्पर्क दिवस पर एनएमडीसी में इन्टरऐक्टिव सत्र आयोजित

अमिताभ मुखर्जी ने ङ्गक्या सम्वाद करना है, किससे सम्वाद करना है और कैसे सम्वाद करना हैफके महत्व पर बल दिया

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
विश्व जनसम्पर्क दिवस के अवसर पर एनएमडीसी ने अपने मुख्यालय में मंगलवार को अमिताभ मुखर्जी, सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) और बी. विश्वनाथ, सीव्हीओ की उपस्थिति में एक इन्टरऐक्टिव सत्र आयोजित किया । समीर कपूर, अतिथि प्रोफेसर, आईआईएमसी, नई दिल्ली और सुधाकर रेड्डी, संपादक (इंवेस्टिगेशन), टाइम्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली ने इस डिजिटल उन्नत युग में जनसम्पर्क और सम्वाद के महत्व पर सत्र लिया ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ श्रीमती जी. प्रियदर्शिनी, सीजीएम (पीएंडए) के ङ्गस्वागत संदेशफ से हुआ, जिसके उपरांत पी. जयप्रकाश, जीएम (सीसी) ने दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला ।

कार्यक्रम के दौरान जनसम्पर्क क्षेत्र से प्रमुख वक्ताओं - समीर कपूर और सुधाकर रेड्डी ने ङ्गबदलती दुनिया में जनसम्पर्क का भविष्यफ विषय पर एनएमडीसी के कर्मचारियों के साथ अपना अनुभव और विशेषज्ञता सांझा किया ।

इन्टरऐक्टिव सत्र की शुरुआत समीर कपूर के साथ हुई, जिन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे दुनिया और जनसम्पर्क उद्योग में कोविड के बाद बदलाव आया है, इस क्षेत्र में वर्तमान रूझान और डिजिटल मीडिया में उपयोग किए जाने वाले नए उपकरण और तकनीक क्या हैं । समीर कपूर ने कहा, जनसम्पर्क और कहानी सुनाना महत्वपूर्ण है, सभी को जनसम्पर्क की आवश्यकता है । कहानी कहने के परिप्रेक्ष्य से सीखने को मिलता है, जनसम्पर्क का अर्थ जनता के साथ अच्छे संबंध बनाना है । सीधे शब्दों में कहें तो जनसम्पर्क यह सुनिश्चित करता है कि आपकी छवि और प्रतिष्ठा बनी रहे ।

सुधाकर रेड्डी ने कहा, हम एक बड़ी डिजिटल और सामाजिक क्रांति का अनुभव कर रहे हैं । बड़े पैमाने पर समाज पर जो प्रभाव पड़ता है, पत्रकारिता जनसम्पर्क पर वह प्रभाव डालती है । हम एल्गोरिदम के युग में रह रहे हैं, जो कि किसी ब्रांड की छवि को आकार देने में बड़ी भूमिका निभाता है । हैशटैग किसी भी चीज को बनाते और बिगाड़ते हैं और यहाँ तक कि लोकतंत्र पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं ।

वहीं, बी. विश्वनाथ, सीव्हीओ (मुख्य सतर्कता अधिकारी), एनएमडीसी ने कहा कि, सम्पूर्ण व्यावसायिक प्रक्रिया में जनसम्पर्क गतिविधियों का गहन प्रभाव पड़ता है । और एनएमडीसी की ब्रांडिंग में हमारे सीएमडी के व्यापक दृष्टिकोण ने वास्तव में काम किया है और पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया है । हैदराबाद एयरपोर्ट और लकड़ी-का-पुल मेट्रो स्टेशन पर अपनी होर्डिंग्स को देखकर हमें गर्व का अनुभव होता है ।

अमिताभ मुखर्जी, सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) ने सभी को संबोधित करते हुए कहा, जनसम्पर्क और सम्वाद के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण है ङ्गक्या सम्वाद करना है, किससे सम्वाद करना है और कैसे सम्वाद करना हैफ - यह सभी बहुत महत्वपूर्ण पहलू हैं और हमें रणनीति बनाने की जरूरत है कि लोगों को क्या बताया जाना चाहिए ।

प्रिन्ट मीडिया, सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से हर जगह सूचनाओं का विस्फोट हो रहा है, हम उस छवि को बनाए रखने के लिए ध्यान आकर्षित करने और चीजों को संप्रेषित करने का प्रयास करते हैं । इन्टरऐक्टिव सत्र का उद्देश्य कर्मचारियों के बीच जनसम्पर्क चुनौतियों और अवसरों का प्रबंधन करने के लिए कौशल विकसित करना है ।

विहंगम योग संत समाज की स्थापना शताब्दी समारोह आयोजित

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। विहंगम योग संत समाज की स्थापना का शताब्दी समारोह महोत्सव, 25000 कुण्डीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ के निमित्त कन्याकुमारी से कश्मीर तक राष्ट्रव्यापी संकल्प यात्रा के लिए संत प्रवर श्री विज्ञान देव महाराज का आगमन हैदराबाद की पावन धरती पर हुआ। सैदाबाद स्थित हैदराबाद आश्रम पर संत प्रवर श्री विज्ञान देव जी एवं राष्ट्रीय संत श्री किशनलाल शर्मा का भव्य स्वागत पगड़ी, शाल एवं पुष्प माला से किया गया।

इस अवसर पर संत विज्ञान देव जी ने कहा कि हमें जीवन में आत्म कल्याण के लिए अध्यात्मिकता की नितांत आवश्यकता है। अध्यात्मिक जीवन जीने वालों को सुख -दु:ख या हानि लाभ का प्रभाव नहीं होता है। हमें शरीर भोग भोगने के लिए नहीं आत्म कल्याण के लिए मिला है। सेवा में सरलता में जीवन का कल्याण है। मनुष्य भौतिकता में सुख ढूंढ रहा है जो क्षणिक है। आज विचारों का द्वंद कहीं ज्यादा है। इस दौरान ध्यान साधना सिखाई गई। संत किशनलाल ने 6 एवं 7 दिसंबर 2024 को शताब्दी महोत्सव के निमित्त 25000 कुण्डीय हवन यज्ञ के लिए प्रतिभागियों को संकल्पित करवाया। अवसर कार्यक्रम में शिव कुमार अग्रवाल, श्याम सुन्दर अग्रवाल, विरेंद्र मालपानी, राम किशन भूरिया, ओमप्रकाश अग्रवाल, मंटू केसरी, सुभाष अग्रवाल, सुशील अन्ने, बिशन लाल संघी, अशोक अग्रवाल, देवेंद्र अग्रवाल, जितेश अग्रवाल, आलोक अवस्थी, मुकेश अग्रवाल, रमाकांत अग्रवाल, राजकुमार शर्मा, राजेंद्र, मोहित विद्यार्थी ,चंदन कुमार के साथ साथ गुरु बहन मीना अग्रवाल, गुड़िया केसरी, सरस्वती अग्रवाल, पूजा मालपानी, किरण अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल, डॉ. पी. शशिकला, बबली एवं अनेक गुरु भाई एवं बहने उपस्थित रहे। वंदना, आरती, शांति पाठ एवं महाप्रसाद के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर 12 किलो गांजा जब्त किया

हैदराबाद,16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद कमिश्नर की टास्क फोर्स (दक्षिण पश्चिम) टीम ने मंगलवार को गांजा रखने वाले दो लोगों को पकड़ा। पुलिस ने उनके पास से 12 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किया। पकड़े गए लोगों में अब्दुल खलील (34) और मो. अरशद (27) शामिल हैं, जो फलकनुमा के रहने वाले हैं। दोनों ने मिस्कीन खान उर्फ वहीद से गांजा खरीदा था और उसे बेचने जा रहे थे, तभी सूचना मिलने पर टास्क फोर्स की टीम उन्हें पकड़ लिया।

उनके खिलाफ आसिफनगर पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। खलील और अरशद पहले भी अलग-अलग आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं।

माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब की मासिक बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब की मासिक बैठक एवं सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन नारायणगुडा में सम्पन्न हुआ। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रुपरेखा बनाई गई और अषाढ़ मास में गुरुपूजा, श्रावण मास में हरियाली तीज व सावन की सैर पर विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने पार्क में वृक्षारोपण किया । कार्यक्रम में अध्यक्षा अरुणा गुप्ता, सचिव नीलम दौनेरिया, कोषाध्यक्षा रचना गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य डा.मालती जी, मीनू, श्वेता, सुनीता, प्राची, कविता, कंचन, भारती, नीरु गुप्ता, दिव्या,पूनम,भावना, शशी, अर्चना, अनिता, अमिता, ज्योति, खुश्बू, विशिष्ट अतिथि के रूप में सरला जी, अरुणा जी एवं अन्य उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

टीवी देखने पर बेटे को डांटने पर पिता की कुल्हाड़ी से हत्या

संगारेड्डी,16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक चौंकाने वाली घटना में, मंगलवार शाम को कांगटी मंडल के चौकनपल्ली में एक युवक ने अपने पिता की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी, क्योंकि पिता ने उसे हर समय टीवी सेट से चिपके रहने के लिए डांटा था।पीड़ित मोदे मारुति (65) था, जबकि आरोपी उसका बेटा नरसप्पा (20) है। कथित तौर पर जब उसके पिता ने उसे टीवी देखने से मना किया तो नरसप्पा ने बहस की। गुस्से में आकर नरसप्पा ने कुल्हाड़ी उठाई और मारुति पर अंधाधुंध हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल होने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए नारायणखेड़ के क्षेत्रीय अस्पताल भेज दिया है।

मुहर्रम त्याग की भावना का प्रतीक है : राज्यपाल

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) । तेलंगाना के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि मुसलमानों द्वारा बुधवार को मनाया जाने वाला मुहर्रम त्याग की भावना का प्रतीक है, जिसे मानव जाति के सभी गुणों से ऊपर माना जाता है।यहां एक संदेश में उन्होंने कहा कि यह पैगंबर साहब के पौत्र हजरत इमाम हुसैन रा. की शहादत की याद दिलाता है, जिन्होंने सच्चे विश्वास की खोज में निस्वार्थ रूप से अपना जीवन बलिदान कर दिया।मुहर्रम का सार अच्छाई और त्याग को याद करने में निहित है।राधाकृष्णन ने कहा कि हमें मानवतावाद और इस्लाम के त्याग, शांति और न्याय के आदर्शों को मूर्त रूप देने वाले मुहर्रम की भावना का अनुकरण करने का प्रयास करना चाहिए।

बीसी वेलफेयर हॉस्टल के 10 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध मौत

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सूर्यपेट जिले में बीसी कल्याण आवासीय विद्यालय की कक्षा पांच की छात्रा मंगलवार, 16 जुलाई को संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई।10 वर्षीय सरस्वती को मंगलवार सुबह तेज बुखार के बाद अस्पताल ले जाया गया और कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। हॉस्टल स्टाफ ने सुबह 7 बजे उसके माता-पिता को उसकी बीमारी के बारे में बताया, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। उसकी मौत के पीछे का कारण अज्ञात है।

अग्रवाल मानव सेवा मंच का 175वां नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर सम्पन्न

हैदराबादा, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा मंच का 175वां विशाल निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर बापू नगर अम्बरपेट हैदराबाद स्थित प्रगति विद्या निकेतन हाई स्कूल में सम्पन्न हुआ। शिविर का शुभारंभ श्री अग्रसेन महाराज जी की पूजा अर्चना से हुआ। मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शिविर के प्रयोजक मंगतराय रामकुमार(जैवेलर) हैदराबाद के श्री राधेश्याम गुप्ता ने अग्रसेन महाराज के छायाचित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर दीपक प्रज्वलित किया। मंच के प्रधान संयोजक विनोद अग्रवाल, प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल, संयोजक विष्णु गुप्ता,सह संयोजक डॉ आशीष तोदी,जयप्रकाश अग्रवाल, उमाशंकर गोयनका, अभिमन्यु अग्रवाल, पुष्पक अग्रवाल, अजय गुप्ता, सुरेश गोयल, महावीर डाकोनिया और मंच के सहयोगी मनोज सिंह, प्रगति विद्या निकेतन हाई स्कूल के चैयरमेन एस. मधुसूदन ने भाग लेकर सहयोग किया।

मुख्य अतिथि अम्बरपेट के विधायक के.वेंकटेश, अतिथि के रूप में अम्बरपेट बापू नगर डिवीजन के पार्षद इ. विजय कुमार और प्रगति विद्या निकेतन हाई स्कूल के चेयरमैन राधे श्याम गुप्ता का शॉल ओढ़ाकर और पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मान किया गया । विधायक वेंकटेश एवं पार्षद विजय कुमार ने शिविर का अवलोकन किया और सभी डॉक्टरों की सेवा भाव की सहरावना की।उक्त शिविर में रेनोवो सेन्च्युरी अस्पताल, बंजारा हिल्स के डाक्टरों ने रक्तचाप, शुगर जांच, सामान्य रोगों के रोगीयों, स्त्री संबंधित रोगीयों बाल संबंधित रोगीयों, हड्डी संबंधित रोगीयों, हृदय रोग संबंधित रोगीयों का ईसीजी और 2डीइको द्वारा परिक्षण करके सेवा प्रदान की, स्वाइप आई सेंटर आबिड्स एवं बंजारा हिल्स के विशेषज्ञों द्वारा नेत्र परीक्षण किया गया और जांच के दौरान चिन्हित 8 मोतियाबिंद रोगीयों की नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन अस्पताल में किया जाएगा। श्री प्रियंका डेन्टल क्लिनिक अबीडस और बेगमपेट के डॉ आशीश तोदी ने दांत संबंधित रोगीयों को अपनी सेवाएं प्रदान की। एसएमएस अस्पताल हिमायतनगर के चेयरमैन डॉ रनवीर सिंह के नेतृत्व में नाक, कान और गला संबंधित रोगीयों को सेवा प्रदान की गई। वासवी फिजियोथैरेपी सेंटर के डॉ रवी के नेतृत्व में फिजियोथैरेपी सेवा प्रदान की गई। डॉ अब्दुल वाहिद ने त्वचा संबंधित रोगीयों को सेवा प्रदान की। बीजीआर हेल्थ केयर सेंटर के सरदार गोबिंद सिंह अपने सहायको के साथ प्राकृतिक चिकित्सा एक्युप्रेशर चिकित्सा से अनेक रोगीयों को लाभ पहुंचाया। भवानी ग्रुप, इंदरबाग की पूरी टीम ने दिल खोलकर नि:शुल्क दवाइयां वितरित की।

उक्त स्वास्थ्य जांच शिविर में करीब 325 लोगों ने उपलब्ध स्वास्थ्य जांच सेवाओं का लाभ उठाया। प्रगति विद्या निकेतन हाई स्कूल की अध्यापक गण, छात्रों और कर्मियों ने इस शिविर को सफल बनाने में उल्लेखनीय योगदान प्रदान किया।

फसल ऋण माफी दिशानिर्देश किसानों के लिए मौत की घंटी

हैदराबाद,16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस सरकार पर किसानों को धोखा देने का आरोप लगाते हुए भाजपा मलकाजगिरी के सांसद ईटेला राजेंद्र ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा फसल ऋण माफी का लाभ उठाने के लिए घोषित दिशा-निर्देश किसानों के लिए मौत की घंटी साबित होंगे। मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने चुनावों के दौरान बिना किसी शर्त के 2 लाख रुपये तक के फसल ऋण माफ करने का वादा किया था और अब वे ऋण माफ करवाने के लिए शर्तें लगा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, यह किसानों को धोखा देने के अलावा और कुछ नहीं है। कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह किसान विरोधी है। शर्तें लगाना इस बात का संकेत है कि सरकार का फसल ऋण माफ करने का कोई इरादा नहीं है।फसल ऋण माफी का लाभ उठाने के लिए सफेद राशन कार्ड अनिवार्य करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि सभी किसानों के पास सफेद राशन कार्ड नहीं हैं, इसलिए इसे अनिवार्य बनाना अनुचित है। इसके अलावा, सरकार ने पिछले 10 वर्षों से नए सफेद राशन कार्ड जारी नहीं किए हैं, इसलिए किसानों को राशन कार्ड कैसे मिल सकते हैं, उन्होंने पूछा। सैकड़ों किसान ऐसे हैं जिनके परिवार के सदस्य सरकारी कर्मचारी हैं। उन्होंने कहा कि वे भी फसल ऋण माफी के लाभ से वंचित रह जाएंगे, क्योंकि वे सफेद राशन कार्ड पाने के लिए अयोग्य हैं।

महिला को जबरन शराब पिलाकर बलात्कार करने के आरोप में 3 लोग गिरफ्तार

हैदराबाद,16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अलवल पुलिस थाने की सीमा में मंगलवार को एक महिला को जबरन शराब पिलाकर उसके साथ बलात्कार करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। अलवल सर्किल इंस्पेक्टर राहुल देव के अनुसार, शुक्रवार देर रात काम से लौट रही महिला को कथित तौर पर धमकाया गया और एक सुनसान जगह पर ले जाया गया, जहाँ साई किरण ने उसके साथ बलात्कार किया, जिसकी मदद दो अन्य आरोपी सलीम और नानी ने की। पीड़िता लोथकुंटा में एक बार में रुकी थी, जहाँ सलीम ने पीड़िता से मुलाकात की। उसने उसका ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा। नतीजतन, नानी ने ऑटोरिक्शा ले रही पीड़िता से उसे लिफ्ट देने के लिए कहा। सीआई ने कहा कि नानी तिपहिया वाहन में पीड़िता के साथ गई, जबकि अन्य दो उनके पीछे-पीछे गए। नानी के पास एक बीयर की बोतल थी, जिसने उसे तोड़ दिया और एक सुनसान जगह पर पीड़िता और ऑटोरिक्शा चालक को धमकाने के लिए उसका इस्तेमाल किया। सीआई राहुल देव ने कहा कि चालक को जाने के लिए मजबूर करने के बाद, साई किरण पीड़िता को थोड़ी दूर ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने बताया कि अपराध करने से पहले आरोपी ने शुक्रवार और शनिवार की रात को उसे जबरन शराब पिलाई ताकि वह खुद का बचाव करने की स्थिति में न रह जाए। सीआई के अनुसार, आरोपी ऑटोरिक्शा चालक के तौर पर काम करता है। मामला दर्ज कर आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया।

तेलंगाना में भारी बारिश होने के आसार

आईएमडी ने 5 दिन का येलो अलर्ट जारी किया

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) । आईएमडी ने तेलंगाना के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है और राज्य में अगले पांच दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। रविवार को शहर में भारी बारिश के बाद, भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने अगले पांच दिनों के लिए हैदराबाद और उसके आस-पास के इलाकों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।आईएमडी के अनुसार, बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बनने से तेलंगाना के विभिन्न जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने लोगों को आवश्यक सावधानी बरतने और मौसम संबंधी अलर्ट के साथ अपडेट रहने की सलाह दी है। आईएमडी ने चेतावनी दी है कि हैदराबाद जिले में गुरवार तक बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।विभाग ने शहर के लिए केवल एक दिन के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

पूरे राज्य के लिए, आईएमडी द्वारा जारी येलो अलर्ट 19 जुलाई तक जारी रहेगा। हैदराबाद में अब तक चालू दक्षिण-पश्चिम मानसून में 182 मिमी बारिश हुई है, जबकि सामान्य बारिश 170.2 मिमी होती है, जो सात प्रतिशत विचलन है।

पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी से सटे उत्तर-पश्चिम में एक कम दबाव का क्षेत्र बना है, जो समुद्र तल से 7.6 किमी ऊपर तक फैला हुआ है, और ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है। बारिश के बाद, जीएचएमसी ने 228 स्टैटिक टीमें, 154 मानसून आपातकालीन टीमें और 140 ठहराव बिंदुओं से पानी निकालने के लिए 168 डीवाटरिंग पंप सेट तैनात किए हैं।

इसके अलावा, जल ठहराव को साफ करने और आपात स्थितियों में भाग लेने के लिए आपदा प्रतिक्रिया बल (डीआरएफ) की टीमों को तैनात किया गया था। सहायता के लिए जीएचएमसी नियंत्रण कक्ष उपलब्ध कराया गया था, नागरिकों को सलाह दी गई थी कि वे बारिश से संबंधित किसी भी समस्या के लिए 040-21111111 या 9000113667 पर डायल करें। इस बीच, सोमवार को शाम 7.25 बजे हुसैन सागर झील का जलस्तर +513.43 मीटर दर्ज किया गया, और इसका फुल टैंक लेवल +513.41 मीटर और अधिकतम जल स्तर +514.75 मीटर था। अधिकारी किसी भी संभावित ओवरफ्लो को प्रबंधित करने और आस-पास के क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए झील की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं।

नतीजतन, अधिकारियों ने निचले इलाकों के निवासियों को बारिश के बारे में सतर्क रहने की सलाह दी है। जवाब में, अधिकारियों ने अतिरिक्त पानी को नीचे की ओर छोड़ने के लिए हुसैन सागर जलाशय के गेट खोल दिए हैं।

जीएचएमसी के अधिकारियों ने स्थिति का आकलन किया है और यदि जल स्तर बढ़ता रहा तो आवश्यक कार्रवाई करने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कावडीगुडा और अन्य बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों के निवासियों को अगले 24 घंटों में सतर्क रहने के लिए सचेत किया है। निवासियों को भारी बारिश और बाढ़ की इस अवधि के दौरान अपनी भलाई सुनिश्चित करने के लिए सूचित रहना चाहिए और सुरक्षा निर्देशों का पालन करना चाहिए।

शेयर मार्केट

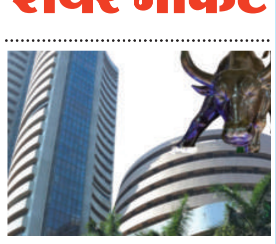

बीएसई : 80,716.55
+51.69 +0.06% ↑
एनएसई :24,613.00
26.30 (0.11%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 75,780/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 94,740/- (प्रति किलोग्राम)

रामकोट स्थित कच्छी भवन में श्री कच्छी मित्र मंडल हेल्थ केयर समिति द्वारा आयोजित नि:शुल्क एक्युपंक्चर कैम्प में डॉ. रमेश भुत्ता जैन एवं उनकी सहयोगी टीम ने सेवाएं प्रदान की। इस अवसर पर उपस्थित संयोजक दिनेश गोसर, निलेश छेडा, पंकज सावला, विपुल निसर, राजीव मामणिया, दिगेश निसर एवं अन्य।

महावीर इंटरनेशनल-हैदराबाद ने लायन्स क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल के सहयोग से रविवार 14-7-2024 को एमआई-एचवाईडी आलेर विजन सेंटर, श्री कुलपाकजी जैन तीर्थ धर्मशाला, आलेर में नि:शुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद सर्जरी शिविर का आयोजन किया।

मृदा-स्वास्थ्य के संरक्षण-संवर्धन, प्रकृतिक खेती की तकनीकों के विकास का शिवराज का आह्वान

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कृषि वैज्ञानिकों से मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने और भावी पीढ़ी के लिए एक स्वस्थ वातावरण प्रदान करने के लिए प्राकृतिक खेती तकनीकों का अभ्यास करने का आग्रह किया।

श्री चौहान ने बेहतर उत्पादन और आय में वृद्धि के लिए छोटे और सीमांत किसानों के लिए मॉडल फार्म शुरू करने के प्रस्ताव पर भी जोर दिया। वह यहां पूसा में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के 96वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कृषि मंत्री ने 'लैब टू लैंड' पर भी जोर दिया और कहा कि प्रौद्योगिकी आधारित कृषि पद्धतियां किसानों को बेहतर फसल पैदा करने और आय को अधिकतम करने में मदद करती हैं। कार्यक्रम को केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ,कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और श्री राम नाथ ठाकुर तथा मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायती राज राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल और जॉर्ज कुरियन तथा आईसीएआर के महानिदेशक हिमांशु पाठक ने संबोधित किया।

आईसीएआर ने 96वें स्थापना दिवस पर दो दिन की प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी लगायी थी। इसका का औपचारिक उद्घाटन कृषि मंत्री ने किया। प्रदर्शनी में आईसीएआर द्वारा विकसित विभिन्न प्रौद्योगिकियों तथा उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। इसमें लगभग 400 आम, 80 केले, 50 शीत-ोष्ण फल और 120 लघु फलों की किस्में प्रदर्शित की गईं। कृषि विकास में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 40 प्रौद्योगिकियों के डेवलपर्स को सम्मानित किया गया।

श्री चौहान कृषि मंत्री के नाते आईसीएआर सोसाइटी के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने अपने संबोधन में आयात की लागत को कम करने और भारतीय किसानों को 'आत्मनिर्भर' बनाने के लिए तिलहन और दलहन के उत्पादन को बढ़ाने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

मंत्री ने जलवायु परिवर्तन से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने और स्वस्थ वातावरण बनाने में योगदान देने पर जोर दिया। उन्होंने निर्यात को अधिकतम करने और आयात को कम करने के माध्यम से 'वैश्विक खाद्य टोकरी' बनने की भारत की क्षमताओं के दोहन पर जोर दिया।

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने मत्स्य पालन और पशु विकास के महत्व के बारे में बात करते हुए कहा कि भारतीय आबादी का 70 प्रतिशत हिस्सा आजीविका के लिए इस पर निर्भर करता है। श्री सिंह ने बताया कि देश में आईवीएफ वैक्सीन के साथ मिश्रित सेक्स-सॉर्टेड वीर्य का विकास चल रहा है, जिसका उद्देश्य पशुपालकों के लिए वैक्सीन को और अधिक किफायती बनाना है।

श्री भागीरथ चौधरी ने कृषि तकनीकों की कमियों को दूर करने के लिए शोध आधारित तरीकों की आवश्यकता पर बल दिया।

श्री राम नाथ ठाकुर ने उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग के कारण खराब हो रही मिट्टी की गुणवत्ता को बनाए रखने का आग्रह किया।

श्री बघेल ने भूजल स्तर में गिरावट और मवेशियों की बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति पर चिंता व्यक्त की।

श्री कुरियन ने कहा कि भारत दुनिया में मछली का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। उन्होंने देश की खाद्य सुरक्षा पर भी चिंता व्यक्त की।

डॉ. पाठक ने 2023-24 के दौरान आईसीएआर के योगदान पर प्रकाश डाला। 2023-24 के दौरान अनाज, तिलहन, चारा फसलों और गन्ने सहित 56 फसलों की कुल 323 किस्में जारी की गईं। आंध्र प्रदेश, पंजाब, बिहार और उत्तर प्रदेश के छोटे और सीमांत किसानों के लिए आईएफएस मॉडल विकसित किए गए। उन्होंने पशुधन उत्पादन, मत्स्य पालन, कृषि उपकरण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और कृषि विस्तार की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। उन्होंने कृषि शिक्षा, कौशल विकास और आईसीएआर आउटरीच पर भी प्रकाश डाला।

कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के अतिरिक्त सचिवने अतिथियों का स्वागत किया और अनुसंधान और शिक्षा में आईसीएआर की भूमिका पर प्रकाश डाला। विभाग की अतिरिक्त सचिव और वित्त सलाहाकार अलका नांगिया अरोड ,आईसीएआर के सहायक महानिदेशक तकनीकी समन्वय अनिल कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम में भाकृअनुप-संस्थानों के सभी निदेशक एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सुक्खू ने मोदी से उदार वित्तीय सहायता का किया आग्रह

शिमला/नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मंगलवार को नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की। उन्होंने प्रधानमंत्री से हिमाचल प्रदेश को हरित ऊर्जा संपन्न राज्य बनाने के लिए समर्थन मांगा। उन्होंने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों से भी श्री मोदी को अवगत करवाया।

श्री सुक्खू ने कहा कि ताप विद्युत खरीद की शर्तों एवं नियमों में राहत देते हुए राज्य को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए क्योंकि प्रदेश जल्द ही हरित ऊर्जा निर्भर राज्य बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरित ऊर्जा की दिशा में कदम बढ़ाते हुए राज्य में इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने ई-बसों की फंडिंग के लिए नाबार्ड के तहत ग्रामीण आधारभूत संरचना विकास निधि (आरआईडीएफ) ऋण प्रदान करने की अनुमति देने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि स्पीति में 1000 मेगावॉट हाइब्रिड सौर और पवन ऊर्जा उत्पादन की क्षमता है जिसका ग्रीन कॉरिडोर ट्रांसमिशन के जरिए दोहन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सतलुज घाटी मे सौर, पवन और जलविद्युत ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को केंद्र सरकार के पास लंबित बिजली परियोजनाओं से संबंधित मुद्दों को भी उठाया। उन्होंने कहा कि बार-बार आग्रह करने के बावजूद भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड ने काफी समय से लंबित एरियर का हिमाचल प्रदेश को भुगतान नहीं किया है। इसके अलावा शानन पावर प्रोजेक्ट की पट्टा अवधि पूरी होने के बावजूद प्रदेश को अभी तक इसका मालिकाना हक नहीं मिल पाया है। उन्होंने एसजेवीएन और एनएचपीसी की बिजली परियोजनाओं को दी जा रही निशुल्क पावर रॉयल्टी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया और इस संबंध में अनुकूल निर्णय लेने का आग्रह किया।

श्री सुक्खू ने प्रधानमंत्री को राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे विशेष प्रयासों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कांगड़ा को पर्यटन राजधानी के तौर पर विकसित किया जा रहा है, वहीं कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार की प्रक्रिया भी जारी है। उन्होंने केंद्र सरकार से भूमि अधिग्रहण का पचास फीसदी खर्च उठाने और हवाई अड्डे के विस्तारीकरण के लिए विशेष अनुदान देने का भी आग्रह किया। उन्होंने पर्यटन, रोजगार और आर्थिक विकास के लिए पर्यटन विशेष आर्थिक क्षेत्र के लिए नीति बनाने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने कहा हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य से इस तरह की नीति को शुरू करना बहुत लाभदायक होगा।

उन्होंने श्री मोदी को विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों के बारे में भी अवगत करवाया और उदार वित्तीय सहायता प्रदान करने का आग्रह किया ताकि राज्य सरकार बीते वर्ष मानसूज सीजन में नुकसान से जल्द उबर सके।

श्री मोदी ने मुख्यमंत्री की सभी मांगों को विनम्रता से सुना और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। इस मौके पर राज्य के वित्त विभाग के प्रधान सचिव देवेश कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर और आवासीय आयुक्त मीरा मोहंती मुख्यमंत्री के साथ मौजूद रहे।

20 लाख के इनामी एक महिला माओवादी सहित चार नक्सलियों का समर्पण

सुकमा, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में पुलिस को मंगलवार को उस समय बड़ी सफलता मिली जब 20 लाख की इनामी महिला माओवादी समेत चार कट्टर नक्सलियों ने आत्समर्पण कर दिया। बताया जाता है कि समर्पण करने वाली महिला नक्सली लगभग 14 साल व पुरुष नक्सली लगभग 14-15 सालों से नक्सली संगठन में सक्रिय रहकर कई बड़ी-बड़ी नक्सली घटनाओं में शामिल रहे हैं। छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा पदों के अनुरूप आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से महिला नक्सली पर आठ लाख, दो पर पांच-पांच लाख व अन्य एक पर दो लाख यानी कुल 20 लाख रुपये का इनाम घोषित है।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के मुताबिक उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन की 'छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वासनीति' व 'नियद नेल्ला नार' योजना से प्रभावित होकर व अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार नवीन सुरक्षा कैम्प स्थापित कर पुलिस के बढ़ते प्रभाव से समर्पण किया। आत्मसमर्पित महिला नक्सली लगभग 14 साल व पुरुष नक्सली लगभग 14- 15 सालों से नक्सली संगठन में सक्रिय रहे हैं। साथ ही ये सभी छतीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश में कई बड़ी-बड़ी नक्सली घटनाओं में शामिल रहे हैं।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली कम्पनी नम्बर 10 प्लाटून 'ए डिप्टी कमाण्डर /सेक्शन-ए ' डिप्टी कमाण्डर, प्लाटून नंबर 30 का पीपीसीएम, दक्षिण बस्तर डिवीजन टेक्निकल सदस्या/एसीएम एवं महाराष्ट्र (गढ़चरोली डिवीजन अन्तर्गत) भामरागढ़ एरिया कमेटी/सीएनएम पार्टी सदस्यों के पदों पर सक्रिय रहे हैं। नक्सलियों के आत्मसमर्पण के लिए प्रोत्साहित कराने में विशेष आसूचना शाखा, जिला पुलिस बल, डीआरजी जिला सुकमा व दो वाहिनी सीआरपीएफ के आसूचना शाखा का विशेष प्रयास रहा है।

सुकमा पुलिस अधीक्षक किरण चौहाण ने बताया कि शासन की समर्पण नीति से प्रभावित हो कर एक महिला सहित चार नक्सलियों ने समर्पण किया है। इन नक्सलियों पर शासन के द्वारा 20 लाख का इनाम घोषित था। वहीं हम नक्सलियों से अपील करते है शासन की समर्पण नीति का फायदा लेकर समर्पण करें मुख्य धारा में लौट आयें।

मणिपुर-त्रिपुरा में हिंसा की घटनाएं प्रायोजित : कांग्रेस

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने कहा है कि पूर्वोत्तर के मणिपुर और त्रिपुरा अशांति बनी हुई है और वहां हिंसा की घटनाएं प्रायोजित रूप से हो रही हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. अजय कुमार ने मंगलवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि वहां की हिंसा प्रायोजित है और वहां जानबूझकर हिंसा और आतंकवाद का माहौल पैदा किया जा रहा है। उन्होंने कहा वहां हो रही हिंसा प्रायोजित है। भाजपा इस देश को ऐसे कगार पर ले जा रही है, जहां से लौटना बहुत मुश्किल हो जाएगा। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। मणिपुर की हिंसा से इनका मन नहीं भरा इसलिए अब ये त्रिपुरा में भी वही हालात पैदा कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि वहां पंचायत चुनाव से पहले हिंसा हो रही है, इसलिए इसे वहां शांति का माहौल स्थापित हो यह जिम्मेदारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की है। उनका कहना था कि पूर्वोत्तर में जंगलराज चल रहा है और मणिपुर तथा त्रिपुरा में स्थिति बहुत ही खराब है।

उन्होंने कहा ये पूरी तरह से श्री नरेन्द्र मोदी और श्री अमित शाह की जिम्मेदारी है। त्रिपुरा में आम लोग चुनाव लड़ रहे हैं। उन्हें विश्वास है कि इस लोकतंत्र में वे बिना हिंसा के ईमानदारी से निष्पक्ष चुनाव लड़ सकते हैं, लेकिन यहां ऐसा संभव नहीं है क्योंकि भाजपा ने ठान लिया है कि उनके खिलाफ जो भी नामांकन करेगा उसे मारेंगे।

सिंधी समाज का 'चाहिलो उत्सव' शुरु

अजमेर, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

राजस्थान में अजमेर में सिंधी समाज के 'चाहिलो उत्सव' का मंगलवार को आगाज हुआ। चालीस दिन तक चलने वाले इस धार्मिक उत्सव का 25 अगस्त को समापन होगा। अजमेर में सिन्धु समिति की ओर से 23वें झूलेलाल चाहिलो उत्सव का पूजन पंच महाज्योत प्रज्ज्वलन से शुभारंभ किया गया। तीर्थराज पुष्कर स्थित श्री पाषानंद उदासीन आश्रम के महंत हनुमानाराम उदासीन ने कहा कि 'हम सब मिलकर निरंतर पूजन एवं नाम स्मरण करते रहें और जरूरतमंद परिवारों की सेवा करते रहें तो निश्चित रूप से हम सफल होगें।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, KANANBALA MOHARANA spouse of Army No.JC 391003X. Nb/Sub BIJAY KUMAR MOHARANA, R/o.Vill:Karanjia, Post:Ishan Nagar, Fakir Mohan Nagar, Dist:Baleshwar, Odisha-756001 have changed my name from **KANANBALA MOHARANA** to **KANANBALA MAHARANA** vide Affidavit dt:16-7-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Nutan Gorakh Nath Hambir spouse of No.15816873H Nk Gorakh Nath, R/o.1 Trg Bn, AOC Centre, C/o.56 have changed my name from **NUTAN GORAKH NATH HAMBIR** to **NUTAN GORAKNATH HAMBIR** vide affidavit dt:16-7-2024 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, No.6941282A Hav Shiv Ratan Kumar of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my mother name is changed from **SARSVATI DEVI** to **SARSWATI DEVI** vide affidavit S.No.38AA843325.

CHANGE OF NAME
I, No.6942420H Hav Parshuram Kilargi of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that have changed my name as **PARASHURAM KILARGI** vide affidavit S.No.38AA843336.

CHANGE OF NAME
I, No.6941231M Hav Girish Kumar. G of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana India hereby state that my mother name is changed from **SHYAMALA** to **SYAMALA.K** vide affidavit S.No.38AA843324.

CHANGE OF NAME
I, No.JC 732919H Sub Clk SD Y Chinna Venkatramana of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad Telangana hereby state that my daughter name is changed from **MOHITA LAKSHMI** to **YADDALAPURI MOHITHA LAKSHMI** vide Affidavit S.no.38AA798158.

CHANGE OF NAME
I, No.15812485N L/Nk Venkata Surabhaih G J P of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state have changed my name as **VENKATA SURABHAIAH G J P** vide affidavit S No.38AA798157.

CHANGE OF NAME & DOB
I, KAKARLA NARSIMHA mother of S.No.15712311Y L/Nk KAKARLA KRISHNAMURTHY, R/o.Vill:Mittavanla Palli, Post:Kalicherla, Taluq:Peddamandyam, Dist:Chittoor, Andhra Pradesh- 517297, have changed my name and DOB from **KAKARLA NARSIMHA**, DOB:**5-1-1962** to **KAKARLA NARASAMMA**, DOB:**1-1-1958** vide affidavit dt:16-7-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Secunderabad.

हाइवा और स्कॉर्पियो की टक्कर में छह लोगों की मौत, पांच घायल

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

बिहार में पटना जिले के बख्तियारपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह हाइवा और स्कार्पियो के बीच हुयी टक्कर में चार महिला समेत छह लोगों की मौत हो गयी तथा पांच अन्य घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि नवादा जिले के नरहट थानाक्षेत्र के हमीरपुर बारा निवासी मुकेश कुमार के पुत्र हीरालाल के मुंडन समारोह में हिस्सा लेने के लिये स्कार्पियो पर सवार लोग बाढ़ के उमानाथ मंदिर जा रहे थे। इस दौरान मानसरोवर पेट्रोल पंप से निकट तेज रफ्तार स्कार्पियो ने सड़क किनारे खड़े हाइवा में टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में स्कार्पियो पर सवार चार महिला समेत छह लोगों की मौत हो गयी जबकि पांच अन्य घायल हो गये।

सूत्रों ने बताया कि मृतकों की पहचान करहरिया बेलदारी गांव निवासी फुलवा देवी (52), कमला देवी (55)नीरज कुमार (25), तथा हमीरपुर बारा निवासी पार्वती देवी (50) ,निर्मला देवी (50) और रिशु कुमारी (05) के रूप में की गयी है। घायलों का इलाज पटना के निजी नर्सिंग होम में चल रहा है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिये भेज दिया गया है।

भूपेंद्र, दीपेन्द्र से उनके कुशासन का हिसाब मांगने का वक्त आ गया है: शाह

चंडीगढ़, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि हरियाणा में 'नॉट फाउंड सूटेबल कैंडिडेट' बताकर पिछड़ों के आरक्षण का हक मारने वाली कांग्रेस और उनके नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और दीपेंद्र हुड्डा से उनके कुशासन का हिसाब मांगने का वक्त आ गया है।

श्री शाह ने हरियाणा के महेंद्रगढ़ पाली में मंगलवार को आयोजित पिछड़ा वर्ग सम्मान सम्मेलन को संबोधित करते हुये कहा कि राज्य का संपूर्ण समाज और विशेष कर पिछड़ा वर्ग आगामी चुनाव में तीसरी बार पूर्ण बहुमत की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)सरकार बनाकर कांग्रेस और पिता-पुत्र (भूपेन्द्र सिंह हुड्डा और दीपेन्द्र हुड्डा) से पिछड़ों से अन्याय का हिसाब लेगी, ऐसा उन्हें पूर्ण विश्वास है।

उन्होंने कहा कि श्री हुड्डा के 10 साल के कुशासन का हिसाब भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता मांगेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 10 साल के कुशासन में हरियाणा को सिर्फ 41 हजार करोड रुपये दिये थे, वहीं 10 साल में भाजपा की सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दो लाख 59 हजार करोड़ रुपये हरियाणा को दिये हैं। परिवारवाद और क्षेत्रवाद से ग्रस्त श्री हुड्डा को हरियाणा की 6,225 पंचायतों को भी हिसाब देना पड़ेगा।

श्री शाह ने कहा कि भाजपा के पास पाई-पाई का हिसाब है, लेकिन श्री हुड्डा ने 10 साल के अपने कुशासन में हरियाणा को क्या दिया था, उसका भी हिसाब उनको देना पड़ेगा।नौकरियों में भेदभाव,नौकरियां और ठेकों की खुली लूट, किसानों की जमीन की लूट क्षेत्रवाद और परिवारवाद का तांडव और पिछड़ों-दलितों के साथ घोर अन्याय इन सभी बातों का हिसाब अब भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता हुड्डा पिता-पुत्र और कांग्रेस से मांगेगा।

इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि श्री मोदी ने एक गरीब और पिछड़े वर्ग के व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाया है, ये संपूर्ण पिछड़े समाज का सम्मान है।

श्री सैनी ने कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देकर पिछड़ों को पंचायत और नगर स्थानीय निकाय में भी आरक्षण देकर और हरियाणा को कांग्रेस की तुलना में छह गुना से भी ज्यादा धन देकर सच्ची नीयत से राज्य की उन्नति का प्रयास श्री मोदी ने किया है।

उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार में 71 में से 27 मंत्री पिछड़े वर्ग से हैं।

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..................
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दी किसानों को खुश खबरी

पहले होगा एक लाख रुपए कर्ज माफ

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) । तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को किसानों को लाभान्वित करने वाले महत्वपूर्ण निर्णयों की घो-षणा की और 18 जुलाई तक सभी पात्र किसानों को एक लाक रुपये की ऋण माफी प्रदान करने की घोषणा की है। सीएमओ ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर कहा, सभी किसानों के लिए अच्छी खबर है। पहली किस्त में, 18 जुलाई तक सभी पात्र किसानों को एक लाख रुपये की सीमा तक ऋण माफी दी जाएगी। आगे कहा गया है कि ऋण माफी के लिए राशन कार्ड प्रावधान के विषय पर, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि पासबुक के आधार पर, 2 लाख रुपये की फसल ऋण माफी किसान परिवार पर लागू होगी। तेलंगाना सीएमओ की पोस्ट में कहा गया है।

मुख्यमंत्री ने बैंकर्स को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कर्जमाफी की राशि गलत दिशा में न जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर कर्जमाफी के लिए जारी की गई राशि दूसरे खातों में जमा की गई तो बैंकर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सचिवालय में कलेक्टरों, पुलिस आयुक्तों और एसपी के साथ बैठक में रेवंत रेड्डी ने कर्जमाफी पर स्पष्टीकरण भी दिया और कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने याद दिलाया कि सरकारी कार्यक्रमों और योजनाओं को अंतिम लाभार्थियों तक पहुंचाना कलेक्टरों की जिम्मेदारी है।

तेलंगाना के सीएम ने यह भी दोहराया कि हर पात्र व्यक्ति तक छह गारंटी पहुंचाना सरकार का मिशन है। उन्होंने यह भी कहा कि लंबित धरणी मुद्दों को 15 अगस्त तक सुलझा लिया जाना चाहिए।धरणी विशिष्ट भूमि मामलों से संबंधित शिकायत के लिए एक आवेदन हैतेलंगाना के सीएम रेड्डी ने यह भी कहा कि सरकारी जमीनों और तालाबों को अलगाव से बचाने के लिए विशेष उपाय किए जाने चाहिए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि राशन कार्ड और आरोग्यश्री कार्ड के बिना सभी को आरोग्यश्री स्वास्थ्य सेवाएं मिलें और सभी के लिए एक डिजिटल स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल बनाई जानी चाहिए।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कलेक्टरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए उन्हें सरकार की आंख और कान बताया।

मंगलवार को सचिवालय में आयोजित कलेक्टरों के सम्मेलन में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने 24 दिसंबर, 2023 को कलेक्टरों के साथ हुई प्रारंभिक बैठक को याद किया।उन्होंने कहा, उस बैठक में हमें लोक प्रशासन के माध्यम से आवेदन प्राप्त करने और वास्तविक लाभार्थियों की पहचान करने का निर्देश दिया गया था। चुनाव आचार संहिता समाप्त होते ही हमने पारदर्शी तरीके से कलेक्टरों के तबादले किए। कलेक्टरों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आप सरकार की आंख और कान हैं। कुछ कलेक्टर अलग-अलग राज्यों से यहां आए हैं। तेलंगाना की संस्कृति में भाग लेकर ही आप लोगों को उचित सेवाएं दे पाएंगे। आपको तेलंगाना को अपना राज्य मानकर काम करना चाहिए। आपके फैसले लोगों को लाभ पहुंचाने वाले मानवीय होने चाहिए। आपको ऐसा काम करना चाहिए कि आम लोग हमेशा शंकरन, श्रीधरन को याद रखें।

उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्रीय स्तर पर लोगों की सोच को समझें। अगर आप खुद को एसी कमरों तक सीमित रखेंगे, तो आप संतुष्ट नहीं होंगे। आपके हर काम से लोगों को पता चलना चाहिए कि यह लोगों की सरकार है। इस जनता की सरकार में पारदर्शी लोक कल्याणकारी शासन प्रदान किया जाना चाहिए। कल्याण और विकास को संतुलित करना और इसे आगे बढ़ाना आपकी जिम्मेदारी है। कलेक्टरों को क्षेत्र का दौरा करना होगा। मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के पुनर्निर्माण में शिक्षा प्रणाली के महत्व पर जोर देते हुए हर गरीब छात्र के लिए हर महीने 85 हजार रुपये खर्च करने की सरकार की बात पर प्रकाश डाला।उन्होंने कलेक्टरों को शिक्षा प्रणाली को किसी भी तरह का नुकसान न हो, इसके लिए उपाय करने और सरकारी स्कूलों और अस्पतालों की निगरानी करने की सलाह दी।उन्होंने कहा कि यदि कुछ सरकारी स्कूलों में शिक्षकों का तबादला किया जाता है, तो छात्र अपने परिवार के सदस्यों की तरह प्रतिक्रिया करते हैं। इसी तरह, कलेक्टरों के तबादले पर भी जनता से ऐसी ही प्रतिक्रिया प्राप्त करने का प्रयास किया जाना चाहिए।उन्होंने नियमित प्रसारण के माध्यम से जन शिकायतों के समाधान का भी निर्देश दिया और छह गारंटियों को पारदर्शी तरीके से लागू करने की जिम्मेदारी पर जोर दिया।

रेवंत रेड्डी ने आरोग्यश्री कार्यान्वयन पर महत्वपूर्ण आदेश जारी किए

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आरोग्यश्री स्वास्थ्य सेवा योजना के क्रियान्वयन के संबंध में अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। सीएम ने स्पष्ट किया है कि राशन कार्ड और आरोग्यश्री कार्ड के बीच संबंध नहीं दिया जाना चाहिए।इसके अतिरिक्त, अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि प्रत्येक व्यक्ति को आरोग्यश्री कार्ड प्रदान किया जाए और सभी नागरिकों के लिए एक डिजिटल स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल बनाई जाए। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले डॉक्टरों के पारिश्रमिक में वृद्धि की जाएगी और आदिवासी क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे।पंजीकृत चिकित्सा चिकित्सकों (आरएमपी) और निजी चिकित्सा चिकित्सकों (पीएमपी) के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए उचित समाधान खोजने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

सीएम के आदेशों का उद्देश्य राज्य में स्वास्थ्य सेवा की पहुँच और वितरण में सुधार करना है, जिससे अंततः बड़े पैमाने पर जनता को लाभ होगा। अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे और सेवाओं को बढ़ाने के लिए इन निर्देशों को तेजी से लागू करेंगे।

केटीआर ने दलबदल और प्रोटोकॉल उल्लंघन के लिए कांग्रेस की आलोचना की

कहा, कोई निर्णय नहीं लिया तो सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री केटी रामा राव ने राज्य में कांग्रेस पार्टी द्वारा कथित तौर पर अवैध रूप से विधायकों को शामिल किए जाने पर चिंता जताई है।मंगलवार को विधानसभा मीडिया प्वाइंट पर मीडिया को संबोधित करते हुए केटीआर ने बीआरएस से कांग्रेस में शामिल हुए नौ विधायकों के बारे में स्पीकर को की गई शिकायत पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्पीकर को सुप्रीम कोर्ट के निर्देश की याद दिलाई कि पार्टी के दलबदल पर फैसला तीन महीने के भीतर किया जाना चाहिए।केटीआर ने मणिपुर के एक मामले का

हवाला दिया जहां एक कांग्रेस विधायक को पार्टी बदलने के बाद सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आधार पर अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

उन्होंने स्पीकर से उन्हीं दिशा-निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया।केटीआर ने कहा, हमने स्पीकर को बताया कि इस मुद्दे को नजरअंदाज करना पद का अपमान होगा। हमने उन्हें सुप्रीम कोर्ट का फैसला भी पढ़कर सुनाया, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि शिकायत मिलने के तीन महीने के भीतर फैसला किया जाना चाहिए।

उन्होंने राहुल गांधी के रुख में असंगति की ओर इशारा करते हुए कहा कि राहुल अन्य जगहों पर पार्टी के दलबदल की आल-ोचना करते हैं, जबकि तेलंगाना में वे कथित तौर पर उन्हें प्रोत्साहित करते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.